राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

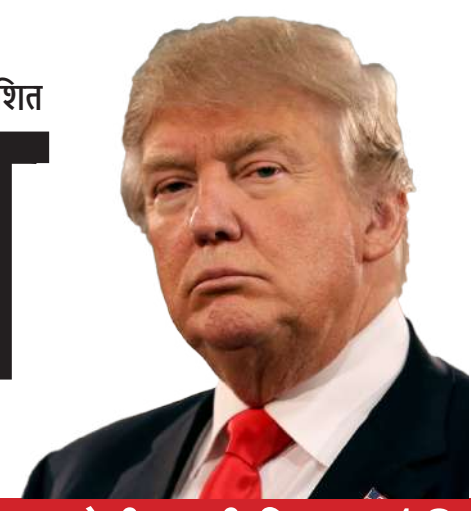

11 तैयार हो गई गौतम गंभीर की कोचिंग टीम...

राष्ट्रपति बनने से पहले ट्रंप ने हमास को दी धमकी, मिला ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 100 | नई दिल्ली, रविवार, 21 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

अमित शाह ने झारखंड में भाजपा के चुनावी अभियान का किया शंखनाद, कहा- पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे

प्रात: किरण

रांची/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद कर दिया। यहां प्रभात तारा मैदान में आयोजित भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की सभा में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्होंने राज्य की मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया। अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। भारतीय जनता पार्टी के नेता-कार्यकर्ता घर-घर जाकर इस सरकार के भ्रष्टाचार, घोटाले और वादाखिलाफी का दस्तावेज पहुंचाएंगे।

इस सरकार में एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला, एक हजार करोड़ का खनन घोटाला, 300 करोड़ का जमीन घोटाला हुआ। झारखंड में कांग्रेस के एक सांसद के घर से तीन सौ करोड़ रुपए और हेमंत सरकार के मंत्री के पीए के घर से 30 करोड़ मिले। यह जनता से लूटा गया और भ्रष्टाचार से इकट्ठा किया गया पैसा है। बेशर्मी की हद तो यह कि कांग्रेस जेल में बंद उस मंत्री को फिर टिकट देने जा रही है, जिसके पीए के घर से 30 करोड़ मिले। केंद्रीय गृह मंत्री ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए राज्य के सीएम हेमंत सोरेन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे खुद को आदिवासी सीएम बताते हैं, लेकिन आदिवासियों की चिंता करने के बदले लैंड और लव जिहाद के जरिए उनकी जमीन लूटने वाले घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं।

झारखंड में आदिवासियों की संख्या लगातार घट रही है। घुसपैठिए आदिवासियों के हक पर डाका डाल रहे हैं। उनके बदले नौकरियां पा रहे हैं और हेमंत सोरेन सिर्फ अपना वोट बैंक बढ़ाने की फिक्र कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि राज्य में भाजपा की

सरकार बनते ही जनसंख्या के मामले में एक व्हाइट पेपर जारी किया जाएगा और सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों को संरक्षण मिले। उनकी जनसंख्या कम न हो और उन्हें आरक्षण का वास्तविक लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन के लिए आदिवासी कल्याण का मतलब सिर्फ अपने परिवार का कल्याण करना है। यह भाजपा ही है, जिसने आदिवासी के बेटे बाबूलाल मरांडी को राज्य का पहला सीएम बनाया था। इतना ही नहीं, आदिवासी बहन द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संताली को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया था और पहली बार केंद्र में आदिवासी कल्याण मंत्रालय बनाया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों और दलितों के साथ पिछड़ों की किसी ने अब तक सबसे ज्यादा चिंता की तो वह नरेंद्र मोदी की सरकार है। ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया। पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया और नरेंद्र मोदी के कैबिनेट में 27 फीसदी पिछड़ों को जगह दी गई। ऐसा देश में आज तक किसी सरकार ने नहीं किया। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार से पहले केंद्र में 10 साल कांग्रेस का राज था, लेकिन उसने झारखंड की लगातार उपेक्षा की। कांग्रेस के 10 साल के शासन में झारखंड को विकास योजनाओं के लिए सिर्फ 84 हजार करोड़ दिए, जबकि नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले दस साल में इस राज्य के विकास के लिए 3 लाख 84 हजार करोड़ रुपए दिए। झारखंड को भाजपा ने बनाया और इसका विकास भी भाजपा ही करेगी। झारखंड हमेशा से नक्सलवाद से पीड़ित राज्य रहा, लेकिन नरेंद्र मोदी ने दस साल में झारखंड और बिहार को नक्सलवाद से मुक्त कर दिया। भाजपा नेता ने कहा कि हम देश की जनता के आभारी हैं कि उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के तीन चुनावों में भाजपा को लगातार जीत दिलाकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश में सरकार भाजपा की बनी, लेकिन हारने वाली पार्टी कांग्रेस के नेता ऐसा अहंकार प्रदर्शित कर रहे हैं, जैसे उन्हें दो तिहाई बहुमत मिला हो। झारखंड की जनता ने भी 14 मे 9 सीटों पर भाजपा को जिताया। यहां की 81 में से 52 विधानसभा सीटों पर भाजपा को बढ़त मिली। यह आंकड़ा बताता है कि आने वाले चुनाव में राज्य में पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार बनने वाली है। केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा कार्यकताओं में चुनाव को लेकर जोश भरते हुए कहा कि चुनाव में हमारी जीत का आधार नेता नहीं, बूथ के कार्यकर्ता होते हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य को हत्या, लूट, बलात्कार, अपराध और भ्रष्टाचार के मामले में देश में नंबर एक बना दिया है। इस सरकार ने चुनाव से पहले किया गया एक भी वादा पूरा नहीं किया। जिन सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा उन्होंने स्थायी करने का वादा किया था, उनपर लाठियां बरसाई गई। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, झारखंड के भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित अन्य नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुकमा के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में जगरगुंडा एरिया कमेटी के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर शुक्रवार रात डीआरजी के दल को गश्त पर रवाना किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गश्ती दल शनिवार सुबह तुमार गट्टा और सिंगावराम गांव के जंगल में पहुंचा, तो नक्सलियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, कुछ देर तक दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि बाद में जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली, तो वहां एक नक्सली का शव, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट, भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामान मिला। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सली की शिनाख्त कराई जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

बस की चपेट मे आने से महिला दरोगा की मौत, सिपाही घायल

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून जनपद के थाना नेहरु कॉलोनी क्षेत्र में शनिवार सुबह दोपहिया वाहन स्कूटी से जा रही दो महिला पुलिस कार्मिक एक अनियंत्रित यात्री बस की चपेट मे आ गईं। जिससे स्कूटी पर पीछे बैठी महिला सहायक उप निरीक्षक (दरोगा) की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि स्कूटी चला रही महिला आरक्षी (सिपाही) घायल हो गई। पुलिस ने बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह सिटी कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि अजबपुर फ्लाईओवर पर स्कूटी सवार पुलिसकर्मियों का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना पर थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस मौके पर पहुंची। जहां जानकारी मिली कि बड़कोट उत्तरकाशी थाने में तैनात महिला दरोगा कांता थापा पत्नी स्व. बृजमोहन, निवासी वसुन्धरा विहार, थाना मुखानी, जिला नैनीताल, उम्र 58 वर्ष, हाल निवासी आवासीय परिसर थाना कैन्ट तथा देहरादून के ही कैण्ट थाने में नियुक्त महिला सिपाही शकुंतला, दोनों कावड़ मेला ड्यूटी पर स्कूटी से हरिद्वार जा रहे थे।

60 महीने में बन कर तैयार नहीं हुआ देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में बन रहा देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर का काम 60 महीने में भी पूरा नहीं हो सका है। इसे पूरा होने में अभी वक्त लेगा और लोगों को इलाज के लिए कुछ महीने और इंतजार करना होगा। इस ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा किया जाना था, लेकिन 60 महीनों में भी पूरा नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इसी साल सितंबर में ट्रॉमा सेंटर का उद्घाटन हो जाएगा। 9 मंजिला इस ट्रॉमा सेंटर में 362 बेड्स और 39 आईसीयू बेड्स होंगे। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर का सिविल व इलेक्ट्रिकल वर्क पूरा हो चुका है। इस महीने के आखिर में बिल्डिंग संजय गांधी अस्पताल ऐडमिनिस्ट्रेशन को हैंडओवर कर दी जाएगी। ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य सितंबर, 2019 में शुरू हुआ था और मार्च, 2021 तक काम पूरा करना था लेकिन, कई वजहों से बिल्डिंग का निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है।

भारतीय उच्चायोग नागरिकों की सुरक्षा के लिए अधिकारियों के संपर्क में

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से 778 भारतीय छात्र स्वदेश लौटे

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसा भड़कने के बाद, कुल 778 भारतीय छात्र इस पड़ोसी देश से लगी विभिन्न भूमि पारगमन बिंदुओं के जरिये स्वदेश लौटे हैं। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग भारतीय नागरिकों और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबद्ध अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं।

मंत्रालय ने कहा, अब तक 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि पारगमन बिंदुओं के जरिए भारत लौटे हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के जरिए नियमित उड़ान सेवाओं के जरिए स्वदेश लौटे हैं। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी छात्र मांग कर रहे हैं कि शेख हसीना सरकार विवादास्पद नौकरी-कोटा प्रणाली को खत्म करे। पड़ोसी देश में कुछ सप्ताह पहले शुरू हुई झड़पों में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों की कुल संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान

है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में सहायता कर रहे हैं।

एक बयान में कहा गया है, स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में, भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा तक सुरक्षित यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए उच्चायोग और सहायक उच्चायोगों द्वारा उपाय किए जा रहे हैं। बयान के अनुसार, विदेश मंत्रालय अपने नागरिकों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए नागर विमानन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों और बीएसएफ अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय उच्चायोग और सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे 4 हजार से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं तथा उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। नेपाल और भूटान के छात्रों को भी अनुरोध पर भारत में प्रवेश करने में सहायता की गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, आवश्यकतानुसार, चयनित भूमि पारगमन बिंदुओं के माध्यम से स्वदेश आने के दौरान सड़क मार्ग से उनकी यात्रा के लिए सुरक्षा की भी व्यवस्था की गई है। मंत्रालय ने कहा, ढाका में उच्चायोग बांग्लादेश के नागर विमानन अधिकारियों और वाणिज्यिक एयरलाइनों के साथ समन्वय कर रहा है ताकि ढाका और चटगांव से भारत के लिए निर्बाध उड़ान सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें, जिनका उपयोग हमारे नागरिक स्वदेश लौटने के लिए कर सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद प्रकाशित किया गया परिणाम

एनटीए ने जारी किया नीट-यूजी का परीक्षा परिणाम

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने नीट यूजी-2024 की परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के परिणाम शहर और परीक्षा केंद्र स्तर पर शनिवार को अपनी बेवसाइट पर जारी कर दिये। स्नातक स्तर के मेडिकल और अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2024 की परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के परिणाम शहर और परीक्षा केंद्र स्तर पर विद्यार्थियों की पहचान उजागर किए बिना बेवसाइट पर डाल दिये गये हैं। यह परीक्षा कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के घेरे में है। नीट-यूजी के परिणाम पांच जून को घोषित किए गए थे, लेकिन उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद इन्हें इस प्रारूप में प्रकाशित किया गया है।

जहां विवाद वहीं का नहीं जारी हुआ परिणाम: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से परिणाम आधिकारिक वेबसाइ पर अपलोड कर दिया गया है। अभी उन केन्द्रों का परिणाम नहीं जारी किया गया है, जहां पर पेपर लीक होने का मामला सामने आया था। क्योंकि अभी इस मामले में जांच चल रही है। अन्य

परीक्षार्थियों के भविष्य को देखे हुए सेंटर्स के अनुसार परिणाम जारी हुआ है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 जुलाई को एनटीए को निर्देश दिया था कि वह 20 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक नीट यूजी के नतीजे घोषित करे।

इसी साल पांच मई को हुई थी परीक्षा: इसी साल बीते 5 मई को नीट की परीक्षा आयोजित की गई थी, इसमें 23 लाख 33 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा के बाद से ही पेपर लीक और गड़बड़ियों की बात उठने लगी थीं। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ी दो दर्जन से ज्यादा याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें पूरी परीक्षा रद्द कर इसे नए सिरे से कराने और कोर्ट की निगरानी में गड़बड़ियों की जांच कराने की मांग की गई है। अभी मामला चल रहा है।

एनटीए का कहना है कि पेपर लीक की ज्यादा घटना नहीं : एनटीए का कहना है कि पेपर लीक और गड़बड़ी की कुछ चुनिंदा ही घटनाएं हैं। कोई सिस्टेमेटिक फेल्योर नहीं है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने छात्रों के वकील से कहा कि आपको साबित करना होगा कि परीक्षा में व्यापक तौर पर गड़बड़ियां हुई हैं और पेपर लीक का व्यापक प्रभाव हुआ है, जिसके कारण दोबारा परीक्षा कराए जाने की जरूरत है।

उच्चतम न्यायालय प्रश्नपत्र लीक सहित परीक्षा कराने में कथित अनियमितताओं के संबंध में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि अभ्यर्थियों की पहचान उजागर नहीं करते हुए परिणाम घोषित किए जाएं।उसने कहा था कि वह यह पता लगाना चाहता है कि कथित विवादित केंद्रों पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को अन्य स्थानों पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की तुलना में अधिक अंक तो नहीं मिले हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी।नीट-यूजी परीक्षा पांच मई को 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिनमें 14 विदेशी शहर भी शामिल हैं। इसमें 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था।

सीबीआई ने तीन और किया गिरफ्तार

पटना।नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने भरतपुर मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मेडिकल छात्रों की पहचान कुमार मंगलम बिश्नोई और दीपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। सीबीआई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार टेक्निकल सर्विलेंस टीम ने परीक्षा के दिन उनके हजारीबाग में मौजूद होने की पुष्टि की है। गिरफ्तार किया गया दूसरा शख्स शशि कुमार पासवान एक ऑलराउंडर है जो कि सरगना को हर तरह की मदद मुहैया करा रहा था।

पश्चिम बंगाल में मिसाइल परीक्षण के लिए आईटीआर बनाने की योजना अटकी

नई दिल्ली,एजेंसी। मिसाइलों का परीक्षण करने के लिए ओडिशा के चांदीपुर की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) बनाने की योजना मछुआरों और स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद अटकती नजर आ रही है। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के जुनपुट में मिसाइल प्रक्षेपण केंद्र बनाने का जुलाई में शुरू किया गया कार्य अचानक रोक दिया गया है।गतिरोध जारी रहने के कारण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया है। दरअसल, भारतीय सशस्त्र बलों के लिए निर्मित होने वाली मिसाइल, रॉकेट या अन्य किसी प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण करने के लिए फिलहाल ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) है।

राज्यों में मूसलाधार बारिश के आसार, लोपर तूफान ने भी पकड़ी रफ्तार

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले 5 दिनों के दौरान गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय कर्नाटक और विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसी दौरान केरल, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी बारी बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत में, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वजह ये है कि भारत के मैदानी और पहाड़ी इलाकों में मॉनसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। कई राज्यों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी से एक कम दबाव वाला सिस्टम लोपर नामक तूफान में बदल गया है। आईएमडी के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले छह घंटों में 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति की रफ्तार से पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले 5 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिमी राजस्थान में भी हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा कि 21 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 22 और 23 जुलाई को और उत्तराखंड में 20-22 जुलाई के दौरान ऐसी स्थिति बनी रहेगी। अगले 4-5 दिनों के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मॉनसून की ट्रफ वर्तमान में सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है। अगले 2-3 दिनों तक इसके इसी स्थिति में रहने की उम्मीद है। एक और ट्रफ समुद्र तल पर मौजूद है।

व्यवस्था **इस वर्ष श्रावणी मेला 22 जुलाई से 19 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा**

श्रावणी मेला : श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की उत्तम व्यवस्था मिलेगी : नीतीश मिश्रा

प्रात : किरण

पटना। पर्यटन विभाग द्वारा श्रावणी मेला 2024 में श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की उत्तम व्यवस्था मिलेगी। सुल्तानगंज के बाबा अजगैबीनाथ से गंगा जल लेकर बाबा वैद्यनाथ धाम, देवघर में जलाभिषेक की पवित्र यात्रा से मेरे बचपन की स्मृतियां जुड़ी हुई है, मैं उन कमियों को व्यक्तिगत रूप से स्वयं भी जानता हूं, जिसे दूर करने की आवश्यकता है।

श्रावणी मेला को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने तीन माह पूर्व संयुक्त सचिव रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में हर 25 किमी की दूरी पर कमियों को चिह्नित करने हेतु कुल चार टीमों का गठन किया था ताकि गत वर्ष के अनुभवों को देखते हुए इस वर्ष कांवरियों को ज्यादा गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान की जा सके। टीम ने जो रिपोर्ट दी है, उसके अनुसार कांवरियों के आवासन के लिए अधिक व्यवस्था, कांवर स्टैंड की संख्या में यथोचित वृद्धि, टेंट सिटी में साफ-सफाई की बेहतरीन व्यवस्था, टेंट सिटी में रोज चादर बदलने और परिसर को प्लास्टिक आदि से मुक्त रखने आदि की सलाह दी गयी थी, इसके अनुरुप इस बार विभिन्न सुधार किए गए हैं, जिसके बाद इस वर्ष श्रावणी मेला और भी आकर्षक होगा। उक्त बातें पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने शनिवार को सूचना भवन में श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया कि इस वर्ष श्रावणी मेला दिनांक 22 जुलाई से 19 अगस्त के बीच आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष कुल 75 लाख श्रद्धालुओं का आगमन हुआ था, इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु यहां पहुंचे, इस हेतु सभी प्रकार की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की वैज्ञानिक गणना हेतु पीपुल काउंटिंग कैमरा मशीन का अधिष्ठापन किया गया है। पर्यटन सचिव अभय कुमार सिंह ने बताया कि सभी टेंट सिटी में काँवरियों को बिहार के लोक संस्कृति से परिचय कराने एवं मनोरंजन हेतु प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हेतु स्टेज, लाईट एंड साउंड आदि का निर्माण बिहार राज्य

पर्यटन विकास निगम के माध्यम से कराया गया है। कांवरिया पथ पर कुल 200 नए कांवर स्टैंड का निर्माण कराया गया है। डाक बम के लिए पंजीकरण काउंटर की स्थापना की गयी है। सुरक्षा हेतु विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी का अधिष्ठापन किया गया है।

कांवरिया पथ पर जगह-जगह पर पानी का टैंकर एवं सक्शन पंप की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। उन्होंने बताया कि काँवरिया पथ पर 12 अस्थायी पर्यटक सूचना केन्द्रों का निर्माण किया गया है, जहां प्रशिक्षित पर्यटक गाईडों की प्रतिनियुक्ति कर आगत काँवरियों/श्रद्धालुओं को सूचना, सुविधा एवं सहयोग प्रदान किया जायेगा। अस्थाई पर्यटक सूचना केन्द्र : सुल्तानगंज स्टेशन, सुईया, बस स्टैंड-सुल्तानगंज, अबरखा, सुल्तानगंज, कटोरिया, धांधी बेलारी, इनारावरण, कुमरसार, दुम्मा, धौरी व बासुकीनाथ पथ पर बनाए गए हैं। सुल्तानगंज में प्रशासनिक ब्लॉक और मेडिकल ब्लॉक का निर्माण किया गया है। सुल्तानगंज में रोज गंगा जी की भव्य आरती होगी, श्रद्धालुओं के बैठने के लिए पगोडा का भी निर्माण कराया गया है। पर्यटन निदेशक विनय कुमार राय ने बताया कि श्रावणी मेला, 2024 के अवसर पर आगत काँवरियों को सुविधा एवं सहयोग प्रदान करने हेतु श्रावणी मेला से संबंधित ब्रोशर का मुद्रण कराया गया है, जिसे श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क वितरण कराया जायेगा। मौके पर श्रावणी मेला पर पर्यटन विभाग द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

कांवरियों के लिए 1200 बेड की टेंट सिटी का कराया गया है निर्माण

श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं के विश्राम और आवासन हेतु भागलपुर के सुल्तानगंज और धोबई में पहली बार 200-200 बेड की टेंट सिटी बनायी गयी है, वहीं बाँका के अबरखा में 600 बेड और मुंगेर के खैरा में 200 बेड यानी कुल 1200 बेड की टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है। सभी स्थानों पर प्रबंधक की नियुक्ति की गयी है, जिससे आवासीय सुविधा का बेहतर प्रबंधन हो सके। सभी टेंट सिटी में सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति, स्वच्छता संबंधी सुविधाएं, जिसमें प्रत्येक दिन हर प्रयोग के बाद चादर-बेडशीट को बदलने का प्रावधान किया गया है, चिकित्सा सुविधाएं, स्वच्छ महिला-पुरुष शौचालय, पेयजल, पंखे की उपलब्धता एवं अबाधित विद्युत आपूर्ति हेतु साइलेंटर जेनरेटर की व्यवस्था रहेगी। ट्वायलेट्स की लगातार हर 5-10 प्रयोग के उपरांत साफ-सफाई की जाती रहेगी। पूरा परिसर तंबाकू व प्लास्टिक मुक्त रखने की अपील उन्होंने श्रद्धालुओं से की है। उन्होंने बताया कि कांवरिया पथ पर सभी स्थायी पर्यटकीय संरचनाओं को न केवल श्रावणी मेला बल्कि सालों भर आवासन, कैफेटेरिया, सोलर लाइट से युक्त रखा जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु 24 घंटे पटना के पर्यटन निगम मुख्यालय में कॉल सेंटर टॉल फ्री नंबर 18003097677 का संचालन किया जाएगा। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम परिसर में कुल तीन शिफ्ट में विभागीय कर्मी श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए उनके सवालों का समाधान करेंगे। श्रद्धालुओं को मेला से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं यथा आवासन, चिकित्सा व्यवस्था, पुलिस, महत्वपूर्ण दूरभाष संख्या आदि को संकलित कर बिहार पर्यटन मोबाईल एप एवं विभागीय वेबसाईट में समाहित किया गया है। बिहार पर्यटन मोबाईल एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कमला पुजारी का निधन

प्रात : किरण

भुवनेश्वर/एजेंसी। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रख्यात जैविक किसान कमला पुजारी का शनिवार को किडनी से संबंधी बीमारी से निधन हो गया। सीएमओ के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 74 वर्ष की थीं और उनके दो बेटे तथा दो बेटियां हैं। पुजारी को किडनी से संबंधित बीमारी को लेकर दो दिन पहले कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया था तथा उनका उपचार चार सदस्यीय चिकित्सकीय टीम कर रही थी। उन्होंने शनिवार की सुबह दम तोड़ दिया। इससे पहले उन्हें तबियत बिगड़ने पर जेपुर जिला मुख्यालय अस्पताल से कटक लाया गया था। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की घोषणा की। मांझी ने फोन पर पुजारी के पुत्र टंकाधर पुजारी से भी बात की। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक बयान में कहा, ह्यह्यकृषि के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने फूंका सरकार का पुतला

ऋषिकेश, एजेंसी। नई दिल्ली में केदारनाथ धाम की प्रतिकृति की स्थापना से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के विरोध में नगर चौक पर प्रदर्शन कर सरकार का पुतला फूंका। कहा कि भाजपा सनातन धर्म की आस्था से खिलवाड़ कर रही है। बृहस्पतिवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ता नगर चौक डोईवाला पर एकत्रित हुए और नई दिल्ली में केदारनाथ की प्रतिकृति की स्थापना का विरोध करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा पर आस्था के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश सरकार के पुतले का दहन किया। जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पीसीसी सदस्य गौरव चौधरी और प्रदेश सचिव सागर मनवाल ने कहा कि सदियों पुरानी वैदिक और सनातन परंपराओं को तोड़ते हुए मंदिरों की स्थापना कर हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। गन्ना समिति के अध्यक्ष मनोज नौटियाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष करतार नेगी, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी इस मामले पर सरकार की आलोचना की। प्रदर्शन करने वालों में प्रमोद कपरूवाण, गौरव मल्होत्रा, राजबीर खत्री, सुनील सैनी, राहुल सैनी, स्वतंत्र बिष्ट, देवराज सावन आदि मौजूद रहे।

पलायन से यूएन के कार्यक्रम निदेशक चिंतित

ऋषिकेश, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की खाद्य एवं कृषि संगठन के कार्यक्रम निदेशक भारत के गांवों से हो रहे पलायन को लेकर चिंतित हैं और इसे रोकने पर जोर दे रहे हैं। यमकेश्वर विकासखंड के आदर्श ग्राम मल्ला बनास में जैफ 06 जलागम परियोजना की समीक्षा बैठक में पहुंचे संयुक्त राष्ट्र संघ की खाद्य एवं कृषि संगठन के कार्यक्रम निदेशक और जापान के निवासी टाका ने कहा कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन को रोकना और अस्थायी रोजगार सृजन करना है। कहा, भारत के गांवों से बहुत पलायन हो रहा है, जिसे रोकना आवश्यक है। गांव में आज जो लोग रह रहे हैं, वे संघर्षशील और दृढ़ निश्चयी हैं, लेकिन सरकार उन्हें गावं में स्थायी रोजगार देने में सक्षम नहीं है। फिर भी खेतीबाड़ी, पशुपालन से अपनी आजीविका चलाने वाले ग्रामीण जलवायु परिवर्तन और पलायन को रोकने में अप्रत्यक्ष सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को पायलट प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए। परियोजना निदेशक मनोज मिश्रा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। उपनिदेशक सिद्धार्थ ने कहा कि वे ग्रामीणों की मांग के अनुरूप कार्य योजना बनाकर शासन को भेजते हैं। बाद में विभागीय अधिकारियों ने धारकोट में ग्रामीण महिलाओं की ओर से तैयार हल्दी कलस्टर का भ्रमण और रामजीवाला में बागवानी का निरीक्षण किया। इससे पूर्व गढ़वाली पारंपरिक संस्कृति के साथ ग्रामीणों ने अतिथियों का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान महिलाओं ने विभागीय अधिकारियों से सोलर पेयजल योजना बनाने की मांग की। इस मौके पर गीता, रेखा, दिशा, उर्मिला, प्रीति, प्रदीप, साधना आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम में पार्किंग निर्माण कार्य जल्द शुरू करें - प्रेमचंद

ऋषिकेश, एजेंसी। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के उपाध्यक्ष वंशीधर तिवारी के साथ बैठक की। ऋषिकेश में पार्किंग निर्माण की प्रगति सहित अन्य विकास कार्यों की पर चर्चा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश में पार्किंग एक बड़ी समस्या है। इसलिए नगर निगम में पार्किंग का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए। जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों को पार्किंग की समस्या से निजात मिल सके। वहीं शहर में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। इसके अलावा शहर में अवैध निर्माण कार्यों पर कार्रवाई की जाए। जिससे प्रदेश सरकार का राजस्व बढ़े। साथ ही आवासीय नक्शे को 15 दिन और व्यावसायिक नक्शे को 30 दिन में सुनिश्चित कराया जाए। कहा कि जिन पुराने फ्लैट्स की बिक्री किसी कारण से नहीं हो पाई है। उनकी बिक्री के लिए आवश्यक कदम उठाया जाएं।

सांसद के सामने भिड़े विधायक और डीएम, चलती रही बहस और नोकझोंक; बीच में चुपचाप पर्चा पढ़ते रहे भट्ट

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में एक बैठक के दौरान गौला नदी में चैनलाइजेशन का काम सिंचाई विभाग को देने पर लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट की ओर से आपत्ति जताने पर डीएम ने भी विधायक को खरीखरी सुना दी।

हल्द्वानी सर्किट हाउस में शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अलग ही नजारा देखने को मिला। गौला नदी में चैनलाइजेशन का काम सिंचाई विभाग को देने पर लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट की ओर से आपत्ति जताने पर डीएम ने भी विधायक को खरीखरी सुना दी। डीएम ने कि आप ही जहां से कहेंगे वहीं से काम करा देंगे।

बस इतना ही था फिर विधायक भी कहां पीछे हटते, उन्होंने कहा कि मैं क्यों चाहूं किसी को, मैं तो काम चाह रहा हूं। इस पर डीएम बोलीं, आप आरोप लगा रहे हैं। विधायक बोले, मैं आप पर बिल्कुल आरोप नहीं लगा रहा हूं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस होने लगी। खास बात यह रही कि विधायक और डीएम की यह नोकझोंक तब हो रही थी जब सांसद अजय भट्ट दोनों के

बीच में बैठकर कोई पर्चा पढ़ रहे थे। उनके बायीं ओर डीएम वंदना सिंह थीं और दाहिनी तरफ विधायक बिष्ट। मामला जब ज्यादा ही बढ़ने लगा तो सांसद ने हस्तक्षेप किया जिसके बाद दोनों की बहस पर विराम लगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद भट्ट ने अधिकारियों से केंद्र सरकार की योजनाओं को गंभीरता से लेकर त्वरित गति से काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता के लिए जो भी योजनाएं बनाएं उसकी जानकारी संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से दें। चेताया कि कार्य में ढिलाई और गलत सूचनाएं देने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ जिले में बाढ़, जलभराव एवं आपदा राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने ने डीएम वंदना से बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण लेने को भी कहा।

डीएम ने सांसद को बताया कि जिले में आपदा प्रभावितों को चेक के माध्यम से धनराशि दे दी गई है। आपदा में क्षतिग्रस्त भवन, सड़क, पेयजल व विद्युत लाइनों की मरम्मत कराई जा रही है। इस दौरान सांसद ने दीनदयाल उपाध्याय योजना, प्रधानमंत्री आवास, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, समग्र शिक्षा, मिड डे मील, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, कौशल विकास, प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की भी जानकारी ली।

बैठक के दौरान सुशीला तिवारी चिकित्सालय में कैथलैब के निर्माण कार्य में देरी पर सांसद भट्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अस्पताल में मंडी समिति की ओर से कैथलैब का निर्माण होना है। उन्होंने कार्यदायी संस्था के कार्यों पर असंतोष जताया। डीएम ने कहा कि यदि कार्यदायी संस्था समय पर काम नहीं करती तो शासन स्तर से कार्रवाई होगी।

बैठक में जिपं अध्यक्ष बेला तोलिया, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, सरिता आर्या, ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट, कमलेश कैड़ा, रेखा रावत, रवि कन्याल, रूपा देवी, विधायक प्रतिनिधि विकास भगत, जीवन सिंह कार्की, ज्येष्ठ प्रमुख आनंद दरम्वाल समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान लालकुआं के विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट और डीएम वंदना के बीच बहस हो गई। मामला गौला नदी में चैनलाइजेशन का था। विधायक ने सिंचाई विभाग को काम देने पर आपत्ति दर्ज की। डीएम का कहना था कि आप जिससे कहेंगे उसी से काम करा देंगे। विधायक बोले मैं क्यों चाहूं किसी को, मैं तो काम चाह रहा हूं।

अब नहीं रहेगा रामगंगा नदी से भू कटाव का खतरा

थल (पिथौरागढ़), एजेंसी। थल में रामगंगा नदी के किनारे तटबंध निर्माण पूरा हो गया है। तटबंध बनने से बरसात में रामगंगा के उफनाने से भू कटाव का खतरा नहीं रहेगा।

सिंचाई विभाग ने तल्लीधारा से पुराने बाजार के पश्चिमी क्षेत्र और बालेश्वर मंदिर के नीचे नये बाजार के पूर्वी क्षेत्र में भू- कटाव को रोकने के लिए तटबंध का निर्माण कर दिया है।

पांच साल पहले चट्टान टूट कर कुछ मकान और मुख्य सड़क खतरे की जद में आ गई थी। यहां तटबंध का निर्माण पूरा कर लिया था। बरसात में रामगंगा नदी के उफान पर आने से तल्ली धारे वाले संवेदनशील जगह पर हर साल भू कटाव और चट्टानों के टूटने का खतरा बना रहता था। अब बाढ़ सुरक्षा का कार्य होने से लोगों ने राहत महसूस की है।

थल कस्बे में 2007 की बरसात में रामगंगा नदी के कटाव से वनीकरण वाला भू भाग रामगंगा नदी ने समा गया था। इससे 800 मीटर ऊपर बसे गरजिला गांव में जमीन धंसने से 25 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए थे। वर्ष 2013 में रामगंगा नदी के कटाव से लोग प्रभावित हुए थे।

एक चिकित्सक के नाम पंजीकृत हैं अधिकतर लैब

पिथौरागढ़, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम को पता चला कि पिथौरागढ़ में अधिकतर लैब एक ही चिकित्सक के नाम से पंजीकृत हैं। टीम को किसी भी लैब में पंजीकृत चिकित्सक भी नहीं मिले। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन बोनाल के नेतृत्व में पिथौरागढ़ नगर स्थित 15 लैब का निरीक्षण किया। डॉ. मदन बोनाल ने बताया कि कि निरीक्षण के दौरान एक लैब बंद पाई गई। सीएमओ डॉ. एचएस ह्यांकी का कहना है कि अधिकतर लैब डॉ. केएस महर के नाम से पंजीकृत हैं और वह किसी भी लैब में नहीं पाए गए। सभी प्राइवेट लैब को अपनी- अपनी लैब के चिकित्सक के साथ किए गए अनुबंध की प्रति और लैब में पंजीकृत डॉक्टर के बैठने का सही समय सीएमओ कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ का कहना है कि नियमानुसार लैब का संचालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

कमिश्नर दीपक रावत ने निर्माणाधीन एम्स का किया निरीक्षण, पौधा लगाया; अधिकारियों से ली जानकारी

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने शुक्रवार को किच्छा पहुंचकर निर्माणाधीन एम्स का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति जांची और पौधा भी लगाया।

कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत शुक्रवार को किच्छा पहुंचे। कमिश्नर ने निर्माणाधीन एम्स का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति जांची और पौधा भी लगाया। इसके अलावा कमिश्नर दीपक रावत ने रुद्रपुर के रिंग रोड का भी निरीक्षण किया। साथ ही निर्माण की प्रगति जानी। अधिकारियों ने कमिश्नर को रिंग रोड के बारे में जानकारी दी।

स्कूटी सवार पर तेंदुए का हमला, बाल-बाल बचा

रामनगर/गरमपानी, एजेंसी। गर्जिया मंदिर समिति में कार्यरत गोविंद बधानी बृहस्पतिवार सुबह 9:30 बजे स्कूटी से गर्जिया मंदिर की ओ जा रहे थे। जब वह लोनिवि मोड़ पर पंपापुरी के पास पहुंचे तो जंगल से निकलकर एक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। स्कूटी की रफ्तार तेज होने से वह बाल-बाल बच गए और तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। पूर्व छात्रसंघ सचिव नवीन सुनेजा ने कोसी रेंज कार्यालय पहुंचकर घटना की जानकारी। इधर रेंजर शेखर तिवारी ने बताया कि वन कर्मियों की गश्त मौके पर बढ़ा दी गई है। इधर गरमपानी में भवाली-अल्मोड़ा एनएच किनारे स्थित खीनापानी में एक सप्ताह से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे कोसी नदी किनारे तेंदुए ने अनूप जीना के कुत्ते पर हमला कर घायल कर दिया। लोगों ने शोर मचाया तो तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया।

नैनीताल में हुए अमेरिकन सेब के उत्पादन ने चौकाया, पर्यटक भी हैरान

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल में अब सैलानी अमेरिकन सेब का आनंद ले सकेंगे। नैनीताल में हुए अमेरिकन सेब के उत्पादन ने लोगों को चौकाया है। वहीं उत्पदकों का कहना है कि यह पहला मौका है जब नैनीताल शहर के भीतर अमेरिकन सेब की पैदावार हुई है। नैनीताल में अब सैलानी अमेरिकन सेब का आनंद ले सकेंगे। नैनीताल में हुए अमेरिकन सेब के उत्पादन ने लोगों को चौकाया है। वहीं उत्पदकों का कहना है कि यह पहला मौका है जब नैनीताल शहर के भीतर अमेरिकन सेब की पैदावार हुई है। बता दें कि, भारतीयों को अमेरिकी सेबों का स्वाद खूब पसंद आता है। इधर शेरवानी हिल टॉप की ओर से अमेरिकी सेब के पैदावार के लिए एक प्रयास किया और यह प्रयास

सफल भी हुआ। शेरवानी हिल टॉप के प्रबंधक दिनेश पालीवाल ने बताया कि बीते करीब छह वर्ष पूर्व रानीखेत के चौबटिया गार्डन से अमेरिकन सेब की दो प्रजातियां रेड चीफ और रेड गोल्ड के आठ से दस पौधों का होटल की क्यारियों में रोपण किया गया था।

जिसमें से छह से सात पेड़ों में सेब लद चुके है। यहां अमेरिकन सेब देख पर्यटक आश्चर्यचतिक हैं और इसके स्वाद का आनंद ले रहें हैं। उन्होंने कहा कि माली बच्ची सिंह और मदन इन पेड़ों की देखरेख करते हैं।

कुलपति के बाद अब प्राचार्य की फोटो लगाकर रुपये की मांग

हल्द्वानी, एजेंसी। साइबर ठगों की नजर उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों पर है। कुमाऊं विवि के कुलपति के बाद बृहस्पतिवार को साइबर ठगों ने एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी की डीपी लगे लगे नंबर से शिक्षकों को संदेश भेजे और मदद के लिए रुपयों की मांग की।

प्राध्यापकों ने प्राचार्य से संपर्क कर मामले की जानकारी दी और संबंधित नंबर के खिलाफ भोटिया पड़ाव चौकी में तहरीर दी है। प्राचार्य प्रो. बनकोटी बृहस्पतिवार को निजी काम की वजह से अवकाश पर थे। शाम करीब साढ़े तीन बजे कॉलेज के करीब 10 प्राध्यापकों को प्राचार्य की फोटो लगे व्हाट्सएप नंबर से मैसेज प्राप्त हुए। साइबर ठगों ने खुद को प्रो. बनकोटी बताते हुए प्राध्यापकों से रुपये की मांग की और उन्हें अपने नंबर पर कॉल करने को कहा। प्राध्यापकों से उनकी लोकेशन भी पूछी गई। शक होने पर प्राध्यापकों ने प्रो. बनकोटी को फोन कर मामले की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. बनकोटी ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए भोटिया पड़ाव चौकी में तहरीर दी है। उन्होंने सभी अध्यापकों और छात्रों से सतर्क रहने को कहा है। मालूम हो कि बुधवार को कुमाऊं विवि के कुलपति के परिचितों से भी इसी तरह पैसों की मांग की गई थी।

मंडी में आराम करने बैठे दो पल्लेदारों पर आढ़ती के बेटे ने की फायरिंग, दोनों गंभीर रूप से घायल

काशीपुर, एजेंसी। ऊधमसिंह नगर के काशीपुर में आढ़ती के पुत्र ने अनाज मंडी में मामूली कहासुनी के बाद दो पल्लेदारों पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से दोनों पल्लेराद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आढ़ती और उसके पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में हल्द्वानी के निजी अस्पताल में रेफर किया गया है।

दरअसल, काशीपुर में मुरादाबाद रोड स्थित नवीन अनाज मंडी में वीरेंद्र खत्री आढ़त के कारोबारी है। अनाज मंडी में वीरेंद्र खत्री के साथ उनका

पुत्र मोहित भी आढ़त का काम करता है। बीते शुक्रवार की शाम लगभग 3:30 बजे आढ़त पर पल्लेदार धान की ढुलाई कर रहे थे। इसी दौरान भीषण गर्मी व थकान के कारण दो पल्लेदार आराम करने बैठ गए। तभी आढ़त के बेटे ने दोनों पल्लेदारों से गाली गलौज करनी शुरू कर दी। यह विवाद इतना बढ़ गया कि आवेश में आए आढ़ती के बेटे ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से दो पल्लेदारों पर गोलियां चला दी।

इस फायरिंग में घायल पल्लेदारों की पहचान मोहम्मद नसीम और नजाकत हुसैन के रूप में हुई है। यह दोनों ग्राम सरबरखेड़ा के रहने वाले है। मोहम्मद नसीम के कान के पास व पेट में गोली लगी है। जबकि नजाकत के बाएं पैर में गोली लगी है। दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद मोहम्मद नसीम की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। इस मामले में कुंडा थाना पुलिस ने दोनों पिता-पुत्र वीरेंद्र व मोहित को हिरासत में ले लिया है। वहीं इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने काफी हंगामा किया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से उन्हें शांत कराया।

16 साल में एक बार भी नहीं हुई मीट मार्केट के भवन की मरम्मत

बागेश्वर, एजेंसी। नगर के मीट मार्केट का भवन जर्जर हो गया है। जर्जर भवन से खतरा है। बीते 13 जुलाई को भवन का लिंटर क्षतिग्रस्त होने से एक व्यापारी चोटिल हो गया था।

एक जनवरी 2008 को 20 लाख रुपये से बना मीट मार्केट बदहाल है। पालिका ने भवन का निर्माण कर 20 दुकानें आवंटित कर दीं। दुकानदारों से लगातार किराया वसूला जा रहा है लेकिन 16 साल में एक बार भी भवन की मरम्मत नहीं की गई। देखरेख के अभाव में भवन का लिंटर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है। लिंटर से सरिया बाहर निकली हुई हैं। बरसात में पानी दुकानों के अंदर आता है।

व्यापारियों का कहना है कि भवन मरम्मत के लिए नगर पालिका को कई बार ज्ञापन दिया है लेकिन कोई कार्य नहीं किया गया। मरम्मत का मामला उठाने पर पालिका के अधिकारी भवन खाली करने के लिए कहते हैं। भवन में 20 दुकानें चल रही हैं जिनसे करीबन 30 लोगों को रोजगार मिलता है। जब से भवन का निर्माण किया गया है। एक बार भी सुधारीकरण का कार्य नहीं किया गया है।

दस साल पहले बंद हुई भराड़ी बस सेवा अब तक नहीं हुई शुरू

कपकोट/बागेश्वर, एजेंसी। एक दशक पहले तक कपकोट के भराड़ी के लिए रोडवेज की बस सेवा का संचालन होता था जो बाद में बंद हो गया। इलाके के लोग लंबे समय से बस सेवा का संचालन करने की मांग कर रहे हैं। बस सेवा का संचालन न होने से इलाके के लोगों को सफर के लिए टैक्सियों का सहारा लेना पड़ता है। वर्ष 2022 में बागेश्वर में रोडवेज डिपो खुला। डिपो खुलने के बाद भराड़ी के साथ ही आंतरिक मार्गों में बस सेवाओं के संचालन की उम्मीद थी जो अब तक पूरी नहीं हुई है। लोग भराड़ी के साथ ही शामा, लीती क्षेत्र के लिए रोडवज बस का संचालन करने की मांग कर रहे हैं।

खटीमा में चार दिनी प्रभाग योजना वर्ग शुरू

खटीमा, एजेंसी। एकल अभियान प्रभाग पी-5 का चार दिनी प्रभाग योजना वर्ग का बृहस्पतिवार को मेलाघाट रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में शुभारंभ हुआ। मां भारती के चरणों में द्वीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नैनीताल विभाग के विभाग प्रचारक इंद्र मोहन, मुकेश गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्नेहपाल सिंह, केंद्रीय सह अभियान प्रमुख दीप कुमार, वर्गाधिकारी जगदीश पांडेय ने सामूहिक रूप से शुभारंभ किया।

कांवड़ यात्रा मार्ग को लेकर योगी सरकार के आदेश पर भड़के आप नेता सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी दुकानों में नेमप्लेट लगाने का निर्देश दिया है। इस फैसले पर विपक्षी दलों ने कहा है कि ऐसा कर योगी सरकार समाज में धर्म के नाम पर लोगों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने यूपी सरकार पर हमला बोला है।

सौरभ भारद्वाक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हमारे समाज में कई कुरीतियां रहीं हैं। उनमें से सबसे बड़ी कुरीति यह रही कि दलित समाज से आने वाले हमारे भाइयों के घर पर लोग खाना नहीं खाते थे। उनका हाथ छू जाए, तो वो चीज नहीं खाते थे। आज फल बेचने वाले, सब्जी बेचने वालों में से ज्यादातर भाई दलित समाज से आते हैं। अब वो लिखेगा कि मेरा नाम फलां-फलां है। मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा, क्योंकि वो भी गलत है, तो उससे उसकी जाति पता चलती है और आप जाति के आधार पर उसका शोषण करने के लिए एक जमीन तैयार कर रहे हैं, जो मैं समझता हूं कि बिल्कुल भी उचित नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है दलित समाज ने संविधान बचाने के लिए भाजपा को इस बार वोट नहीं दिया। आज दलित समाज को बेरोजगार करने की बड़ी साजिश बीजेपी द्वारा रची जा रही है, लेकिन हम इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। हमारा दलित समाज बेरोजगार हो जाए और इन लोगों के आगे घुटने टेक दे, हम ये होने नहीं देंगे। बता दें कि इससे पहले विपक्ष के कई नेताओं ने योगी सरकार के इस कदम की आलोचना की थी। असदुद्दीन ओवैसी ने एक समाचार पत्र की रिपोर्ट को साझा करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, यूपी के कांवड़ मार्गों पर खौफ, यह भारतीय मुसलमानों के प्रति नफरत की हकीकत है। इस गहरी नफरत का श्रेय राजनीतिक दलों/हिंदुत्व के नेताओं और तथाकथित दिखावटी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को जाता है।

उधर, योगी सरकार के इस कदम का जहां कुछ विपक्षी दलों ने विरोध किया तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के कई नेताओं ने इस फैसले का स्वागत भी किया। भाजपा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य कदम है। लोगों के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द बढ़े, इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस आदेश में यह नहीं कहा गया है कि कहां से सामान खरीदना है, जो जहां से चाहे सामान खरीद सकता है। वैसे भी दुकान के नीचे 40 से 50 फीसद लोग अपना नाम जरूर लिखते हैं, ताकि उनकी दुकान के बारे में लोग जान सकें।

पालिका बोर्ड की बैठक में सभी प्रस्ताव पर बनी सहमति

अमरोहा। शनिवार को पालिका सभागार में पालिका अध्यक्ष शशि जैन की अध्यक्षता में पालिका बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभासदों एवं विभाग की ओर से जनहित मे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा एवं उसे कराये जाने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की पालिका बोर्ड की बैठक मे समस्त सदस्य सम्मिलित हुए। बैठक मे नगर के विकास के लिए सदस्य गण द्वारा विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए गए। जिन्हे पालिका अध्यक्ष की मंजूरी के बाद कार्यवाही मे शामिल कर लिया गया। जिसमे विभिन्न वार्डों मे सडक, पुलिया, नाला, नाली निर्माण, प्रकाश बिन्दुओ की स्थापना, नवीन पाइप लाइन्स, आदि, सहित आवास विकास प्रथम मे जर्जर हो चुका ओवर हेड टैंक जिसे बीते माह ध्वस्त कर दिया गया घर के पुनः निर्माण, पालिका अधिकारी गण / पटल सहायको / सफाई नायकों आदि कर्मचारियों को सी0 यू0 जी0 नंबर दिया जाना आदि कई प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए जिसे पालिका सदस्य गण द्वारा सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान कर दी गयीं।

नगरीय क्षेत्र मे लगेंगे नाइट विजन सी.सी.टी.वी. कैमरे :ईओ

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर पालिका परिषद की ओर से पूरे नगर में अनेक स्थानों पर हाई डेंसिटी के नाइट विजन कलर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नगर पालिका परिषद स्योहारा के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जल्द ही स्योहारा के मुख्य द्वारों, नगर के मुख्य मार्गो धामपुर मुरादाबाद स्टेट हाईवे, नूरपुर ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे, नगर के सभी प्रवेश व निकास द्वारों पर, सभी धार्मिक स्थलों, स्कूल व कॉलेज तथा सभी बाजारों में 62 सीसीटीवी कैमरों से जोड़ने की योजना का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदन पश्चात यह कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य में पब्लिक एड्रेस सिस्टम को जोड़ा जायेगा। इसके लिए 65 इंच की टीवी व अन्य संयत्र नगर पालिका कार्यालय में लगाये जा चुके हैं। इससे पालिका के कार्यों की डिजिटल मॉनिटरिंग तो की ही जा सकेगी। साथ ही अतिक्रमण, सुरक्षा व अपराध नियंत्रण में इसका उपयोग पुलिस द्वारा भी किया जा सकेगा। इसका एक्सेस थाना स्योहारा को भी दिये जाने का प्रविधान किया गया है। नाईट विजन कलर कैमरों से रात में मॉनिटरिंग की जा सकेगी। लोगो का मानना है कि नगर को सुरक्षा देने की की दृष्टि से नगर पालिका परिषद का ये अहम कदम होगा।

रिश्वतखोरी के मामलों में दिल्ली पुलिस के एक उपनिरीक्षक और दो हेड कांस्टेबल सहित तीन आरोपित गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत के दो अलग-अलग मामलों में दिल्ली पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर (एसआई), हौज खास पुलिस स्टेशन और दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबलों सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के मुताबिक, गिरफ्तार सब इंसपेक्टर युद्धवीर सिंह यादव हौज खास थाने से है, हेड कांस्टेबल सुधाकर और हेड कांस्टेबल राज कुमार पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने से हैं।

पहले मामले में आरोपित एसआई को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। इस मामले में सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के उप-निरीक्षक, हौज खास पुलिस स्टेशन के खिलाफ इस आरोप में मामला दर्ज किया गया था कि आरोपित ने अदालत में अनुकूल कार्रवाई रिपोर्ट दायर करने के लिए शिकायतकर्ता से 03 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपित ढाई लाख रुपये की रिश्वत लेने को तैयार हो गया। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपित एसआई को शिकायतकर्ता से 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। सीबीआई ने दूसरा मामला दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया था। एक शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल पर आरोप लगाया गया था कि सिविल कपड़ों में 4 व्यक्ति शिकायतकर्ता की दुकान पर आए और उनमें से दो ने खुद को दिल्ली पुलिस, आनंद विहार के सदस्य के रूप में पेश किया। उन्होंने एक मामले में उसका नाम नहीं फंसाने के लिए उससे रिश्वत के रूप में 50 हजार रुपये की मांग की। बातचीत के बाद आरोपित 11 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया। सीबीआई ने एक जाल बिछाया और दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबलों को शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा।

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान में सा.स्व.केंद्र में हुआ वृक्षारोपण

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा।सरकार के आदेशनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु बचाने तथा शुद्ध आक्सीजन को बढ़ाने के लिए पेड़ लगाओ ,पेड़ बचाओ जन अभियान 2024 चलाया जा रहा है इस वृक्षारोपण महा अभियान के अंतर्गत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में वृक्षारोपण किया गया। जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त पत्रकार एवं फोकस आप तक न्यूज के एडिटर इन चीफ रईस सिद्दीकी व वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ दिल्ली के एग्जीक्यूटिव मेंबर नादिर त्यागी और अधीक्षक डॉक्टर स्नेही समेत समस्त स्वास्थ्य विभाग के स्टाफ द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वरिष्ठ पत्रकार रईस सिद्दीकी ने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस योजना के अंतर्गत समस्त विभागों द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में आज 20 जुलाई को पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 महापर्व के रूप में मनाया जा रहा है। आज के दिन 36.50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। प्रदेश के हरित क्षेत्र को नौ से बढ़ाकर 2026-27 तक 15 फीसदी तक ले जाना है। इसके लिए सभी विभागों व मंडलों , जिलों और ब्लॉको के लिए भी लक्ष्य निर्धारण किया गया है। इस दौरान सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ बी के स्नेही ने बताया कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। इस अभियान के अंतर्गत हमारे ब्लॉक स्योहारा में स्वास्थ्य विभाग को 2727 छायादार जैसे जामुन,नीम,अमरूद,गुलमोहर, पीपल,बरगद,सागौन आदि के पौधे लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस मौके पर आईओ वीर सिंह, फार्मासिस्ट हरीश कुमार, प्रदीप रावत, योगेश कुमार,लोकेंद्र, प्रदीप कुमार, रामकुमार,गुड्डू ,ठाकुर मनोज सिंह धुंधली वाले के समेत अन्य समाजसेवी भी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा मार्ग को लेकर योगी सरकार के आदेश पर भड़के आप नेता सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी दुकानों में नेमप्लेट लगाने का निर्देश दिया है। इस फैसले पर विपक्षी दलों ने कहा है कि ऐसा कर योगी सरकार समाज में धर्म के नाम पर लोगों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने यूपी सरकार पर हमला बोला है।

सौरभ भारद्वाक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, हमारे समाज में कई कुरीतियां रहीं हैं। उनमें से सबसे बड़ी कुरीति यह रही कि दलित समाज से आने वाले हमारे भाइयों के घर पर लोग खाना नहीं खाते थे। उनका हाथ छू जाए, तो वो चीज नहीं खाते थे। आज फल बेचने वाले, सब्जी बेचने वालों में से ज्यादातर भाई दलित समाज से आते हैं। अब वो लिखेगा कि मेरा नाम फलां-फलां है। मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा, क्योंकि वो भी गलत है, तो उससे उसकी जाति पता चलती है और आप जाति के आधार पर उसका शोषण करने के लिए एक जमीन तैयार कर रहे हैं, जो मैं समझता हूं कि बिल्कुल भी उचित नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है दलित समाज ने संविधान बचाने के लिए भाजपा को इस बार वोट नहीं दिया। आज दलित समाज को बेरोजगार करने की बड़ी साजिश बीजेपी द्वारा रची जा रही है, लेकिन हम इसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। हमारा दलित समाज बेरोजगार हो जाए और इन लोगों के आगे घुटने टेक दे, हम ये होने नहीं देंगे। बता दें कि इससे पहले विपक्ष के कई नेताओं ने योगी सरकार के इस कदम की आलोचना की थी। असदुद्दीन ओवैसी ने एक समाचार पत्र की रिपोर्ट को साझा करते हुए योगी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, यूपी के कांवड़ मार्गों पर खौफ, यह भारतीय मुसलमानों के प्रति नफरत की हकीकत है। इस गहरी नफरत का श्रेय राजनीतिक दलों/हिंदुत्व के नेताओं और तथाकथित दिखावटी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को जाता है।

उधर, योगी सरकार के इस कदम का जहां कुछ विपक्षी दलों ने विरोध किया तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के कई नेताओं ने इस फैसले का स्वागत भी किया। भाजपा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, निश्चित रूप से यह स्वागत योग्य कदम है। लोगों के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द बढ़े, इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस आदेश में यह नहीं कहा गया है कि कहां से सामान खरीदना है, जो जहां से चाहे सामान खरीद सकता है। वैसे भी दुकान के नीचे 40 से 50 फीसद लोग अपना

मुख्य सचिव हाइब्रिड सुनवाई के लिए 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करें: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को राष्ट्रीय राजधानी में 691 अधीनस्थ अदालतों में ह्यहाइब्रिडह्न सुनवाई को सुगम बनाने तथा इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने के वास्ते 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करने का निर्देश दिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी.एस अरोड़ा की पीठ ने जिला अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई के लिए जरूरी अवसंरचना से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि सभी 691 अदालतों के वास्ते एक व्यापक निविदा जारी की जाए। हाइब्रिड सुनवाई का तात्पर्य अदालत कक्षों में प्रत्यक्ष रूप से और ऑन लाइन माध्यम से सुनवाई है।

पीठ ने कहा, नतीजतन यह अदालत दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को सभी 691 अदालतों के संबंध में 387.03 करोड़ रुपये की राशि के लिए 19 अप्रैल, 2024 के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार वित्तीय मंजूरी देने के मामले में तेजी से कदम उठाने का निर्देश देती है ।यह स्पष्ट किया गया है कि प्रायोगिक अदालतों सहित सभी 691 अदालतों के लिए एक व्यापक निविदा जारी की जाएगी। उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को शुरू में प्रति जिले दो प्रायोगिक अदालतों के बजाय प्रति अदालत परिसर में दो प्रायोगिक अदालतें स्थापित करने की अनुमति दी, जिसका निर्णय रजिस्ट्रार जनरल द्वारा किया जाएगा। उच्च न्यायालय में दिल्ली सरकार का पक्ष अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने रखा। सभी अन्य अदालतों में इस परियोजना को लागू करने से पहले उसके कामकाज का मूल्यांकन करने के लिए ये प्रायोगिक अदालत स्थापित की जाएंगी।

सदर विधायक महबूब अली ने किया तीन सौ मीटर सीसी सड़क का उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। शनिवार को सदर विधायक/लोक लेखा समिति के चेयरमैन, पूर्व कैबिनेट मंत्री महबूब अली ने अपनी विधायक निधि से निर्मित सडके मौहल्ला नौगजा में दिल्ली मेडीकल सेंटर अस्पताल तक, एवं मौहल्ला मुल्लाना में जामा मस्जिद चौराहे से माजिद के मकान तक लम्बाई लगभग 300 मी० सी०सी० का उदघाटन किया। उक्त सड़के काफी जर्जर हालत में थी व पिछले काफी समय से जनता द्वारा उक्त मार्ग को दुरूस्त कराने की माँग उठ रही थी श्री अली जी के प्रयास से अमरोहा की काफी सड़को का निर्माण होता आ रहा है। नगर के विकास के लिये सड़को का सही होना अति आवश्यक है। उक्त सड़को के निर्माण से नगर एवं मौहल्लेवासियो को आवागमन में सुविधा होगी। श्री अली सदैव ही जनता की सेवा के लिये तत्पर रहते है इस मौके पर श्री परवेज अली, पूर्व एम०एल०सी०, नासिर सिददकी, सलीम अंसारी, मुफ्ती हमजा, सरताज मैम्बर, खुर्शीद जैदी, आलेमीन सैफी, अनस अब्बासी, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री वैंकटेश्वरा में वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संगोष्ठी एवं शपथ समारोह आयोजित

- बढ़ती हुई ग्लोबल वार्मिंग एवं वैश्विक प्रदुषण से मुक्त होने का वृहद वृक्षारोपण एकमात्र प्रभावी उपाय: राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वैंकटेश्वरा संस्थान, वी.जी.आई. मेरठ एवं परिवहन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं पर्यावरण जागरूकता रैली का शानदार आयोजन किया गया, जिसमे वक्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण के साथ पालीथीन मुक्त भारत बनाने में सभी से अपना प्रभावी योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि हम सब मिलकर शपथ लेते है कि सभी सामाजिक आयोजन जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह, नामकरण संस्कार आदि शुभ अवसरों पर एक दूसरे को उपहार के रूप में पौधे भेंटकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी के क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया के सपने को साकार करने में अपना प्रभावी योगदान देकर राष्ट्र विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर एक पेड़ धरती माँ के नाम विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि परिवहन अधिकारी श्रीमती बबिता वर्मा ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एवं तेजी से जलवायु परिवर्तन का एकमात्र कारण यह है कि आज पढ़े- लिखे समृद्ध लोग भी प्रकृति से दूर होते जा रहे है। हम सभी को मिलकर संरक्षण एवं संवर्धन के लिए काम करना होगा तभी विनाश के बिना विकास संभव है। उन्होंने आगे कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा के साथ- साथ वैंकटेश्वरा अपने सामाजिक सरोकारों के लिए भी पूरे देश में जाना जाता है। आज इसी पहल के साथ मेरठ एवं मुरादाबाद प्रभाग में वैंकटेश्वरा एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सत्ताईस सौ पौधों को रोपित किया जा रहा है। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान के तिरंगा मैदान में हरेला पर्व पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं शपथ समारोह का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, श्रीमती बबिता वर्मा , सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलपति प्रो.कृष्ण कान्त दवे आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। इस अवसर पर प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस. अरोड़ा, ग्रुप एडवाईजर श्री आर.एस. शर्मा, कुलसचिव डा. पीयूष पांडेय, डा. राजेश सिंह, डा. दिव्या गिरधर, डा. दिनेश गौतम, डा. नीतू पंवार, डा. योगेश्वर शर्मा, डा. एस.एन.साहू, डा.राजवर्धन, डा. अनिल कुमार जायसवाल, डा. रामनाथन झा, डा. राम कुमार, सौमिक बेनर्जी, श्री एस. एस. बघेल, अरुण गोस्वामी, मारुफ चौधरी, विशाल शर्मा, संजीव पाल, श्री राम गुप्ता एवं मेरठ परिसर से डा. प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

पेड़ काटने के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी का अनोखा प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में पेड़ काटने के मुद्दे को लेकर भाजपा और दिल्ली के एलजी पर हमला बोला है और आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर अपने कार्यकताओं के साथ एक अनोखा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज मौजूद रहे। उनके साथ मौजूद कार्यकताओं ने बड़े-बड़े पेड़ के साइन बोर्ड बनाए हुए थे और दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना का मास्क लगाकर आरी से उसे काटते हुए दिख रहे थे। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली वालों से भाजपा के लोग उनकी शुद्ध हवा भी छीन लेना चाहते हैं। दरअसल दिल्ली के रिज एरिया में 1100 पेड़ों पर काटने का मामला कोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली सरकार लगातार यह आरोप लग रही है कि अमीरों के घर बचाने के लिए रिज एरिया के 1100 पेड़ों को डीडीए ने दिल्ली के एलजी के आदेश पर चुपचाप काट दिए। जबकि रिज एरिया में अगर एक भी पेड़ काटना होता है तो उसके लिए सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी होती है। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के इको सेंसिटिव जोन, असोला भाटी सेंचुरी, जिसे सुप्रीम कोर्ट लंग ऑफ दिल्ली कहता है और जहां एक भी पेड़ सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना नहीं काटा जा सकता, वहां डीडीए ने गैरकानूनी तरीके से 1100 पेड़ काट दिए। सुप्रीम कोर्ट डीडीए के वाइस चेयरमैन से बार-बार पूछ रहा है कि क्या इन पेड़ों को काटने का आदेश दिल्ली के एलजी ने दिया था? लेकिन डीडीए के वाइस चेयरमैन इस बात को गोलमोल घुमा रहे हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110055 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	निविदा सं.	विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	93246243	संलग्न विनिर्देश अनुलग्नक–बी के अनुसार माइक्रो कंट्रोलर आधारित हलके वजन वाली हाई लुमेन टॉर्च	1920 नग	19.08.2024
2	93246203	आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/110/2020 के अनुसार, 24 फाइबर आर्मर्ड ऑप्टिक फाइबर केबल की आपूर्ति और निविदा खुलने की तिथि तक नवीनतम संशोधन/संशोधन के साथ।	39 किलोमीटर	19.08.2024

निविदा शर्तें–1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

Sr. DMM/NS/LP/93246243 & 93246203 /2024 Date:-19.07.2024

2206/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार से बजट में एमसीडी के लिए मांगे 10 हजार करोड़

एमसीडी का क्या हक होना चाहिए दिल्ली वाले ये जानना चाहते हैं।

- हम केंद्र सरकार से जानना चाहते हैं कि दिल्ली का क्या गुनाह है कि उनके टैक्स का हिस्सा नहीं मिलता है। पिछले साल 2 लाख 7 हजार करोड़ का इनकम टैक्स दिया।
- इसके अलावा 25000 हजार करोड़ रुपए सीजीएसटी के रूप में केंद्र सरकार को दिए।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली सरकारी कैबिनेट मंत्री आतिशी और मेयर शैली ओबेरॉय ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। आतिशी ने कहा कि 23 जुलाई को पेश होने जा रहे केंद्रीय बजट में दिल्ली का क्या हक होना चाहिए, दिल्ली सरकार का क्या हक होना चाहिए और एमसीडी का क्या हक होना चाहिए दिल्ली वाले ये जानना चाहते हैं। दिल्ली के लोग अपनी नौकरी से अपनी दुकान से या अपने बिजनेस से जो पैसा कमाते हैं उस पर इनकम टैक्स देते हैं। सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आतिशी ने कहा कि, केंद्र सरकार को दिल्ली से बड़ी मात्रा में टैक्स मिलता है। अगर आप आंकड़े देखें तो दिल्ली उन राज्यों में दूसरे या तीसरे नंबर पर है जो शहर या राज्य केंद्र को ज्यादा टैक्स देते हैं। केंद्र सरकार से हर राज्य की लोकल बॉडी को भी एक हिस्सा मिलता है। एक हिस्सा राज्य सरकार को देती है। पूरे देश में दिल्ली को अपने टैक्स में से एक रुपया भी केंद्र से नहीं मिलता है।

आतिशी ने आगे कहा कि दिल्ली के नगर निगम को आज तक केंद्र सरकार से एक रुपया नहीं मिला है। हम केंद्र सरकार से जानना चाहते हैं कि दिल्ली का क्या गुनाह है कि उनके टैक्स का हिस्सा नहीं मिलता है। पिछले साल 2 लाख 7 हजार करोड़ का इनकम टैक्स दिया। इसके अलावा 25000 हजार करोड़ रुपए सीजीएसटी के रूप में भी केंद्र सरकार को दिए। इस तरह कुल दो लाख 32 हजार करोड़ रुपए केंद्र सरकार को दिल्ली से टैक्स के रूप में मिले। लेकिन, फिर भी केंद्र सरकार ने दिल्ली के लोगों के हक का पैसा दिल्ली सरकार और एमसीडी को विकास कार्यों के लिए नहीं दिया।

जबकि केंद्र सरकार यूपी के निगम को 13 हजार 432 करोड़ रुपए देती है। महाराष्ट्र के नगर निगम को 7 हजार 115 करोड़ रूपया मिलता है। बिहार के निगम को 6,079 करोड़ रूपया मिलता है। दिल्ली की साफ सफाई के लिए केंद्र सरकार पैसा क्यों नहीं देती है। केंद्र सरकार से बजट में हम 10 हजार करोड़ रुपए दिल्ली नगर निगम के लिए मांग रहे हैं।

ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन ने दिल्ली में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के साथ एकजुटता दिखाते हुए ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) ने शनिवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया। एआईएसए ने पड़ोसी देश में प्रदर्शनकारी छात्रों के दमन की निंदा की। संगठन के सदस्यों ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नारेबाजी भी की।

एआईएसए ने यहां प्रदर्शन के दौरान कहा कि बांग्लादेश में छात्रों की हत्या नहीं सहेंगे, लाठीचार्ज भी नहीं सहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार की आलोचना में हाथों में बैनर भी ले रखे थे। सरकारी नौकरियों में आरक्षण फिर से लागू करने के विरोध में बांग्लादेश में कई सप्ताह से व्यापक विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। छात्रों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में अब तक कम से कम 104 लोगों की मौत हो गई और 2,500 से ज्यादा घायल हो गए हैं। आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के चलते बांग्लादेश से करीब एक हजार भारतीय छात्र स्वदेश लौट आये हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मेघालय और जम्मू-कश्मीर के भारतीय विद्यार्थी वापस देश लौटने पर मजबूर हुए हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय नागरिकों का बिना किसी परेशानी के आगमन सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय, इमिग्रेशन, लैंड पोर्ट और बीएसएफ के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, कम से कम 778 भारतीय छात्र विभिन्न जमीनी सीमा पोस्टों के माध्यम से भारत लौट आए, जबकि लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों से नियमित के माध्यम से घर लौटे हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता/गति शक्ति इकाई/दिल्ली, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली–110055 ने अधोविख्यात काम के लिए ई–निविदा आमंत्रित किया जाता है। अत: दिनांक 21.07.2024 को इसे आईआरईपीएस की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

निविदा सूचना संख्या	18-R-DyCEE-GSU-DLI-24-25
कार्य का नाम व स्थान	तुगलकाबाद और शकूरबस्ती में माल ढुलाई परीक्षा केंद्रों पर विद्युत बुनियादी ढांचे में वृद्धि और सुधार।
लगभग काम की लागत	₹1,90,81,337/-
बयाना धन राशि (ऑनलइन जमा करने के लिए)	₹2,41,400/-
ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय अब	दिनांक 21.07.2024 को आईआरईपीएस की वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in पर निविदाएं अपलोड की हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 11.08.2024 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज पहले	विस्तृत ई–निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानि www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर 27.07.2024 से 12.08.2024 तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

सं.: 18-R-DyCEE-GSU-DLI-24-25 दिनांक: 19.07.2024 2203/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रिज क्षेत्र में अवैध रूप से सैकड़ों पेड़ काटने पर भाजपा व एलजी के खिलाफ आप का हल्ला बोल

अब सुप्रीम कोर्ट के सामने यह बात साफ हो गई है कि पेड़ों को काटने के अवैध आदेश एलजी साहब ने ही दिए थे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के रिज क्षेत्र में अवैध रूप से काटे गए 1100 पेड़ों के खिलाफ शनिवार को आम आदमी पार्टी ने ह्यूमन चेन बनाकर भाजपा और एलजी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी मुख्यालय पर एकत्र हुए आप कार्यकर्ता अपने हाथों में नारे लिखे पोस्टर-बैनर के साथ पेड़ का स्ट्रक्चर और आरी लिए थे। एलजी का मुखौटा पहने कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रतिकात्मक रूप से आरी से हरे पेड़ के स्ट्रक्चर को काटकर विरोध जताया। आप के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 03 फरवरी 2024 को मुख्य सचिव समेत अन्य वरिष्ठ अफसरों के साथ एलजी साहब रिज का दौरा करने गए थे और उसी दौरान 1100 पेड़ काटने के मौखिक आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार पूछा कि किसके आदेश पर इतने पेड़ काटे गए लेकिन अफसरों ने सच नहीं बताया। सड़क को चौड़ा करने के लिए फार्म हाउसों की जमीन ली जा सकती थी, लेकिन यहां फार्म हाउस मालिकों को फायदा पहुंचाना था। इसलिए रिज क्षेत्र के सैकड़ों पेड़ काट दिए गए। इस दौरान विधायक राजेश गुप्ता, वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता और आदिल समेत अन्य आप कार्यकर्ता मौजूद रहे। विरोध प्रदर्शन के दौरान कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट बार-बार डीडीए से सवाल पूछ रहा था कि उसने किसके आदेश पर गैरकानूनी तरीके से 1100 पेड़ काटे। लेकिन डीडीए के अफसर इसके पीछे की सच्चाई छिपाने में लगे हुए थे। 3 फरवरी को दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार, पीडब्ल्यूडी सचिव अनबरासू, पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव एके सिंह, डिविजनल कमिश्नर अश्विनी कुमार समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारी एलजी साहब के साथ रिज एरिया के दौरे पर गए थे। इसके बावजूद इनमें से किसी ने भी सुप्रीम कोर्ट के सामने यह बात नहीं बताई कि एलजी साहब ने रिज एरिया का दौरा किया और पेड़ों को काटने के मौखिक निर्देश दिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सामने यह बात साफ हो गई है कि पेड़ों के काटने का आदेश एलजी वीके सक्सेना ने ही दिए थे। डीडीए के अधिकारियों की दो ईमेल से यह बात साफ पता चलती है। साथ ही, इस मामले में एक और बड़ा षड़यंत्र खुल कर आया है कि सड़क को चौड़ा करने के लिए जानबूझ कर रिज एरिया के पेड़ों को काटा गया, जबकि इसके लिए सड़क की दूसरी तरफ फार्म हाउस की जमीन भी ली जा सकती थीं। अगर वो हर फार्म हाउस से करीब 5 से 10 फीसद जमीन ले लेते, तो पेड़ों को बिना नुकसान पहुंचाए सड़क चौड़ी की जा सकती थी। लेकिन ऐसा न कर फार्म हाउसों के मालिकों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से रिज के पेड़ों को काटा गया। अब ये बात भी बिल्कुल साफ हो गई है। सड़क को चौड़ा करने का अप्रूव्ड डिजाइन आज भी यूटीपेक की वेबसाइट पर मौजूद है। इससे, साफ पता चलता है कि पेड़ों को काटने में भारी गड़बड़ी की गई है। वहीं, दिल्ली के वजीरपुर से आम आदमी पार्टी के विधायक राजेश गुप्ता ने कहा कि पेड़ बेजुबान होते हैं। हालांकि उनमें जान होती है, वो सांस लेते हैं और सभी जीव-जंतुओं को भी सांस लेने के लिए ऑक्सीजन देते हैं। एक पेड़ तीन पीढ़ियों को फल, ऑक्सीजन और छाया देता है। सब जानते हैं कि उत्तर भारत में प्रदूषण का बुरा हाल है। एक तरफ दिल्ली की केजरीवाल सरकार पिछले 9 सालों से दिल्ली में करोड़ों पेड़ लगा रही है और अपने लक्ष्य से आगे चल रही है। देश के सभी महानगरों में दिल्ली की हरियाली सबसे ज्यादा है। हमने इसके लिए लगातार काम किया है। वहीं, दूसरी तरफ मोदी सरकार के नुमाइंदे एलजी साहब ने दिल्ली के सेंसिटिव जोन से 1100 पेड़ कटवा दिए। यह एक प्रकार की जीव हत्या है। ये सोचने वाली बात है कि हम आने वाली पीढ़ी को क्या देकर जा रहे हैं? चूंकि पेड़ बेजुबान हैं, वो खुद नहीं बोल सकते, इसलिए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता, विधायक और पदाधिकारी पेड़ों के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

जमानत के लिए बहाना बना रहे : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जेल में कम कैलोरी वाला खाना खाने को साजिश का हिस्सा बताया है। शनिवार को उन्होंने आरोप लगाया है कि खराब सेहत का बहाना बनाकर जमानत पाने के लिए वह जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। तिहाड़ जेल प्रशासन की चिट्ठी के बाद उनकी इस साजिश से पदार्फाश हो गया है। वह जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं, जिससे वह जेल से बाहर आ सकें। सचदेवा ने यह आरोप तब लगाए हैं जब एलजी के प्रधान सचिव की ओर से मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में कम कैलोरी वाला खाना खा रहे हैं, जिससे उनका वजन घट रहा है। भाजपा प्रदेशध्यक्ष के मुताबिक, चिट्ठी में साफ लिखा है कि कोर्ट के आदेश के बाद केजरीवाल को घर का खाना दिया जाता है, लेकिन 6 जून से 13 जुलाई के बीच वह जानबूझकर कम कैलोरी का भोजन ले रहे हैं। भाजपा का कहना है कि वह लगातार खानपान कम कर रहे हैं, ताकि वह अपना वजन कम कर सके। उसके जरिए अपनी खराब सेहत का बहाना लेकर सहानुभूति चाहते हैं। सचदेवा का आरोप है कि वह कोर्ट में जाकर यह कहना चाहते हैं कि जेल में वजन कम हो रहा है। उनकी सेहत ठीक नहीं है, जिससे खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर वह जमानत पर बाहर आ सकें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान केजरीवाल को 21 दिन की जमानत मिली थी। उस समय सुबह से शाम तक वह आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे।

डॉ. बसंत गोयल को हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद) के चर्चिल रूम लंदन में

- इन्टरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में भारत कीर्तिमान अलंकरण से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

डॉ. बसंत गोयल को इन्टरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड (अंतर्राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार-2024) में प्रतिष्ठित भारत कीर्तिमान अलंकरण से सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया है, जो कि विश्व में पहली बार दिया गया है यह समारोह 18 जुलाई, 2024 को लंदन के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर के हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद) के चर्चिल रूम में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित किया गया ।

यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने अपने कार्यो से मानवता और समाज को उल्लेखनीय लाभ पहुंचाया है। ये पुरस्कार भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी और ब्रिटेन के प्रधान मंत्री की अनुमति से दिया गया है, साथ ही पुरस्कार देने से पहले एक केन्द्रीय मंत्री भारत और एक संसद सदस्य ब्रिटेन को इसकी मंजूरी देनी होती है,

पुरस्कार मिलने से पहले गोयल मेडिकोज के प्रमुख और अठळ फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि, मैं लंदन के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर के हाउस ऑफ कॉमन्स (ब्रिटिश संसद) के चर्चिल रूम में भारत कीर्तिमान अलंकरण पुरस्कार पाकर बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। इस तरह की मान्यता मुझे समाज और मानवता के लिए और अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैं इस समारोह में भाग लेने और सम्मानित अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस क्षण को साझा करने के लिए उत्सुक हूं। यह पुरस्कार फामेर्सी और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में डॉ. गोयल के योगदान को उजागर करता है। उनकी उल्लेखनीय पहलों में, आर्थिक रूप से कमजोर और सुविधावंचित 51 जोड़ों के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन शामिल है, जिसे लंदन बुक्स ऑफ रिकॉर्ड में स्थान मिला है। इस पुरस्कार के साथ ही उन्हें ह्वविश्व की सर्वश्रेष्ठ फामेर्सी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार 20 कैबिनेट मंत्रियों और 50 भाजपा सांसदों की उपस्थिति में प्रशंसित फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने प्रदान किया था।

डॉ. गोयल मिशन सर्वार्थ सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं, जो समाज की मदद करता है और मानवीय प्रयासों को बढ़ावा देता है। वे प्रति वर्ष, रक्तदान शिविरों का आयोजन करते हैं। पिछले साल, इस फाउंडेशन द्वारा 24 घंटे में सबसे अधिक रक्तदान करने का कीर्तिमान, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था।

वर्तमान वर्ष 2024 में 6 जुलाई, 2024 के दिन, उन्होंने अपना जन्मदिन राष्ट्र को समर्पित किया और एक विशाल रक्त शिविर का आयोजन किया, जिसमें 2962 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन ने उनका अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन, व.र.अ. (गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स) में एक रिकॉर्ड स्थापित किया। डॉ. बसंत ने रॉयल अमेरिकन यूनिवर्सिटी, व.र.अ. से डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी और डॉक्टर ऑफ हेल्थ साइंस की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने अमेरिकन ईस्ट कोस्ट यूनिवर्सिटी, व.र.अ. से फामेर्सी में डॉक्टरेट की डिग्री भी प्राप्त की है। उनके नेतृत्व और सामाजिक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने भारत और विश्वभर में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

दिल्ली मेट्रो में नौकरी दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपये की ठगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मेट्रो में नौकरी लगवाने के नाम पर दो युवाओं से आरोपितों ने तीन लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-29 में रहने वाली आराधना ने सेक्टर-31 थाने में दी शिकायत में बताया कि पिछले साल उनके जानने वाले एक इलेक्ट्रिशियन ने राजेश कुमार नाम के व्यक्ति के बारे में बताया।

राजेश कुमार ने नौकरी दिलाने के लिए एक वाट्सऐप ग्रुप बनाया हुआ था। वह भी इस ग्रुप से जुड़ गई। दिसंबर 2023 में राजेश कुमार ने ग्रुप पर दिल्ली मेट्रो में नौकरी लगवाने की जानकारी दी। भतीजे दिव्यांश पाठक की नौकरी लगवाने के लिए राजेश कुमार से बात की। प्लेसमेंट और सिक्योरिटी के नाम पर 1.50 लाख रुपये मांगे उसने प्लेसमेंट और सिक्योरिटी के नाम पर 1.50 लाख रुपये देने की बात कही। राजेश कुमार ने उनके भतीजे को लाइन सुपरवाइजर की नौकरी दिलाने के लिए संदीप चौहान नाम के व्यक्ति से मिलवाया। उनका एक और जानकार विकास कुमार भी नौकरी करना चाहता था। दोनों को नौकरी लगाने के नाम पर तीन लाख रुपये आरोपितों को दिए इसके बारे में भी राजेश से बात की। उसने इसके लिए भी डेढ़ लाख रुपये मांगे। उन्होंने दोनों की नौकरी लगाने के लिए कुल तीन लाख रुपये आरोपितों को दे दिए। इसके बाद दोनों की पुलिस वेरिफिकेशन कराई गई। दिव्यांग का चरित्र प्रमाण पत्र बन गया, लेकिन विकास का नहीं बन सका। इसलिए विकास की नौकरी लगवाने के लिए आरोपितों ने मना कर दिया, लेकिन इसकी एवज में लिए हुए पैसे नहीं लौटाए। उधर दिव्यांश को पंजाबी बाग मेट्रो स्टेशन में तीन दिन की झूठ-मूठ की ट्रेनिंग दिलाई गई। इसके बाद आरोपित नौकरी लगाने के नाम पर टाल-मटोल करते रहे। पैसे वापस मांगने पर अब धमकी देते हैं।

यमुना खादर में डीडीए की झुग्गियां तोड़ने से विस्थापित लोग बोले- गांव जाने पर बच्चों का दाखिला कराने में होगी मुश्किल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर डीडीए द्वारा अक्षरधाम के पास स्थित यमुना खादर में झुग्गियों को तोड़ने की कार्रवाई की गई। शुक्रवार को दूसरे दिन भी डीडीए के द्वारा 100 से ज्यादा झुग्गियों को तोड़ा गया। इन झुग्गियों को तोड़े जाने से विस्थापित हुए लोगों का कहना है कि हर साल नोटिस आते हैं। हर साल झुग्गियों को तोड़ा जाता है। उसके बाद फिर मामला शांत हो जाता है। लोगों का कहना है कि एक बार में ही यहां पर झुग्गियों को तोड़ने के बाद दोबारा झुग्गियां नहीं बनाने दी जाएं। लेकिन, दोबारा झुग्गियां बनती हैं तो डीडीए के लोग कोई ऑब्जेक्शन नहीं करते और जब बन जाती हैं तो फिर उनको तोड़ देते हैं। यहां रह रहे ग्रामीणों ने बताया कि लोग यहां 20 से 25 साल से भी ज्यादा समय से खेती कर रहे हैं। करीब 2000 से ज्यादा लोग हैं। यहां पर 100 से ज्यादा परिवार है। लोगों के पास यहां के राशन कार्ड और वोटर कार्ड भी हैं। हर चुनाव में लोग वोट भी डालते हैं। यहां झुग्गी में रहने वाले मानचंद ने बताया कि पहले 5 तारीख को झुग्गी तोड़ी गई थी। उसके बाद बीच में फिर बंद कर दी गई। अब 18 तारीख से फिर से तोड़ना शुरू किया गया है। बहुत सारा सामान तोड़ दिया है। यहां रहने वाले रूकपाल ने बताया कि उनके छह बच्चे हैं। तीन बच्चे मयूर विहार फेज वन के सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। एक बच्चा प्राइवेट स्कूल में पढ़ता है। बच्चों का एडमिशन अप्रैल में हो चुका है। अब ऐसे समय में झुग्गियां तोड़ी गई। अब बच्चों को हम कहां लेकर जाएं। दूसरी जगह चले जाएंगे तो बच्चों का दाखिला कैसे होगा। यमुना खादर में पिछले 10 साल से पंचशील पाठशाला चला रहे शिक्षक सतेंद्र कुमार ने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश पर झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं। ऐसे में यहां रहने वाले लोगों को विस्थापित तो होना ही पड़ेगा। लेकिन, इस तरह ही कार्रवाई करने से पहले इन लोगों को और समय दे दिया जाता। अभी ऐसे समय में झुग्गियां तोड़ी जा रही, जब बारिश का समय है। बच्चों के दाखिले हो चुके हैं। पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों के लिए हम भी अभी कोई इंतजाम नहीं कर पाए हैं। उनकी आगे की पढ़ाई कैसे होगी इस बारे में भी कुछ सोच नहीं पाए हैं। सतेंद्र ने आगे बताया कि बहुत से लोग गांव जाने का विचार बना रहे हैं। जबकि कुछ लोगों ने अशोकनगर में कमरे भी किराए पर ले लिए हैं। रैन बसेरे में अभी तक कोई नहीं गया है। वहीं, गीता कॉलोनी में रैन बसेरा संचालक नितिन से बात करके पूछा गया कि गीता कॉलोनी रैन बसेरे में क्या कोई यमुना खादर का विस्थापित गया है तो उन्होंने बताया कि अभी तक कोई विस्थापित नहीं आया है। यहां के रैन बसेरो में पहले से ही कश्मीरी गेट की झुग्गियों के विस्थापित लोग रह रहे हैं। अगर यमुना खादर के विस्थापित लोग आते हैं तो उनके लिए जगह दी जाएगी। गीता कॉलोनी स्थित रैन बसेरे में 100 लोगों के रुकने की व्यवस्था है।

तीन पुलिस थानों में सीबीआई के छापे, पांच पुलिसकर्मी रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस में व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगातार कार्रवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को दिल्ली के तीन थानों में छापेमारी कर पांच पुलिसकर्मियों को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पिछले हफ्ते ही एजेंसी ने ज्योति नगर थाने के इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार को 50 हजार रिश्वत लेते कड़कड़डूमा मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया था।

दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार चरम पर

ऐसा पहली बार हुआ है, जब तीन थाना पुलिस के बारे में रिश्वत लेने की शिकायत मिलने पर सीबीआई ने पांच पुलिसकर्मियों को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस में भ्रष्टाचार चरम पर है। आलम यह है की हर माह दो-तीन थानों में सीबीआई छापेमारी कर पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर रही है।

पहले ऐसा कभी देखने को नहीं मिला था। एजेंसी द्वारा छापेमारी किए गए पुलिस थानों में से एक पूर्वी दिल्ली का पटपड़गंज थाना है, जिसकी डीसीपी अपूर्वा गुप्ता हैं। सूत्रों ने बताया कि यहां से हवलदार सुधाकर और राजकुमार को पकड़ा गया है। एक अन्य छापेमारी हौज खास थाने में की गई, जहां से एक एसआई को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई आज दे सकती है मामले में ब्रीफिंग

गोविंदपुरी थाने में तैनात एक हवलदार को भी रिश्वत की रकम के साथ पकड़ा है। सीबीआई शनिवार को मामले पर ब्रीफिंग दे सकती है। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई ने कुछ शिकायतें मिलने के बाद मामले दर्ज किए थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ पुलिसकर्मी अलग-अलग मामलों में कुछ शिकायतकताओं से रिश्वत मांग रहे थे। सीबीआई ने इसके बाद शुक्रवार शाम छापेमारी कर पांच पुलिसकर्मियों को दबोच लिया। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिसकर्मी के आवासीय और सरकारी परिसरों पर भी तलाशी ली गई। यह पिछले पखवाड़े में दिल्ली पुलिस के कर्मियों पर सीबीआई की कार्रवाई का चौथा उदाहरण है। बल के इतिहास में अभूतपूर्व कार्रवाई में इस साल भ्रष्टाचार के आरोप में कम से कम दो दर्जन पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है।

मजाक करने पर 11वीं के छात्र ने सहपाठी को मारा चाकू

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी के एक सरकारी स्कूल में शुक्रवार दोपहर 11वीं के छात्र ने मजाक करने पर सहपाठी पर चाकू से हमला कर दिया। घायल छात्र को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी छात्र को पकड़ लिया है। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया गया है।पुलिस के अनुसार, जहांगीरपुरी थाना पुलिस को स्कूल में छात्र को चाकू मारने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो 15 साल का नाबालिग खून से लथपथ था। पुलिस ने उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने मौके से ही आरोपी 16 साल के छात्र को हिरासत में ले लिया। जांच में पता चला कि घायल छात्र ने एक दिन पहले साथ पढ़ने वाले आरोपी छात्र से कुछ मजाक कर दिया था। यह बात आरोपी को बुरी लगी और दोनों में झगड़ा हो गया। उस समय बाकी छात्रों ने बीचबचाव कर मामला शांत करवा दिया था। अगले दिन आरोपी छात्र बैग में चाकू लेकर आया और मौका पाकर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी छात्र को बाल सुधार गृह भेज दिया है।

यात्री को चीन के रास्ते अमेरिका भेजने वाला एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पुलिस ने कबूतरबाजी के मामले में दो महीने से फरार चल रहे एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी अक्षय 47 लाख रुपये में एक यात्री को चीन के रास्ते अमेरिका भेज रहा था। इसके लिए उसके पासपोर्ट पर कई देशों के फर्जी वीजा लगाए गए थे, लेकिन यात्री को चीन में इमिग्रेशन अधिकारी ने पकड़ लिया। इसके बाद उसे भारत डिपोर्ट कर दिया गया। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार बीते 25 मई को पटियाला निवासी कुलदीप सिंह चीन से बैंकॉक होते हुए आईजीआई एयरपोर्ट डिपोर्ट होकर लौटा था। उसके पासपोर्ट पर आईजीआई एयरपोर्ट की फर्जी इमिग्रेशन मुहर लगी थी। मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। कुलदीप सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके कई दोस्त विदेश में नौकरी कर रहे हैं। वह भी रोजगार के लिए अमेरिका जाना चाहता था। अक्षय नाम के एजेंट ने उसे 47 लाख रुपये में कई देशों के रास्ते अमेरिका भेजने का वादा किया। एजेंट ने दुबई, चीन आदि के फर्जी वीजा उसके पासपोर्ट पर लगाए, ताकि उसके कई देश जाने की पुष्टि हो। वह, दिल्ली एयरपोर्ट से बैंकॉक गया और वहां से चीन गया। चीन एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा पूछताछ में फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ, जिसके चलते उसे वापस भेज दिया गया। इसके बाद से एजेंट फरार चल रहा था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया था। हाल ही में सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

कांवड़ियों के लिए 200 शिविर, चलने के लिए अलग लेन

नई दिल्ली। दिल्ली में कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाने का काम जोर-शोर से शुरू हो गया है। सरकार वाटर प्रूफ पंडाल के साथ-साथ सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था कर रही है। कांवड़ शिविर समितियों के साथ-साथ अधिकारी शिविर के लिए पंडाल, भंडारे की व्यवस्था और स्वास्थ्य के लिए मेडिकल टीम का गठन कर रहे हैं। सरकार की ओर से दिल्ली भर में कुल 200 कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही जीटी रोड पर कांवड़ियों के चलने के लिए एक लेन को रिजर्व रखा जाएगा। राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, शाहदरा और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कांवड़ शिविरों पर मुख्य फोकस रहता है। यहीं से होकर हरियाणा, राजस्थान से आने वाले कांवड़िए हरिद्वार जाते हैं। कांवड़ियों के रहने, सोने और खाने की पूरी व्यवस्था शिविर में रहेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल के अलावा सीसीटीवी कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम के जरिए निगरानी भी रखी जाएगी। सरकार ने एमसीडी व स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ शिविरों के लिए साफ-सफाई की खास व्यवस्था करने के साथ मेडिकल टीमों के गठन का निर्देश दिया है। साथ ही कांवड़ शिविरों को एक-एक डिस्पेंसरी और अस्पताल के साथ लिंक किया जाएगा, जिससे आपात स्थिति में जरूरत पड़ने पर उन्हें वहां ले जाया जा सके। वर्तमान में गाजीपुर टोल के पास, अक्षरधाम, सीमापुरी बॉर्डर, सीलमपुर, धर्मपुरा, अप्सरा बॉर्डर जीटी रोड पर कई जगहों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। पांच शिविरों में मुस्लिम करते हैं कांवड़ियों की सेवा : दिल्ली में जीटी रोड पर पड़ने वाले करीब पांच शिविर ऐसे हैं, जो मुस्लिम बाहुल्य इलाकों के आस-पास बने हुए हैं। सावन के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग बढ़ चढ़कर कांवड़ियों की सेवा के लिए आगे आते हैं। उनके खाने-पीने, फल से लेकर अन्य सभी प्रबंधन मुस्लिम समुदाय के लोग उत्साह के साथ करते हैं।

कारोबारी के 60 लाख लेकर चंपत हुआ कर्मचारी क्राइम ब्रांच के हत्थे् चढ़ा, लूटपाट की रची थी झूठी कहानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच नॉर्दर्न रेंज-2 ने एक ऐसे मामले को सुलझा लिया है जिसमें पीतमपुरा के आयरन स्क्रैप के कारोबारी ने कर्मचारी से 60 लाख रुपयों और फॉरेन करंसी से भरे बैग को लूटने का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में फरार चल रहे कारोबारी के कर्मचारी को अब क्राइम ब्रांच ने धरदबोचा है जिसकी पहचान मंगल तिवारी ऊर्फ सुनील (24), रोहिणी (दिल्ली) के रूप में की गई है।

आरोपी कर्मचारी ने ही 1 जनवरी, 2023 में अपने साथ लूटपाट होने की झूठी कहानी गढ़ी थी जब उसको यह रुपयों से भरा बैग एक दूसरे कारोबारी को देने को पीड़ित व्यवसायी की ओर से दिया गया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त सतीश कुमार के मुताबिक पीतमपुरा के एक व्यापारी वीरेंद्र गर्ग ने शकियात दर्ज करायी थी कि उनके पास काम करने वाले एक कर्मचारी मंगल तिवारी को 31 दिसंबर, 2022 को 60 लाख रुपए और विदेशी मुद्रा से भरा बैग सौंपा गया था जिसको एक दूसरे व्यापारी को देने के लिए दयिा गया था। मंगल तिवारी, आयरन स्क्रैप कारोबारी के यहां फील्ड वर्क का काम भी करता था। उस पर भरोसा करते हुए व्यापारी ने 31 दिसंबर, 2022 को अपने घर पर ही रोक लिया था जिसके बाद उसे अगले दिन 1 जनवरी 2023 को दूसरे कारोबारी को बैग सौंपने के लिए दे दिया था।

आरोपी कर्मचारी ने शाम के वक्त करीब 5 बजे शिकायत कर व्यवसायी मालकि को फोन पर बताया कि पहाड़गंज फ्लाईओवर के पास किसी अज्ञात शख्स ने उसका बैग छीन लिया है। इस घटना के बाद पीड़ित कारोबारी ने मंगल तिवारी को तुरंत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑफसि आने को कहा लेकिन वो इधर-उधर की बात कर मामले को लंबा खींचता रहा।

इसके बाद शिकायतकर्ता व्यवसायी ने पुलिस में मामला दर्ज कराया तब से ही आरोपी फरार चल रहा था। इस बीच हेड कांस्टेबल अजय को मामले में फरार चल रहे मंगल तिवारी उर्फ सुनील के बारे में गुप्त सूचना मिली। इसके बाद उस पर मैन्युअल और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए पूरी निगरानी रखी गई। इस दौरान पता चला कि आरोपी मंगल तिवारी खुद को पुलिस से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा है और वर्तमान में वह रोहिणी में कहीं रह रहा है। इस इनपुट के आधार पर एसीपी नरेंद्र सिंह और इंस्पेक्टर संदीप तुषीर की अगुवाई में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने सूचना वाली जगह पर पूरा जाल बिछाया और मंगल तिवारी और सुनील को धरदबोचने में कामयाबी हासिल की। पुलिस की लगातार पूछताछ के बाद अपराधी ने अपनी संलिप्तता को कबूल कर लिया है। आरोपी मंगल तिवारी 8वीं क्लास तक पढ़ा है और रिक्शा चलाने का काम करता है। वह पहले वीरेंद्र गर्ग के कार्यालय में काम करता था। वीरेंद्र उसे करंसी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए भेजा करता था। बताया जाता है कि चोरी की रकम से उसने घर, गहनों के साथ दूसरा घरेलू सामान खरीद लिया था।

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव हाइब्रिड सुनवाई के लिए 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करें: उच्च न्यायालय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को राष्ट्रीय राजधानी में 691 अधीनस्थ अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई को सुगम बनाने तथा इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने के वास्ते 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करने का निर्देश दिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी.एस अरोड़ा की पीठ ने जिला अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई के लिए जरूरी अवसंरचना से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि सभी 691 अदालतों के वास्ते एक व्यापक निविदा जारी की जाए। हाइब्रिड सुनवाई का तात्पर्य अदालत कक्षों में प्रत्यक्ष रूप से और ऑन लाइन माध्यम से सुनवाई है।

पीठ ने कहा, नतीजतन यह अदालत दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को सभी 691 अदालतों के संबंध में 387.03 करोड़ रुपये की राशि के लिए 19 अप्रैल, 2024 के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार वित्तीय मंजूरी देने के मामले में तेजी से कदम उठाने का निर्देश देती है।यह स्पष्ट किया गया है कि प्रायोगिक अदालतों सहित सभी 691 अदालतों के लिए एक व्यापक निविदा जारी की जाएगी।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को शुरू में प्रति जिले दो प्रायोगिक अदालतों के बजाय प्रति अदालत परिसर में दो प्रायोगिक अदालतें स्थापित करने की अनुमति दी, जिसका निर्णय रजिस्ट्रार जनरल द्वारा किया जाएगा। उच्च न्यायालय में दिल्ली सरकार का पक्ष अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने रखा।

सभी अन्य अदालतों में इस परियोजना को लागू करने से पहले उसके कामकाज का मूल्यांकन करने के लिए ये ह्यप्रायोगिकह्ल अदालत स्थापित की जाएंगी। उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के कानून विभाग की नवीनतम यथास्थिति रिपोर्ट पर गौर किया जिसमें खुलासा किया गया है कि इस मामले में नीतिगत फैसला जुड़ा है और इसपर मंत्रिपरिषद की मंजूरी की जरूरत है।

उच्च न्यायालय ने कहा, चूंकि हाइब्रिड सुनवाई से जुड़ा व्यय 500 करोड़ रुपये से कम है और दिल्ली सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय में हाइब्रिड सुनवाई की नीति पहले ही लागू कर जा चुकी है, ऐसे में इस अदालत का मत है कि यहां (कारोबार विनिमय नियमावली) का उपबंध नौ लागू नहीं होता है और मंत्रिमंडल की अनिवार्य मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, इस मामले में कोई देरी नहीं होनी चाहिए क्योंकि तकनीक बहुत तेजी से अप्रचलित हो जाती है।

उच्च न्यायालय का यह आदेश वकील अनिल कुमार हाजेलय की याचिका पर आया है। याचिकाकर्ता ने 2021 में कोविड महामारी के दौरान याचिका दायर कर जिला अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई समेत कई अनुरोध किये थे। इस मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

संक्षिप्त खबरें

एक महिला को उसके समधी व अन्य ने बेरहमी से कि मारपीट रेफर

जमुई [झाझा] एक महिला के साथ उसके समधी के द्वारा बेरहमी से मारपीट करते हुए घायल कर दिया जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मामला थानाक्षेत्र के नवकाडीह नागी डैम गांव की है। घायल महिला रूका देवी का आनन फानन में उसके पति विनोद कुमार साह द्वारा इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां घायल महिला का इलाज डॉक्टर के द्वारा किया गया लेकिन स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल महिला के पति ने बताया कि विनोद कुमार साह ने बताया कि मेरे बेटे की शादी महेश्वरी गांव के रहने वाले रोहन साव की बेटी के साथ हुआ था। समधी बेटी को ससुराल में बसाने के लिए घर पर आकर विवाद किया जिसको लेकर समधी और उसके घर वालों ने मेरी पत्नी के साथ ईट पत्थर से कई बार प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने बताया कि छह माह पूर्व मेरा बेटा जब ससुराल गया था उसके साथ भी बेरहमी से मारपीट किया था।

मोरम गिराने को लेकर विधवा महिला के साथ कि गई मारपीट

जमुई [झाझा] बखोरीबथान में विद्यालय से साफ- सफाई कर घर लौट रही एक विधवा महिला के साथ गांव के ही कुछ लोगों के द्वारा मारपीट करते हुए घायल कर दिया। घायल महिला की पहचान गुडिया देवी के रूप में हुई है। घायल महिला को परिजनों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा घायल महिला का इलाज किया गया। घायल महिला ने बताया कि जब मै गांव के स्कूल से साफ- सफाई करके घर आ रहा था कि तभी कुलदीप यादव का बेटा मोहन यादव ने रास्ता रोकते हुए घर पर मोरम गिराने के विवाद को लेकर गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध किया तो वे और उसके घर वालों ने लाठी डंडा से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। जब आसपास के लोग जुटने लगे तो वे लोग भाग निकला। वही घायल के पिता टेकन राय ने बताया कि हमलोगों को सूचना मिला तो हमलोग मौके स्थल पर पहुंचकर घायल बेटी को उठाकर अस्पताल लाकर भर्ती करवाया।

बढ़ते अपराध के खिलाफ इंडिया गठबंधन का समाहरणालय के समक्ष प्रतिरोध मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बिहार में बढ़ते अपराध एवं ध्वस्त होती विधि व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन के राज्य व्यापी आह्वान पर राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा माले, कांग्रेस एवं वीआईपी कार्यकताओं ने कलाभवन परिसर से प्रतिरोध मार्च निकालकर समाहरणालय पहुंचा। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि बिहार में इन दिनों जिस तरह से अपराध की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है उसे वर्तमान डबल इंजन की सरकार रोकने में पूरी तरह और असमर्थ साबित हुई है। सत्ता के संरक्षण में अपराध फल फूल रहा है, राज्य में बढ़ रहे अपराधी घटनाओं के कारण आम लोग दहशत में है, अब तो घर के अंदर भी लोग सुरक्षित नहीं हैं, नाबालिक बच्चियों भी घर से निकलने में अपने को भयभीत महसूस करती है, वीआईपी अध्यक्ष मुकेश साहनी के पिता की निर्मम हत्या का प्रसंग हो या अभी बिहटा में एक मोटरसाइकिल चालक द्वारा कार चालक को मामूली गलती के लिए गोलियों से हत्या कर दिए जाने का मामला हो, या मुजफ्फरपुर के डिवीआर कंपनी हुई युवक्तियों के साथ यौन शोषण की घटना हो या मधेपुरा में एक युवक को गला काटकर हत्या कर दिए जाने का घटना हो, संपूर्ण बिहार दिन-ब-दिन इस तरह की घटनाओं से डर के माहौल में जीने को मजबूर है।

बिहार में दिनदहाड़े फिरौती और हत्या की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है, आज यहां की दलित आदिवासी अति पिछड़ा, पिछड़ा और कमजोर वर्ग के लोग के लोग दमन और शोषण के बीच जीने को अभिशप्त है। पूरा शासन प्रशासन ध्वस्त हो चुका है यहां तक की समाज का कोई भी वर्ग इस शासन प्रशासन में सुरक्षित नहीं है। प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल राजद के जिला अध्यक्ष जयकांत यादव, प्रदेश महासचिव बिजेंद्र प्रसाद यादव, सीपीआई के राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रमोद प्रभाकर, जिला मंत्री विद्याधर मुखिया, भाकपा माले के जिला संयोजक रामचंद्र दास, माकपा के जिला मंत्री मनोरंजन सिंह, कांग्रेस नेता शत्रुघन भगत एवं वीआईपी नेता वालेश्वर भगत ने महामहिम राज्यपाल के नाम स्मार -पत्र को मधेपुरा के जिला अधिकारी को सौंपा। इंडिया गठबंधन के प्रतिरोध मार्च में इंडिया गठबंधन के वरीय नेता प्रो. अरविंद कुमार प्रो. तेज नारायण यादव, गोपाल यादव, डॉ रवि शंकर पिंटू, गणेश मानव, शंभू शरण भारतीय, विनीता भारती, अनिता कुमारी, रागिनी कुमारी, मुकुंद प्रसाद यादव, संजय यादव, उत्तम लाल मुखिया, रमेश कुमार शर्मा, देव यादव, वीरेंद्र आजाद, रंजन यादव, गजेंद्र राम, अरुण यादव, सुरेश यादव, योगेंद्र राम, विष्णुदेव यादव, बालेश्वर चौधरी, सूर्य नारायण राम, निशांत यादव, सोनू यादव, वसीउद्दीन उर्फ नन्हें, शुभम स्टारलीन, सुरेंद्र शाह, कृष्णा मुखर्जी, सीता राम रजक आदि बड़ी संख्या में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी।

जमीनी विवाद के निपटारे को ले थाना में लगा जनता दरबार, पूर्व के 1 मामले का हुआ निष्पादन

प्रात : किरण, संवाददाता

गिद्धौर। शनिवार को थाना परिसर में थानाध्यक्ष रीता कुमारी के देखरेख में क्षेत्र में जमीनी विवाद से जुड़े मामले के निष्पादन को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया।

आयोजित दरबार में प्रखंड क्षेत्र के जमीनी विवाद से जुड़े पूर्व के एक मामले का नित्पादन किया गया वहीं नया एक भी मामले नहीं आए वहीं जनता दरबार में मौजूद अंचल अधिकारी आरती भूषण कुमारी ने जानकरी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद से जुड़े मामले के नियंत्रण को ले हर शनिवार को जनता दरबार का आयोजन कर जमीनी विवादों का निबटारा यहां किया जाता है।

क्षेत्र के लोग अपनी समस्या को जनता दरबार में रखें ताकि उनके भूमि विवाद से जुड़े समस्या का निदान किया जा सके। इस मौके पर सीआई सुभाष कुमार कर्मचारी सुमन कुमारी व कई फरियादी मौजूद थे।

कमेटी की बैठक में रूपए के हो रहे हिसाब के दौरान हुई मारपीट, पांच लोग घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के हरना गांव में ग्रामीणों के बीच कमेटी में रूपए के हो रहे हिसाब में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के साथ लाठी डंडा, ईट पत्थर चलाते हुए मारपीट किया जिसमें एक पक्ष से दो महिला सहित कुल पांच लोग घायल हो गया। घायल की पहचान नुरेशा खातुन, मो. मोबीन, मो. मासुम अंसारी, मो. याकूब अंसारी और शमीमा खातुन के रूप में हुई है। सभी घायलों को इलाज के लिए परिजनों की मदद से रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां सभी घायलों का डॉक्टर ने इलाज किया लेकिन नुरेशा खातुन और मो. याकूब अंसारी की स्थिति नाजुक रहने पर डॉक्टर ने दोनो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया। घायल मो. मोबीन ने बताया कि गांव में कमेटी की बैठक हो रही थी जिसमें कई तरह की समाज से जुड़ी बाते हो रही थी साथ ही साथ कमेटी में जु ड़े लोग रूपए जमा करता है ताकि मुसीबत में किसी को उस जमा राशि से मदद कि जा सके। बैठक के दौरान कमेटी में जमा राशि का हिसाब हो रहा था कि तभी फकरूद्धीन, मनोवर, सनोवर सहित लगभग एक दर्जनभर से अधिक लोग बैठक में अचानक विवाद कर दिया और वे लोग मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान उनलोगों ने जमकर पत्थरबाजी करते हुए लाठी डंडा से मारपीट करते हुए हमलोगों को घायल कर दिया।

हार्ड कोर नक्सली संजय सोरेन को एसएसबी ने जंगल से किया गिरफ्तार

● सात सालों से फरार चल रहे थे

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई : जमुई में 7 सालों से सुरक्षा बलों को चकमा देकर फरार चल रहे हार्ड कोर नक्सली कमांडर संजय सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरक्षा बलों ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाते हुए महेंग्रो जंगल से इसे गिरफ्तार किया है।इसे कड़ी सुरक्षा के बीच एसएसबी कैंप लाकर पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि एसएसबी 16वीं वाहिनी के कमांडेंट मनीष कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि 7 सालों से फरार चल रहे पूर्वी बिहार पूर्वोत्तर झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी भाकपा माओवादी संगठन के हार्ड कोर नक्सली कमांडर संजय सोरेन महेंग्रो गांव आया हुआ है।घेराबंदी करते हुए पुलिस ने किया गिरफ्तार : सूचना के बाद एसएसबी जन्मस्थान और खैरा थाने की पुलिस ने संयुक्त रूप से हड़खार पंचायत के महेंग्रो गांव में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान 7 सालों से फरार चल रहे नक्सली संजय सोरेन सुरक्षा बलों को देखते ही जंगल की ओर भागने लगा। इसे सुरक्षा बलों ने घेराबंदी करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही गिरफ्तार नक्सली संजय सोरेन को खैरा पुलिस के हवाले कर दिया। पूरे मामले को लेकर प्रशिक्षु डीएसपी सह - खैरा थानाध्यक्ष दुर्गेश दीपक ने बताया कि नक्सली के महेंग्रो जंगल आने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद एसएसबी जवानों ने संयुक्त रूप से इलाके में छापेमारी अभियान चलाया।इस दौरान वर्षो से फरार चल रहे नक्सली कमांडर संजय सोरेन को गिरफ्तार किया गया है। जिसे थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि गिरफ्तार नक्सली शीर्ष नक्सली प्रवेश, चिराग, सिद्धू कोड़ा, अरबिंद यादव के साथ मिलकर कई नक्सली कांडों को अंजाम दे चुका है, जिसकी जांच की जा रही है।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने यक्षराज स्थान समीप वनक्षेत्र को विकसित करने का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रकृति की गोद में अपनी खुबसूरती चारो तरफ फैलाने वाली यक्षराज स्थान समीप वनक्षेत्र को भी एक सुंदर रूप देने को लेकर बिहार सरकार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने अपने विचारों को रखा। पत्रकारों से क्षेत्र में प्रकृति के प्रति रूचि रखते हुए मंत्री से यक्षराज स्थान समीप वनक्षेत्र के बारे में जानकारी मिलने पर मंत्री ने कहा कि यक्षराज स्थान समीप वनक्षेत्र को भी विकसित किया जाएगा ताकि इस क्षेत्र में अधिक से अधिक पर्यटक आ सके। पर्यटन के क्षेत्र में विकास करना हमारी प्राथमिकता है। यक्षराज स्थान समीप जंगल में मंदिर की खूबसूरती की बातों को रखते हुए उस क्षेत्र में पार्क बनाने की बात पर मंत्री ने कहा कि वनक्षेत्र का भ्रमण आने वाले समय में किया जाएगा उससे पहले उस क्षेत्र की वनक्षेत्र का पूरा विवरण भी लिया जाएगा साथ ही सुगम मार्ग आदि की जानकारी लेने पर एक प्रपोजल उसपर बनाने का पूरा प्रयास रहेगा ताकि वनक्षेत्र को और विकसित किया जा सके।

नौवीं व दसवीं के विधार्थियों की 22 से मासिक परीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सरकारी विद्यालयों में नामांकित छात्र- छात्राओं के बीच पढ़ाई के सही आकलन को लेकर हर महीने मासिक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। बीएसईबी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कक्षा नौवीं एवं दसवीं में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए जुलाई महीने की मासिक मूल्यांकन सह जांच परीक्षा जिले के सभी उच्च माध्यमिक विद्यालय में 22 जुलाई से 24 जुलाई तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। मासिक परीक्षा के आयोजन को लेकर समिति के परीक्षा नियंत्रक द्वारा आधिकारिक तौर पर परीक्षा से संबंधित कार्यक्रम सभी विद्यालयों को उपलब्ध करा दिया गया है। समिति द्वारा मासिक परीक्षा को लेकर जारी कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा के पहले दिन यानी 22 जुलाई को प्रथम पाली में मातृभाषा के तहत हिंदी, बांग्ला, उर्दू ,एवं मैथिली भाषा की परीक्षा ली जाएगी। जबकि द्वितीय पाली में द्वितीय भारतीय भाषा के तहत संस्कृति, हिंदी ,अरबी, फारसी, एवं भोजपुरी विषय की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा के दूसरे दिन 23 जुलाई को प्रथम पाली में विज्ञान एवं दृष्टबाधित छात्र-छात्राओं के लिए संगीत की परीक्षा ली जाएगी। जबकि द्वितीय पाली में सामाजिक विज्ञान की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा के अंतिम दिन यानी 24 जुलाई को प्रथम पाली में गणित एवं दृष्टि बाधित छात्र- छात्राओं के लिए गृह विज्ञान एवं द्वितीय पाली में समान अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित होगी। मासिक परीक्षा को लेकर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सभी विद्यालय को उत्तर पुस्तिका सहित अन्य सामग्री जिला शिक्षा कार्यालय को उपलब्ध कराई गई है।

भलुआ में प्रारंभ हुए एक दिवसीय अष्टयाम निकाली गई कलश शोभायात्रा

जमुई [झाझा] नगर क्षेत्र के भलुआ मुहल्ले के वार्ड संख्या 12 में शनिवार से श्री श्री 108 अखंड सह हरिकीर्तन एक दिवसीय अष्टयाम सुभाष नवयुवक संघ की ओर से प्रारंभ करवाया गया। एक दिवसीय अष्टरूम को लेकर भलुआ की ओर से कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें कुल 501 सुहागिन महिला, युवती, कुंवारी कन्याओं ने मिलकर कलश यात्रा निकाली। गाजे बाजे ढोल नगाड़ों के साथ निकली कलश शोभायात्रा में शामिल अन्य श्रद्धालु हाथों मे ध्वज लिए जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए चरघरा स्थित उलायनदी पहुंचा जहां कलश में जल भरा गया। जल भरने के बाद कलश शोभायात्रा पूजन स्थल के आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए पुनः पूजन स्थल पहुंचा जहां पंडितों के द्वारा अष्टयाम का शुभारंभ मंत्रोच्चारण के साथ प्रारंभ किया गया। स्थानीय सुबोध कुमार, मिथुन साव, अशोक साव, कृष्णा साव, गुडडु साव, मनोहर साव, रामदेव साव आदि ने बताया कि गांव में सुख समृद्धि और लोगों मे धर्म के प्रति सजगता लाने को लेकर अखंड सह हरिकीर्तन एक दिवसीय अष्टयाम प्रारंभ किया। अष्टयाम और अ खंड सह हरिकीर्तन प्रारंभ होने से क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है।

अर्जून मंडल सहित अन्य लोगों को मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जमुई जिला मे पर्यावरण के प्रति अपनी सेवा देने वाले लोगों को शनिवार को नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पर वन महोत्सव के मौके पर बिहार सरकार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार के द्वारा अंगवस्त्र, एक पौधा और अन्य उपहार देकर सम्मानित किया। लक्ष्मीपुर प्रखंड के चिन्चेरिया क्षेत्र के रहने वाले अर्जून मंडल को औषधीय पौधा के साथ अन्य कई तरह के पौधारोपण कर क्षेत्र को एक अलग पहचान स्थापित करने के लिए सम्मानित किया था बताते चले कि इससे पूर्व राष्ट्रपति ने सम्मानित किया था। वही चार हजार से भी जिले के अलग अलग क्षेत्रों में पौधारोपण करने वाले साईकिल यात्रा एक विचार मंच के सदस्य हरेराम,डुगडुग को भी सम्मानित किया गया। इसके अलावे आर्यण सिंह, निर्भय, संतोष, धीरज को भी मंत्री के द्वारा सम्मानित किया। पर्यावरण के प्रति सम्मानित लोगों का प्यार एवं स्नेह देखकर उन्होनें कहा कि यह बड़े ही गौरव की बात है कि इनलोगों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जो सराहनीय कदम उठाते हुए कार्य कर रहे है इससे अन्य लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। इसी तरह हर लोग पौधारोपण करे तो आने वाले समय में पूरी धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेगी और चारो तरफ हरे पेड़ पौधा से शुद्ध वातावरण और शुद्ध वायुमंडल बन जाएगा।

बिहार के हर बुजुर्ग को दिए जाएंगे 2 हजार, पदयात्रा कर रहे पीके का बड़ा ऐलान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिले के गम्हरिया प्रखंड में पदयात्रा कर रहे जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर दिन भर की पदयात्रा पूरा कर रात्रि विश्राम के लिए कौड़िहार विधालय तरावे पहुंचे। जहां उन्होंने आम सभा को संबोधित करते हुए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि घर-द्वार छोड़कर मैं पिछले 18 महीने से पदयात्रा कर रहा हूं। बिहार की जनता को समझा रहा हूं कि जब अगले साल जनता का राज बनेगा, तब नाली-गली बने चाहे न बने, साल भर के अंदर जितने आपके घर के लोग रोजी-रोजगार के लिए बाहर गए हैं, उन्हें वापस बुलाकर बिहार में ही रोजगार मुहैया कराया जाएगा। इसके आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का दूसरा संकल्प है, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था करेंगे ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। नीतीश कुमार जो आपको 400 रुपये भीख की तरह दे रहे हैं, उसे बदल दिया जाएगा।

स्कूलों के पास मंडराते मनचलों पर पुलिस ने कि कार्रवाई, मनचलों में दिखा पुलिस का भय

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शहर में कई सरकारी गैर सरकारी स्कूलों में मनचलों के द्वारा कि जा रही शरारती हरकतों की शिकायत थाना को प्राप्त होने के बाद शनिवार को थानाध्यक्ष संजय सिंह के दिशा निर्देश पर कार्रवाई कि गई। दरअसल मनचलों के द्वारा यक्षराज स्थान समीप संत जोसेफ स्कूल, बालिका उच्च विद्यालय सहित अन्य कई स्कूलों के पास स्कूली छात्रों के साथ मनचलों के द्वारा बदमाशी करते हुए हूटिंग करते और स्कूली छात्राओं को परेशान करने की शिकायत थानाध्यक्ष को मिला था जिसके बाद थानाध्यक्ष के दिशानिर्देश पर एसआई कुंज बिहारी , एसआई नंदन कुमार दलबल के साथ अलग अलग जगहों पर पहुंचकर मनचलों के खिलाफ कार्रवाई किया। स्कूल के पास पहुंचकर मनचलों को खदेड़कर पकड़ा और पकड़ने के बाद उसपर आगे की कार्रवाई करने के लिए थाना लेकर आया। दोनो एसआई ने बताया कि अगर प्रखंड क्षेत्र में इस तरह की कोई कृत्य करते पकड़ा जाता है तो उनलोगों पर कार्रवाई कि जाएगी। वही नगर क्षेत्र में पुलिस के द्वारा मनचलों पर कि गई कार्रवाई से अभिभावकों, बुद्धिजीवियों ने पुलिस के सराहनीय कार्य की खूब प्रशंसा किया तो वही पुलिस के द्वारा मनचलों पर कि गई कार्रवाई से मनचलों के बीच हड़कंप भी मच गया।

मधेपुरा नगर परिषद की वार्षिक बजट पर लगा ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा नगर परिषद की वार्षिक बजट पर ग्रहण लग गया। सामान्य बोर्ड की बैठक बीच में हीं स्थगित हो गई।सदन से बाहर निकली मुख्य पार्षद गुस्से में आगबबूला हुई। वहीं मुख्य पार्षद को अपनी जान की खतरा सता रही है। मुख्य पार्षद ने कहा सदन में मुझे वार्ड पार्षद प्रतिनिधि आंख निकालने की धमकी दे रहे थे। बिना प्रशासन के बैठक करना संभव नहीं है। दरअसल मधेपुरा नगर परिषद की वार्षिक बजट (2024-25) पर एक बार फिर ग्रहण लग गया है। बता दें कि मधेपुरा नगर परिषद में आयोजित सामान्य बोर्ड की बैठक के बीच में हीं शहर की विकास को लेकर हंगामा शुरू हो गया, जहां बात इतनी आगे बढ़ की की एक वार्ड पार्षद के देवर ने सदन में घुसकर मुख्य पार्षद की आंख तक निकाल लेने की धमकी दे डाली। हालांकि सामान्य बोर्ड की बैठक बीच में हीं स्थगित कर मुख्य पार्षद कविता कुमारी साहा, बैठक से बाहर निकल गयी। साथ हीं गुस्से से आग बबूला हुई मुख्य पार्षद ने कहा हमको है अपनी जान की खतरा, सदन में आंख निकालने की भी हमे दी जा रही है धमकी। जिस कारण बैठक बिना प्रशासन के संभव नहीं है। बताया गया कि सामान्य बोर्ड की बैठक मुख्य पार्षद की अध्यक्षता में चल रही थी। बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों में जलजमाव की समस्याओं से निजात दिलाने, तथा आवास योजना सहित अन्य मामलों पर चर्चा भी हो रही थी। चर्चा के दौरान पिछली बैठक की संपूष्टि करने का मामला सामने आया। वहीं मुख्य पार्षद ने कहा कि वे बिना जाँच के पिछली बैठक की कार्यवाही पंजी पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे और ना हीं संपूष्टि करेंगे। इसी बात को लेकर हंगामा सुरू हो गया, हंगामे के बीच एक वार्ड पार्षद के देवर सदन में घुसकर मुख्य पार्षद को आंख निकाल लेने की धामी दे डाले, जिसके बाद मुख्य पार्षद गुस्से में आगबबूला हुई और आक्रोशित होकर अचानक बैठक से बाहर निकल गयी। मुख्य पार्षद ने आरोप लगाया है कि एक पार्षद प्रतिनिधि द्वारा बैठक के दौरान उनके साथ अशोभनीय शब्द का इस्तेमाल किया और आंख निकालने की धमकी भी दी, उन्होंने कहा कि प्रशासन के उपस्थिति में हीं अब सामन्य बोर्ड की बैठक रखी जायेगी। वहीं इस मामले को लेकर विभिन्न वार्ड पार्षदों ने मुख्य पार्षद के अचानक सदन से बाहर निकल जाने पर इस मामले को दुर्भाग्यपुर्ण बताया साथ हीं शहर विकास विरोधी भी करार दिया। उन्होंने मुख्य पार्षद पर विकास विरोधी होने का आरोप भी लगाया है। हालांकि मधेपुरा नगर परिषद में चल रहे इस आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में नगर के विकास की गती जरूर थम गई है। शहर के कई वार्डों में जलमाव और गंदी शहर की अभिशाप बन गई है।

नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पर वन महोत्सव पर मंत्री प्रेम कुमार ने किया पौधारोपण, नौका विहार का लिया आनंद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी प्रखंड क्षेत्र स्थित नागी नकटी पक्षी आश्रयणी केंद्र पर शनिवार को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग जमुई वन प्रमंडल के द्वारा मनाए गए 75 वां वन महोत्सव में सहकारिता सह पर्याव्रण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग बिहार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार आश्रयणी केंद्र पहुंचे। इस दौरान उन्होनें क्षेत्रीय विधायक दामोदर रावत एक पेड़ मां के नाम से आश्रयणी केंद्र पर पौधारोपण किया गया। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र का चारो तरफ निरीक्षण करने के बाद नौका विहार का आनंद उठाते हुए वर्तमान में मौजूद अलग अलग कई प्रजातियों के पक्षियों को देखने और प्रकृति की गोद में बसा नागी डैम का लुत्फ उठाया। मंत्री ने बताया कि नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र बिहार के जमुई जिले में अवस्थित है तथा मूल रूप से एक जलाशय है जिसे बरसात के मौसम में जल भंडारण और सिंचाई के लिए शुष्क मौसम के दौरान पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए नागी नदी पर बनाया गया था। नागी बांध को वर्ष 1984 में पक्षी आश्रयणी घोषित किया गयाा जिसका क्षेत्रफल 191.51 हेक्टर है। जमुई एवं झाझा रेलवे स्टेशन से यह क्रमशः 31, 12 किलोमीटर की दूरी पर है। उन्होनें आगे बताया नागी पक्षी आश्रयणी को भारत के 81 वीं रामसर स्थल के रूप में घोषित किया गया है साथ ही ये महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र की सूची में स्थान रखते है। क्योकि यहां पर कई तरह की साइबेरियन पक्षी और जलीय पक्षी अपना स्थल बनाते है। इस स्थल को और विकसित करने का भरपूर प्रयास किया जा रहा है ताकि यहां पर आने वाले सैलानियों को प्रकृति की गोद में बसा यह स्थल आकर्षित कर सके। वही आश्रयणी केंद्र पर पेयजल, ठहराव स्थल सहित बैट्री चालित नौका, दिव्यांग के लिए सुविधा जैसे पूछे गए सवालों पर उन्होनें कहा कि इस आश्रयणी केंद्र पर क्या क्या सुविधा पर्यटकों को होनी चाहिए इसका भी लिस्ट बनाया जा रहा है ताकि पर्यटकों को सुविधा दी जा सके। वही नागी पक्षी आश्रयणी केद्र से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित नकटी डैम का भी निरीक्षण किया और बताया कि नकटी डैम की खूबसूरती भी धीरे धीरे चचाओं में आ रही है इसलिए वहां पर विकास का कार्य किया जाएगा। नकटी डैम पर जाने वाली जर्जर सड़क का भी निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावे दोनो नागी और नकटी स्थल पर पक्षियों के लिए भी कई तरह की सुविधा देने की बात उन्होनें कहा।

बिहार को विशेष राज्य और कोसी-सीमांचल को विशेष पैकेज मिले : पप्पू यादव

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएन मंडल विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सांसद बनने के बाद पहली बार मधेपुरा पहुंचे पप्पू यादव का लोगों को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। पूरे शहर का भ्रमण के बाद शाम लगभग चार बजे वे बीएनएमयू के ऑडिटोरियम पहुंचे। जहां मौजूद लोगों ने उनपर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में पप्पू यादव ने कहा कि हमेशा बिहार की जनता राजनीति का शिकार रही है। राजनीतिक दुकान चलाने के लिए लोग विशेष राज्य और विशेष पैकेज की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य और कोसी-सीमांचल को विशेष पैकेज मिले यह उनकी पहली प्राथमिकता है। कोसी-सीमांचल में दो दर्जन से अधिक फैक्ट्री मक्का, मखान और फूड प्रोसेसिंग की आवश्यकता है। कोसी-सीमांचल से बाढ़ की मुक्ति और हाईडैम का निर्माण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। इस इलाके से डेढ़ करोड़ लोगों का पलायन रोकना होगा। इसके लिए इसी क्षेत्र में लोगों को रोजगार का अवसर उपलब्ध करवाना होगा। पप्पू यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्ति के लिए अभियान चलाया जाएगा। आमजनों के लिए निःशुल्क रामजानकी अस्पताल की शुरूआत करने जा रहे हैं। सभी जिला मुख्यालय में एक-एक अस्पताल का निर्माण करवाया जाएगा।

सम्पादकीय

निशाने पर प्रधानमंत्री

संदर्भ मई, 2014 का है। लोकसभा चुनाव के प्रचार में 10-12 दिन शेष थे। जाहिर है कि न तो जनादेश सार्वजनिक हुआ था और न ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। अलबत्ता मीडिया से संवाद और साक्षात्कार के दौरान उन्होंने यह जरूर कहा था कि यदि हमारी सरकार बनी, तो 1993 के मुंबई सांप्रदायिक दंगों के आरोपियों को भारत लाएंगे। भाजपा के तत्कालीन प्रधानमंत्री उम्मीदवार मोदी ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम का भी जिक्र किया था कि उसे भी भारत लाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे। ऐसे बयान सुनकर एक अन्य डॉन ने मीडिया के जरिए मोदी को मारने की धमकी दी थी। यह भी कहा था कि दाऊद को तब भारत ला पाएंगे, जब जिंदा बचेंगे। मीडिया के जिन चेहरों के जरिए वह धमकी दी गई थी, उन्होंने भारत सरकार में संबद्ध अधिकारियों को खुलासा कर दिया था। उसके बाद मोदी बीते 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और दाऊद को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है। हमारा विश्लेषण अंडरवर्ल्ड डॉन को लेकर नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा हमारा चिंतित सरोकार है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा का मुद्दा तो सार्वकालिक है, लेकिन अब यह अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए हमले के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक है। उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा पर चिंता जताई है। उसके लिए मौजूदा नफरती राजनीति को ही बुनियादी कारण माना है कि प्रधानमंत्री लगातार निशाने पर रहते हैं। वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी की सलाह है कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर हिंसा, हत्या, मौत सरीखे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि ये किसी भी नागरिक को उकसा, भड़का सकते हैं। राजनीति में यह हिंसक प्रवृत्ति बीते एक दशक के दौरान ज्यादा बढ़ी है।

सहिष्णुता और सद्भाव नगण्य-से होते जा रहे हैं। विपक्ष भाजपा-एनडीए की नीतियों का विरोध करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी को निजी तौर पर निशाना बना रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम चुनाव के दौरान जून में, वाराणसी में, प्रधानमंत्री के काफिले पर किसी ने चप्पल फेंकने का दुस्साहस किया। वह बम या ग्रेनेड भी हो सकता था। इस संदर्भ में राहुल गांधी की टिप्पणी थी कि अब लोग मोदी से डरते नहीं हैं। जब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गए, तो उन्होंने अपने पहले भाषण में ही हिंसा और हत्या सरीखे शब्दों का कई बार इस्तेमाल किया। चप्पल फेंकना भी प्रधानमंत्री की चाक-चौबंद और अति प्रशिक्षित सुरक्षा-व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। पंजाब के फिरोजपुर इलाके में प्रधानमंत्री के काफिले को एक हाईवे पर अटक जाना पड़ा, तो उस स्थान पर पाकिस्तान की तरफ से हमला किया जा सकता था! इन कथनों और घटनाओं के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने बयान दिया था कि मोदी हिटलर की मौत मरेगा। मोदी की बोटी-बोटी करने का बयान देने वाला शख्स आज लोकसभा में कांग्रेस सांसद है। किसी ने यहां तक बयान दिया कि मोदी के सिर पर डंडे मारने चाहिए। प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है, उसकी एक लंबी सूची है। राजनीति में आजकल निजी प्रहार खूब किए जाते हैं। नरेंद्र मोदी ने भी राजनेता की हैसियत से कुछ आपत्तिजनक शब्द कहे थे, लेकिन उनके भाव मारने-काटने, हत्या कर देने या बेरोजगार युवा डंडे से पीटेंगे आदि नहीं थे। गौरतलब है कि मोदी देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। देश पहले भी दो प्रधानमंत्रियों की हत्या देख और झेल चुका है। दरअसल ये शब्द किसी को भी भड़का और उत्तेजित कर सकते हैं। उस मनोस्थिति में वह प्रधानमंत्री पर हमला कर सकता है। कई धमकीपूर्ण बयान किसान आंदोलन के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के लिए कहे गए। कई राजनीतिक दल उन धमकीवालों के साथ खड़े रहे। 26 जनवरी, 2021 को तो दिल्ली में ऐसा उपद्रव मचाया गया, माना दिल्ली पर ही किसी बाहरी शक्ति ने आक्रमण किया हो! प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो चिंतित सरोकार है, लेकिन हमारी राजनीति की गरिमा, सभ्यता और शालीन व्यवहार भी दांव पर हैं कि हमारी राजनीति कितना नीचे तक गिर सकती है। इसे रोका जाना चाहिए और राजनीति मुद्दों, तथ्यों के आधार पर की जानी चाहिए। वही लोकतंत्र का सौंदर्य है।

व्यंग्य : भांति-भांति के बाबा जी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बचपन में हम भी बाबा हुआ करते थे! हर वह शख्स जो हमारा नाम नहीं जानता था, हमें प्यार से बाबा कह कर पुकारता था। इस बाबा गिरी में हमें लाड़, प्यार और कभी जभी चाकलेट वगैरह मिल जाया करती थी। बाबा शब्द से यह हमारा पहला परिचय था। अपनी इसी उमर में हमने बा बा ब्लैक शीप वाली राइम भी सीखी थी। जब कुछ बड़े हुये तो बालभारती में सुदर्शन की कहानी हार की जीत पड़ी। बाबा भारती और डाकू खडगसिंग के बीच हुये संवाद मन में घर कर गये। बाबा का यह परिचय संवेदनशील था। कुछ और बड़े हुये तो लोगों को राह चलते अपरिचित बुजुर्ग को भी बाबा का सम्बोधन करते सुना। इस वाले बाबा में किंचित असहाय होने और उनके प्रति दया वाला भाव दिखा। कुछ दूसरे तरह के बाबाओ में कोई हरे कपड़ों में मयूर पंखो से लोभान के धुंयें में भूत, प्रेत, साये भगाता मिला तो कोई काले कपड़ों में शनिवार को तेल और काले तिल का दान मांगते मिला। कुछ वास्तविक बाबा आत्म उन्नति के लिये खुद को तपाते हुये भी मिले। कुछ तंत्र मंत्र के ज्ञानी निरभिमानी थे तो कुछ वेश भूषा आचार व्यवहार की मनमानी करते मिले। कुछ के पीछे दुनियां दीवानी मिली तो कुछ दोहरे चरित्र से माया के दीवाने बाबा भी मिले। कष्टों दुखों से घिरे दुनिया वालो को बाबाओं की बड़ी जरूरत है। किसी की संतान नहीं है, किसी की संतान निकम्मी है, किसी को रोजगार की तलाश है, किसी को पत्नी या प्रेमिका पर भरोसा नहीं है, किसी को लगता है कि उसे वह सब नहीं मिलता जिसके लायक वह है, कोई असाध्य रोग से पीड़ित है तो किसी की असाधारण महत्वाकांक्षा वह साधारण तरीकों से पूरी कर लेना चाहता है, वगैरह वगैरह। हर तरह की समस्याओं का एक ही शार्ट कट निदान होता है बाबा। बाबा भस्म, पानी, भभूत, फूल, धुएं, प्रसाद से कठिनाई का हल ढूंढने का मनोविज्ञान जानते हैं, इसलिये प्रायः लोगों को एक बाबा की तलाश होती है, जो उन्हें विभ्रम की स्तिथि में राह बता सके, थोड़ा ढाढ़स बंधा सके। एक अच्छे बाबा को किंचित कालिदास की तरह का गुणवान होना चाहिए, अच्छा हो कि वह कुछ वाचाल हो, दुनियादारी से थोड़ा बहुत वाकिफ हो, कुछ जुमले कहावतें उसे कंठस्थ हों, टेक्टफुल हो, थोड़ा बहुत आयुर्वेद और ज्योतिष जानता हो तो बेहतर, चाल चरित्र में ठीक ठाक हो तो बात ही क्या। ऐसा बंदा सरलता से बाबा के रूप में महिमा मण्डित हो सकता है। बाबा बाजी वाले बाबाओं के रूप में चकाचौंध होती है। बड़े-बड़े आश्रम, लकदक गाडिों का काफिला भगवा वस्त्रों में चेले चेलियों की शिष्य मंडली बन ही जाती है। ऐसे बाबाओं के प्रवचन के पंडाल होते हैं, पंडालो के बाहर बाबा जी के प्रवचनों की डी वी डी, किताबें, देसी दवाईयां विक्रय करने के स्टाल लगाते हैं। टी वी चैनलो पर इन बाबाओं के टाईम स्लाट होते हैं। इन बाबाओं को दान देने के लिये बैंको के एकाउंट नम्बर होते हैं। कोई बाबा हवा से सोने की चेन और घड़ी निकाल कर भक्तों में बांटने के कारण चर्चित रहे तो कोई जमीन में हफ्ते दो हफ्ते की समाधि लेने के कारण, कोई योग गुरु होने के कारण तो कोई आयुवेर्दाचार्य होने के कारण सुर्खियों में रहते हैं। बडे बड़े मंत्री संत्री, अधिकारी, व्यापारी इन बाबाओं के चक्कर लगाते हैं। ही बाबा और शी बाबा के अपने अपने छोटे बड़े ग्रुप सुर्खियों में रहे हैं। बाबाओं के रहन सहन आचार विचार के गहन अध्ययन के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि किसी को बाबा बनाने के लिये प्रारंभिक रूप से कुछ सकारात्मक अफवाह फैलानी होती है। आम आदमी की भीड़ चमत्कार को नमस्कार करते आई है। कुछ महिमा मण्डन, झूठा सच्चा गुणगान करके दो चार विदेशी भक्त या समाज के प्रभावशाली वर्ग से कुछ भक्त जुटाने पड़ते हैं। एक बार भक्त मण्डली जुटनी शुरू हुई तो फिर क्या है, कुछ के काम तो गुरु भाई होने के कारण ही आपस में निपट जायेंगे, जिनके काम न हो पा रहे होंगे बाबा जी के रिफरेंस से मोबाईल करके निपटवा देंगे। हमारे द्वारा दीक्षित बाबा जी को हम स्पष्ट रूप से समझा देंगे कि उन्हें सदैव शाश्वत सत्य ही बोलना है, कम से कम बोलना है। गीता के कुछ श्लोक, और रामचरित मानस की कुछ चौपाईयां परिस्थिति के अनुरूप बोलनी है। जब संकट का समय निकल जायेगा और व्यक्ति की समस्या का अच्छा या बुरा समाधान हो जावेगा तो बोले गये वाक्यों के गूढ़ अर्थ लोग अपने आप निकाल लेंगे। बाबाओं के पास लोग इसीलिये जाते हैं क्योंकि वे दोराहे पर खड़े होते हैं और स्वयं समझ नहीं पाते कि कहां जायें, वे नहीं जानते कि उनका ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो कोई बाबा जी भी नहीं जानते कि कौन सा ऊंट किस करवट बैठेगा, पर बाबा जी, ऊंट के बैठते तक भक्त को दिलासा और ढाढ़स बंधाने के काम आते हैं। यदि ऊंट मन माफिक बैठ गया तो बाबा जी की जय जय होती है, और यदि विपरीत दिशा में बैठ गया तो पूर्वजन्मों के कर्मो का परिणाम माना जाता है।

कारगिल विजय दिवसः याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापिस जाने को मजबूर किया। कारगिल युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता हैं। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे।

आर.के. सिन्हा
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

अब कुछ दिनों के बाद ही 26 जुलाई को सारा देश कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाएगा। उस युद्ध में भारतीय सेना ने सभी बाधाओं को पार करते हुए भारी बलिदान देते हुये भी कारगिल क्षेत्र के बफीर्ले पहाड़ों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया था। यह भारत का पहला टेलीविजन युद्ध भी था जिसके दौरान टोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अज्ञात निर्जन शिखर सारे देश की जुबान पर आ गए थे।

कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापिस जाने को मजबूर किया। कारगिल युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता हैं। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे। कैप्टन अनुज नायर ने कारगिल जंग में टाइगर हिल्स सेक्टर में अपने साथियों के घायल होने के बाद भी मोर्चा सम्भाले रखा था। उन्होंने दुश्मनों को धूल में मिलाकर इस सामरिक चोटी टाइगर हिल्स को शत्रु के कब्जे से मुक्त करवाया था। अब बात करें कैप्टन हनीफुद्दीन की। कैप्टन हनीफुद्दीन राजपूताना राइफल्स के अफसर थे। कैप्टन हनीफुद्दीन ने कारगिल की जंग के समय तुरतुक में शहादत हासिल की थी। कारगिल के तुरतुक की ऊंची बर्फ से ढंकी पहाड़यों पर बैठे दुश्मन को मार गिराने के लिए हनीफुद्दीन ऊपर से हो रहे गोलाबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे थे।

उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 18 में कैप्टन विजयंत थापर मार्ग है। कैप्टन थापर कारगिल युद्ध में देश के लिए कुबार्नी देने वाले सबसे कम उम्र के जांबाज थे। जून 1999 में कैप्टन विजयंत थापर ने तोलोनिंग पहाड़ी पर विजय हासिल की और भारत का तिरंगा लहराया। ये तो छोटी सी शौर्य गाथाएं हैं हमारे कुछ वीरों की। ये और बाकी तमाम वीरों को इसलिए रणभूमि में अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा, क्योंकि परवेज मुशर्रफ पर एक तरह से पागलपन सवार था। अंततः उसका उसे नुकसान ही हुआ। आजादी के बाद देश की सेनाओं ने चीन के खिलाफ 1962 में और पाकिस्तान के खिलाफ 1948, 1965, 1975 और 1999 में जंग लड़ी। ये सारी लड़ाईयां हम पर थोपी गईं। हमने तो कभी आक्रमण किया ही नहीं। 1987 से 19990 तक श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान भारतीय शांति सेना के शौर्य को भी नहीं भुलाया जा सकता है। 1948 में 1, 110 जवान, 1962 में सबसे ज्यादा 3, 250 जवान, 1995 में 3, 64 जवान, श्रीलंका में 1, 157 जवान और 1999 में 522 जवान शहीद हुए। हमारी सेना में ऐसे जवानों की भी कमी नहीं है जो अलगाववादियों को पस्त करते हुए शहीद हुए।

इस बीच, पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद पांचों जवानों के शव विगत मंगलवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए गए। उत्तराखण्ड की समृद्ध सैन्य परंपरा को अपने अदम्य साहस और पराक्रम से गौरवान्वित करने वाले अमर शहीदों की शहादत को कोटिशः नमन और अश्रुपूरित श्रद्धांजलि। इन शहीदों में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद और पांच अन्य घायल हो गए थे। शहीद होने वाले जवानों में सूबेदार आनंद सिंह, हवलदार कमल सिंह, राइफलमैन अनुज नेगी, राइफलमैन आदर्श नेगी, नायक विनोद सिंह शामिल हैं।

गुस्ताखी माफ, कभी-कभी तो लगता है कि रणबांकुरों को लेकर समूचे भारतीय समाज का रुख ठंडा ही रहा है। इससे अधिक निराशाजनक बात क्या हो सकती है कि पाठ्यपुस्तकों में उन युद्धों पर अलग से अध्याय तक नहीं हैं, जिनमें हमारे जवानों ने जान की बाजी लगा दी। हमारे बच्चे आज भी मुगलों और अंग्रेजों के इतिहास ही पढ़ रहे हैं। हां, हम गणतंत्र दिवस और स्वाधीनता दिवस के मौके पर जवानों को याद करने की रस्म अदायगी जरूर कर लेते हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि पंजाब के लुधियाना शहर के मुख्य चौराहे पर 1971 की जंग के नायक शहीद फलाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेंखो की आदमकद मूर्ति के नीचे लगी पट्टिका को ही उखाड़ दिया गया। लुधियाना सेखों का गृहनगर था। उन्हें अदम्य साहस और शौर्य के लिए मरणोप्रांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सिलसिला यहीं नहीं थम जाता। मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में 1965 युद्ध के नायक शहीद मेजर आशा राम त्यागी की मूर्ति देखकर तो किसी भी सच्चे भारतीय का कलेजा फटने लगेगा। इस तरह से दिल्ली सरकार ने भी शायद ही कभी कोशिश की हो कि 1971 की जंग के नायक अरुण खेत्रपाल के नाम पर किसी सडक या अन्य स्थान का नामकरण किया जाए। मुगल और अंग्रेज शासकों के नाम पर सड़कों की भरमार है। कौन कहता है कि दिल्ली बेदिल है। ये अपने शूरवीरों को याद रखती है। अब बातें-याद करें मेजर (डॉ.) अश्वनी कान्वा की। वे भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के साथ 1987 में जाफना, श्रीलंका गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्टुडेंट रहे थे मेजर अश्वनी कान्वा। हमेशा टॉपर रहे। मेजर कान्वा 3 नवंबर, 1987 को अपने कैंप में घायल भारतीय सैनिकों के इलाज में जुटे हुए थे। उस मनहूस दिन शाम के वक्त उन्हें पता चला कि हमारे कुछ जवानों पर कैंप के बाहर ही हमला हो गया है। वे फौरन वहां पहुंचे। वे जब उन्हें फर्स्ट एड दे रहे थे तब छिपकर बैठे लिट्टे के आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। अफसोस कि दूसरों का इलाज करने वाले डॉ. मेजर कान्वा को फर्स्ट एड देना वाला कोई नहीं था। बेहद हैंडसम मेजर अश्वनी की शादी के लिए लड़की ढूंढी जा रही थी जब वे शहीद हुए। वे तब 28 साल के थे। आपको इस तरह के न जाने कितने ही उदाहरण मिल जाएँगे। जरूरत है कि वतन के लिए अपनी जान का नजराना देने वालों को सदा याद रखे भात।

मिट्टी में मिलते जा रहे, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों के अरमान

हमारे पूर्वज अपने समय में मिट्टी, लोहे व काँसे के बने बर्तनों का उपयोग करते थे। इसलिए उन्हें मौजूदा दौर की बीमारियाँ नहीं हुई। यदि आप भी, अपने पूर्वजों की भाँति स्वस्थ्य जीवन-यापन करना चाहते हैं तो, मिट्टी के बने बर्तनों का उपयोग भोजन बनाने के लिए करें, ताकि आपके स्वस्थ्य के साथ ही इन कुम्हारों की माली हालत में सुधार हो सके....आधुनिक फ्रिज और एसी ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया है। ये मिट्टी के बर्तन बनाकर रखतें हैं लेकिन बिक्री न होने की वजह से खाने के भी लाले पड़ जाते हैं। परिवार कैसे चलेगा। कोई भी मटके खरीदने नहीं आ रहा है। धंधे से जुड़े लोगों ने ठेले पर रखकर मटके बेचने भी बंद कर दिए हैं। देश भर में प्रजापति समाज के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं। कुम्हार अपना पुश्तैनी काम छोड़ नहीं सकते. इसलिए उनके पास मिट्टी के बर्तन और गर्मी के दिनों में घड़े बेचने के अलावा कमाई का दूसरा विकल्प नहीं है. हालात ये हैं कि अब कुम्हार परिवार अपने काम को जिंदा रखने के लिए कर्ज लेकर व्यवसाय कर रहे हैं. लेकिन इससे भी इनकी लागत नहीं निकल रही. कुम्हार (कुंभकार) जाति के लोग मिट्टी से ही अपना रोजी-रोटी एवं जीवन-यापन करते हैं। कुम्हार शब्द, कुम्भकार से निकला हुआ प्रतीत होता है, जिसका अर्थ कुम्भ, यानि घड़ा बनाने वाला होता है। इन्हें कुम्भार, प्रजापति, प्रजापत, घूमियार, घूमर, कुमावत, भांडे, कुलाल या कलाल आदि नामों से भी अलग-अलग प्रदेशों में जाना जाता है। कुम्हारों की हस्तकला ही, उनके रोजगार का साधन होता है। कुम्हार अपने हाथों से मिट्टी की वस्तुएं बनाते हैं।

प्रियंका सौरभ
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

मिट्टी के बर्तन बनाने के अलावा इनके पास और कोई दूसरा रोजगार नहीं है, न ही कृषि करने के लिए इनके पास भूमि है। और न अन्य साधन, जिससे आय का आवक हो पाए। यह जैसे-तैसे करके अपने परिवार को पाल रहे हैं। मौजूदा दौर में एल्युमीनियम, थमाकोल व प्लास्टिक बर्तनों का खूब चलन चला है, जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। हमारे पूर्वज अपने समय में मिट्टी, लोहे व काँसे के बने बर्तनों का उपयोग करते थे। इसलिए उन्हें मौजूदा दौर की बीमारियाँ नहीं हुईं। यदि आप भी, अपने पूर्वजों की भाँति स्वस्थ्य जीवन-यापन करना चाहते हैं तो, मिट्टी के बने बर्तनों का उपयोग भोजन बनाने के लिए करें, ताकि आपके स्वस्थ्य के साथ ही इन कुम्हारों की माली हालत में सुधार हो सके.... आधुनिक फ्रिज और एसी ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया है। ये मिट्टी के बर्तन बनाकर रखतें हैं लेकिन बिक्री न होने की वजह से खाने के भी लाले पड़ जाते हैं। परिवार कैसे चलेगा। कोई भी मटके खरीदने नहीं आ रहा है। धंधे से जुड़े लोगों ने ठेले पर रखकर मटके बेचने भी बंद कर दिए हैं। देश भर में प्रजापति समाज के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं। कुम्हार अपना पुश्तैनी काम छोड़ नहीं सकते. इसलिए उनके पास मिट्टी के बर्तन और गर्मी के दिनों में घड़े बेचने के अलावा कमाई का दूसरा विकल्प नहीं है. हालात ये हैं कि अब कुम्हार परिवार अपने काम को जिंदा रखने के लिए कर्ज लेकर व्यवसाय कर रहे हैं. लेकिन इससे भी इनकी लागत नहीं निकल रही. कुम्हार (कुंभकार) जाति के लोग मिट्टी से ही अपना रोजी-रोटी एवं जीवन-यापन करते हैं। कुम्हार शब्द, कुम्भकार से निकला हुआ प्रतीत होता है, जिसका अर्थ कुम्भ, यानि घड़ा बनाने वाला होता है। इन्हें कुम्भार, प्रजापति, प्रजापत, घूमियार, घूमर, कुमावत, भांडे, कुलाल या कलाल आदि नामों से भी अलग-अलग प्रदेशों में जाना जाता है। कुम्हारों की हस्तकला ही, उनके रोजगार का साधन होता है। कुम्हार अपने हाथों से मिट्टी की वस्तुएं बनाते हैं।

कुम्हार मिट्टी से वस्तुएं बनाने के लिए काली मिट्टी, लाल मिट्टी, रेत व राख आदि को एक साथ मिलाकर, पानी डाल कर अच्छे से मिक्स करते हैं। उसके बाद चाक (चकरी) में मिट्टी को रखकर उनको आकार देते हैं, और भिभिन्न-भिभिन्न वस्तुओं का निर्माण करते हैं। देवी-देवताओं की मूर्तियां, दीया, बोरा, बैल, करसा, क्लास, ठेकुआ, पुरा, मर्की, ओम, देवा, चूल्हा व बच्चों के खिलौने। मिट्टी के बर्तन पकने के बाद, उनको नजदीकी बाजार एवं चौक-चौराहों में बेचने के लिए ले जाते हैं। और उसके बाद, उसी वस्तुओं के पैसे से जो आमदनी उनको प्राप्त होती है, उसी से यह अपना जीवन-यापन और अपने बच्चों का पालन पोषण करते हैं। लेकिन इन मिट्टी के बर्तन या खिलौने का मूल्य उतना ज्यादा नहीं रहता, जीतना उसमें मेहनत लगता है। और-तो-और लेने वाला व्यक्ति भी, वस्तुएं लेने पर मोलभाव करके, उसमें पैसा कम करवा ही लेता है। इन कुम्हारों का रोजगार उतना अच्छा नहीं रहता। क्योंकि, पहले के समय में, सभी लोग मिट्टी के बर्तन व मिट्टी के वस्तुएं उपयोग करते थे। लेकिन अभी, वर्तमान के समय में, मिट्टी के बर्तनो को लोग नहीं के बराबर इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि, सभी लोग स्टील के बर्तन, फाइबर के बर्तन आदि का अधिक यूज करते हैं। जिससे इनकी आमदनी, पहले के समय से कम होती है। गणेश पक्ष, दुर्गा पक्ष व विश्वकर्मा पक्ष आदि में ही इन लोगों को थोड़ी आमदनी हो पाती है और बाकी समय में इनको एक दिन में 100 से 200 रुपये भी मिलना मुश्किल हो जाता है। बहुत से कुम्हार, आमदनी अच्छी ना होने के कारण, मिट्टी के वस्तु बनाना छोड़ दिए हैं। और कुछ अन्य काम, अपने जीवन-यापन करने के लिए पकड़ लिए हैं और उसी में लगे हुए हैं। वह लोग इस काम को और करना नहीं चाहते। क्योंकि, इसमें मेहनत अधिक और आमदनी कम है।

वर्तमान में कुम्हारों का स्थिति बहुत ही खराब है। क्योंकि, पहले जैसा अभी के समय में लोग मिट्टी के समान उपयोग करना बंद कर दिए हैं। इस कारण, इनके पास जो बना हुआ वस्तु भी रहता है। वह भी बिक नहीं पाता है, जिससे इनको नुकसान ही उठाना पड़ता है। बाकि मिट्टी के वस्तुएं, अपने सीजन में ही बिक पाते हैं। बाकी समय इनका बिकना मुश्किल हो जाता है। मिट्टी व पानी की समस्या ने इस धंधे की कमर तोड़ दी है। पहले इस व्यवसाय के लिए यह गांव काफी चर्चित था। लेकिन समय बीतते के साथ सब कुछ खत्म होने लगा है। गांव में कच्चे मकान की संख्या काफी कम हो गई है। जिस कारण छत में लगने वाले खपड़े की बिक्री नहीं के बराबर होती है। अब इस धंधे से लाभ नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी मिट्टी के लिए होती है। पहले वर्षों से मिट्टी वन विभाग की जमीन से लाई जाती थी। लेकिन वर्तमान में इस पर रोक लगा दी गई है। पानी की समस्या एवं कोयले के दाम में बढ़ोत्तरी। जिसने इस धंधे की कमर तोड़ कर रख दी है। परिवार के चार सदस्यों की कड़ी मेहनत के बाद एक दिन में ढाई सौ खपड़े का निर्माण

बढ़ती रेल दुर्घटनाओं से सबक लेना आवश्यक

मनोज कुमार अग्रवाल

भारतीय रेलवे विश्व के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है, जहाँ लाखों लोग प्रति दिन परिवहन के लिये इस पर निर्भर करते हैं। आँकड़े बताते हैं कि पिछले दो दशकों में पटरी से गाड़ी उतरने के मामले (जो अधिकांश दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं) सहस्राब्दी के अंत में प्रति वर्ष लगभग 350 से घटकर वर्ष 2021-22 में मात्र 22 रह गए लेकिन बीते साल बालासोर के बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्घटना में बड़ी जनहानि हुई जिससे हमारे रेलवे संचालन तंत्र में छिपी तमाम सुरक्षा कमजोरियां उजागर हो गईं। ऐसे मामले बेहतर सुरक्षा उपायों और अधोसंरचना की आवश्यकता को उजागर करते हैं। इस दुर्घटना में बड़ी संख्या में लोगों की मौत यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कारण है कि रेलवे उन सभी लोगों के लिये सुरक्षित नहीं है जो इसका उपयोग करते हैं। सार्वजनिक परिवहन होने के नाते इसके सस्ता और सुरक्षित होने की अपेक्षा की जाती है परंतु लगातार किराए बढ़ाने के बावजूद सुविधाओं और सुरक्षा के मामले में अक्सर रेलवे में लापरवाही के मामले सामने आते रहते हैं। पिछले एक महीने में ही खई हादसे हुए हैं जिनकी समीक्षा करने से पता चलता है कि अभी भी हमारे रेलवे सिस्टम में भारी तकनीकी कमजोरी है जिनके रहते सुरक्षित यात्रा का सपना संजोने वाले हकीकत से दूर हैं। ताजा हादसा 18 जुलाई को मनकापुर-गोंडा के बीच झिलाही स्टेशन के पास हुआ है। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस को चला रहे लोको पायलट ने खुलासा किया है कि हादसे के पहले उन्होंने धमाके की आवाज सुनी थी। इसकी पुष्टि पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने की है।

दुर्घटना की कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी ने जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, इस हादसे में अभी तक चार यात्रियों के मरने की पुष्टि की गई है, जबकि 31 यात्री घायल हुए हैं। इसी तरह बीते माह 17 जून को बिहार में ह्यकंचनजंगा एक्सप्रैस रेल दुर्घटना, जिसमें 14 यात्री मारे गए थे, इसके बाद से पिछले मात्र 2 सप्ताह में कई रेल हादसे सामने आ चुके हैं। 2 जुलाई को अम्बाला-दिल्ली ट्रैक पर ाराावड़ी रेलवे स्टेशन के निकट चलती मालगाड़ी से 9 कंटेनर गिरने के परिणामस्वरूप 4 पहिए ट्रैक से उतर गए और 3 किलोमीटर तक का ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया। 4 जुलाई को जालंधर से जम्मू तवी जा रही मालगाड़ी कठुआ से 2 किलोमीटर पहले खराब हो गई। बताया जाता है कि माधोपुर रेलवे स्टेशन को क्रॉस करने के दौरान चढ़ाई के कारण इंजन आगे नहीं चढ़ पाया और ड्राइवर ने नीचे उतर कर देखा तो पहिए स्लिप कर रहे थे। 6 जुलाई को नासिक और मुम्बई के बीच चलने वाली पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे ठाणे के कसारा में इंजन से अलग हो गए। इसी 12 जुलाई को बिहार के पटना जिले में दानापुर मंडल के दनियावां स्टेशन के निकट एक मालगाड़ी के 6 डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण फतुहा इस्लामपुर डिवीजन पर रेल यातायात अवरुद्ध हो गया। 15 जुलाई को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस के एक डिब्बे के ब्रेक जाम हो जाने के कारण पहियों के निकट आग लग गई जिसे अग्निशमन यंत्रों की सहायता से बुझाया गया और अब 18 जुलाई को उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में मोतीगंज थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव के निकट जोरदार झटका लगने से चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ साप्ताहिक एक्सप्रैस ट्रेन के 14 डिब्बे पटरी से उतर जाने से 4 व्यक्तियों की मौत तथा 31 घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेन से बाहर निकलने के बाद यात्रियों को निकट की सड़क तक पहुंचने के लिए ट्रैक के दोनों ओर खेतों में घुटनों तक भरे पानी से गुजरना पड़ा। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारियों ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की। दुर्घटना के कारण कटिहार-अमृतसर एक्सप्रैस, आम्रपाली एक्सप्रैस, जम्मू- तवी अमरनाथ एक्सप्रैस और गुवाहाटी-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रैस समेत 10 रेलगाड़ियों को मार्ग बदलकर संचालित करना पड़ा।

संक्षिप्त खबरें

खनन छापेमारी के फरार अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़ा

बगहा। बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना का कांड 23/24 का फरार अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बतादें की नौरंगिया निवासी 36 वर्षीय गोविंद मुसहर वीटीआर जंगल से बालू खनन करते समय पुलिस और वन विभाग की संयुक्त छापेमारी के समय फरार हो गया था। इसी कांड में गोविंद पर धारा 147, 149, 341, 332, 323, 186, 504 व 506 दर्ज कर तलाश की जा रही थी। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि उक्त अभियुक्त घर में छुपा हुआ है। एसआई राणा रणजीत सिंह के नेतृत्व में छापेमारी कर घर से धरदबोच लिया गया है।

आर्केस्ट्रा से नाबालिग युवती बरामद

लहलादपुर: जनता बाजार स्थित एक आर्केस्ट्रा संचालक के कब्जे से एक नाबालिग युवती को स्थानीय प्रशासन ने मुक्त कराया. बाल अधिकार हनन एवं मानव दुर्व्यापार अभियान के तहत भारत सरकार के राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सौजन्य से मिशन मुक्ति फाउंडेशन, दिल्ली एवं नारायणी सेवा संस्थान, छपरा तथा जनता बाजार थाना की पुलिस ने श्रीढोंढ़नाथ मंदिर के समीप एक आर्केस्ट्रा संचालक के यहां छापामारी कर एक नाबालिग युवती को मुक्त कराया. मुक्त हुई युवती ने बताया कि उससे अश्लील नृत्य करने तथा आर्केस्ट्रा में नाचने के लिये प्रताडित किया जाता था. प्रशासन ने उस युवती को पूनर्वास के लिये बाल कल्याण समिति, छपरा को सौंप दिया.

लड़की ने युवक पर किया हमला

छपरा कार्यालय। खैरा थाना अंतर्गत मानपुर गांव में बीती रात्रि एक लड़की ने नर्सिंग होम से घर लौट रहे एक युवक पर लाठी-डंडे और चाकू से हमला करवा दिया. उस दौरान चाकू लगने से वह युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जिसे गांव के ही कुछ युवकों के द्वारा छपरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका उपचार किया गया. जख्मी युवक खैरा थाना क्षेत्र के ही मानपुर गांव निवासी स्वर्गीय अर्जुन प्रसाद 19 वर्षीय पुत्र प्रेम सागर बताया गया है. छपरा सदन में उपचार के दौरान सदर अस्पताल में उपचार के दौरान उपयोग का स-र और सीटी स्कैन भी कराया गया जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है. जख्मी युवक ने बताया कि वह छपरा स्थित किसी नर्सिंग होम में काम करता है.

“हिट एंड रन” मामले में पूरी संवेदनशीलता के साथ घायलों की बचाएं जान : जिलाधिकारी

खतरनाक ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट के बाइक चालन, बिना सीट बेल्ट के वाहन चालन के प्रति रोको-टोको अभियान चलाने का निर्देश

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम) सड़क सुरक्षा के उपायों पर विचार, क्रियान्वयन तथा अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्णय लेने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इसके साथ ही हिट एंड रन के मामलों की समीक्षा हेतु जिलास्तरीय समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि हिट एंड रन मामले में घायल व्यक्ति का समुचित ईलाज तुरंत हो, इसे सुनिश्चित किया जाय। घायलों की जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना है। हिट एंड रन मामले में डॉक्टर एवं पुलिस अधिकारी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि एक-एक जान महत्वपूर्ण है, इसलिये विशेष ध्यान देकर घायलों का समुचित इलाज करना है। हिट एवं रन मामले में घायल के लिए 50000.00 रुपये तथा मृत्यु के लिए 200000.00 रुपये मुआवजा देने का सरकारी प्रावधान है। उन्होंने निर्देश दिया कि हिट एंड रन योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाय, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें। अभी भी काफी संख्या में आवेदन प्राप्त होना लंबित है, जो दर्शाता है कि लोगो को इस योजना की विशेष जानकारी नहीं है। उन्होंने अधीक्षक, जी एम सी एच को निर्देशित किया गया कि स्पष्ट एवं त्वरित पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार किया जाय। साथ ही पुलिस अधिकारी को निर्देश दिया गया कि सुलभता से समय पर प्राथमिकी दर्ज किया जाय। आवश्यकतानुसार आवेदन जमा कराने में दावेदारों को उचित मार्गदर्शन दिया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्लैक स्पॉट को चिन्हित करते हुए इसकी रोकथाम का प्रॉपर उपाय किया जाय। अवैध वाहन पड़ाव को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना पर रोकथाम लगाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को सार्थक प्रयास करना होगा। वाहन चालकों को समय-समय पर ट्रेनिंग देना होगा। जिला परिवहन पदाधिकारी इसे सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि खतरनाक ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट के बाइक चालन, बिना सीट बेल्ट के वाहन चालन के प्रति रोको-टोको अभियान चलाया जाय। हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रति विशेष अभियान चलाया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि ब्लैक स्पॉट/एक्सिडेंटल एरिया को चिन्हित करते हुए सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किया जाय। रोड सेफ्टी ऑडिट (आरएसए) नियमित किया जाय। इसके साथ ही समुचित तरीके से सैनेजेज लगाया जाय। दुर्घटना प्रवण स्थलों पर रम्बल स्ट्रिप्स का अधिष्ठापन कराया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा नियमों का वृहत प्रचार-प्रसार कराया जाय। रात्रि दुर्घटना रोकने के लिए स्ट्रीट लाइट, कैट्स आई/स्टड्स का अधिष्ठापन कराया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क के किनारे पेड़ पर रिफ्लेक्टिव टेप्स का अधिष्ठापन कराया जाय। उन्होंने कहा कि वाहन चालकों से सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से अनुपालन कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही मानक के अनुरूप वाहन की गति को सीमित कर संचालन कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि ओवरलोडेड वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जाय। बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए व्यावसायिक वाहन चालकों के आंख जाँच हेतु शिविर का आयोजन किया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क के किनारे वाहनों के अनावश्यक पड़ाव के विरुद्ध कार्रवाई की जाय और जुर्माना भी वसूल किया जाय। इसके साथ ही संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा का अधिष्ठापन कराना सुनिश्चित किया जाय। समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा सड़क सुरक्षा तथा हिट एण्ड रन मामले में अपने-अपने सुझाव दिए गए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी ललन प्रसाद सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

हत्याकांड का प्राथमिकी अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) मझौलिया थाना कांड संख्या 809 ऑब्लिक 2023 के नाम जद अभियुक्त शिवसागर यादव उर्फ जटा यादव को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उक्त जानकारी प्रशिक्षु डीएसपी अमरकांत और थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि दिनांक 17 सितंबर 2023 को थाना क्षेत्र के महनवा निवासी राम कृत यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस मामले में कुल छह व्यक्तियों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन प्राथमिकी नामजदों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पूर्वी चंपारण जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र में छिपे हुए शिवसागर यादव उर्फ जटा यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने बताया कि इस कांड के शेष दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस हर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बताते चले की मामला पूर्व से चले आ रहे भू विवाद का था।

कार्यकर्ता सह मतदाता आभार समारोह का हुआ आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

लहलादपुर: कार्यकर्ता संगठन के रीढ़ होते हैं तथा मतदाता आधार. इसलिए वे सभी सदैव सम्मान के पात्र हैं. खासकर वैसे कार्यकर्ता जिन्होंने पार्टी को अपने परिश्रम के बल पर सींच कर इतना बड़ा रूप दिया है. उक्त बातें महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने जनता बाजार स्थित डीएवी स्कूल के हॉल में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल जी, आडवाणी आदि जैसे लोगों के परिश्रम का ही परिणाम है कि आज भाजपा का स्वरूप इतना बड़ा हुआ है. विपक्ष नागरिकता संशोधन कानून को ले लोगों को दिग्भ्रमित कर रहा है. इसलिए भाजपा कार्यकताओं का नैतिक जवाबदेही है कि लोगों को नागरिकता संशोधन कानून के संदर्भ में समझाएं. कार्यक्रम की शुरूआत श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं अटलबिहारी वाजपायी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई. समारोह की अध्यक्षता जदयू प्रदेश सचिव डॉ॰ दिनेश प्रसाद तथा मंच संचालन पं॰ संदीपाचार्य ने किया. समारोह को अजय राय, ब्रजमोहन सिंह, चैतन्यद्रनाथ सिँह, राजबल सिँह कुशवाहा, शंकरदयाल राय, वीरेंद्र कुमार मिश्र ‘अभय’, अखिलेश शर्मा, संजय सिँह, हरिशंकर सिँह आदि ने सम्बोधित किया.

पर्यटन नगरी का सदर अस्पताल भगवान भरोसे आयुष और जीएनएम के भरोसे चल रहा है सीएससी

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा ।इंडो नेपाल सीमा पर अवस्थित पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर वीटीआर के जंगलों से घिरा क्षेत्र है ।यहां के लोग जंगली जीवो का शिकार होते रहते हैं ।बंदर, भालू,सांप आदि से घायला मरीजों का इलाज इसी एक मात्र अस्पताल के भरोसे है लेकिन विडंबना है कि सदर अस्पताल सीएससी भगवान भरोसे चल रहा है। बतादें की इस अस्पताल में एक भी एमएस,एम बी बी एस डॉक्टर की पोस्टिंग नहीं है। एक एम बी बी एस महिला डॉक्टर की पोस्टिंग है लेकिन वह भी नाम के लिए। ये माह में आध एक बार हॉस्पिटल में दिख जाती हैं,प्रायः अनुपस्थित ही रहती हैं। अगर एक्सीडेंटल केस आ जाए तो फौरन उसे बाहर रेफर कर दिया जाता है। बतातें चलें कि आयुष डॉक्टर और जीएनएम के भरोसे ही पर्यटन नगरी का सरकारी अस्पताल चल रहा है। समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने कहा कि यहां बाहर से पर्यटक आते हैं जिन्हें स्वास्थ सम्बंधी परेशानी के लिए एक कुशल एम बी बी एस फिजिशियन डॉक्टर की जरूरत है इसलिए इनकी स्थायी पोस्टिंग होना चाहिए और एक सर्जन डॉक्टर की भी जरूरत है ताकि आए दिन हो रहे एक्सीडेंट के पीड़ितों को फर्दर इलाज मिल सके। वाल्मीकिनगर वीटीआर जंगल से घिरा इलाका है ।यहां सर्प दंश के केस वाले मरीजो को इलाज के लिए नेपाल स्थित 70 किलोमीटर दूर भैरहवा या फिर 40 किलोमीटर बगहा की दूरी तैय करनी पड़ती है । कभी कभी तो दूरी तैय करने में मरीज की जान चली जाती है। इसलिए वाल्मीकिनगर सीएससी सदर अस्पताल में एक सर्प दंश स्पेशलिस्ट डॉक्टर की भी पोस्टिंग होना चाहिए। बतातें चलें कि वाल्मीकिनगर अस्पताल को एपीएचसी से बढ़ाकर फिलहाल दर्जा सीएससी कर दिया गया है लेकिन सुविधा के नाम पर सिफर है ।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से उपर्युक्त बातों पर ध्यान देते हुए अतिशीघ्र कार्यवाई करने का आग्रह किया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने समारोहपूर्वक मनाया अपना 117वां स्थापना दिवस

प्रात : किरण, संवाददाता

रक्सौल।।विश्वास के साथ, बेहतर कल की बात हमारे इस वादे का प्रतीक है जिसमें हम विश्वास और विश्वसनीयता को बनाए रखते हुए हर ग्राहक को बेहतर बैंकिंग सेवा प्रदान करने का प्रयास करते हैं। उक्त बातें बैंक ऑफ बड़ौदा के 117वें स्थापना दिवस के अवसर पर रक्सौल शाखा के शाखा प्रबंधक राहुलदेव कुमार ने कही। उन्होंने सभी ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें पर्यावरणविद प्रो. (डॉ.) स्वयंभू शलभ की उपस्थिति में शाखा प्रबंधक राहुल देव, सहायक शाखा प्रबंधक ऋतुराज समेत शाखा के सभी सदस्यों ने वृक्षारोपण किया। इस मौके पर श्री राहुल ने बताया कि बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने 20 जुलाई 1908 को गुजरात के रियासत बड़ौदा में बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थापना की थी। आज भारत समेत अन्य देशों में अपनी बेहतर कार्य संस्कृति के बदौलत इस बैंक की अपनी अलग पहचान है। आज रक्सौल शाखा 56 हजार से भी अधिक खाताधारियों को बैंकिंग सेवा प्रदान कर रही है। इस मौके पर ग्राहकों से सुझाव भी लिए गए। इस अवसर पर प्रभाकर कुमार, अग्निवेश कुमार, अनिल गिरी, अरविंद कुमार, अजय कुमार, ई. सौरभ कुमार समेत बैंक के ग्राहक उपस्थित थे।

मुंबई सेंट्रल -बरौनी-मुंबई सेंट्रल ट्रेन का संचलन 22 से

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 09145/09146 मुम्बई सेन्ट्रल-बरौनी-मुम्बई सेन्ट्रल साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन मुम्बई सेन्ट्रल से 22, 29 जुलाई, 05, 12, 19 एवं 26 अगस्त, 2024 दिन प्रत्येक सोमवार को तथा बरौनी से 25 जुलाई, 01, 08, 15, 22 एवं 29 अगस्त, 2024 दिन प्रत्येक वृहस्पतिवार को 06 फेरों के लिये किया जायेगा। 09145 मुम्बई सेन्ट्रल-बरौनी साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 22, 29 जुलाई, 05, 12, 19 एवं 26 अगस्त, 2024 दिन प्रत्येक सोमवार को मुम्बई सेन्ट्रल से 10.30 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 11.01 बजे, वापी से 12.56 बजे, सूरत से 14.36 बजे, भरूच से 15.21 बजे, वडोदरा से 16.31 बजे, रतलाम से 20.20 बजे, उज्जैन से 22.50 बजे, दूसरे दिन संत हरदाराम नगर से 03.05 बजे, विदिशा से 04.10 बजे, बीना से 05.55 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. से 08.15 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 12.35 बजे, लखनऊ से 14.25 बजे, गोण्डा से 16.30 बजे, मनकापुर से 17.12 बजे, बस्ती से 18.05 बजे, खलीलाबाद से 18.55 बजे, गोरखपुर से 20.00 बजे, देवरिया सदर से 21.05 बजे, सीवान से 22.20 बजे, छपरा से 23.50 बजे तीसरे दिन हाजीपुर से 00.45 बजे, मुजफ्फरपुर से 01.50 बजे तथा समस्तीपुर से 02.55 बजे छूटकर बरौनी 04.00 पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 09146 बरौनी-मुम्बई सेन्ट्रल साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 25 जुलाई, 01, 08, 15, 22 एवं 29 अगस्त, 2024 दिन प्रत्येक वृहस्पतिवार को बरौनी से 01.00 बजे प्रस्थान कर समस्तीपुर से 02.05 बजे, मुजफ्फरपुर से 03.35 बजे, हाजीपुर से 05.00 बजे, छपरा से 06.55 बजे, सीवान से 07.20 बजे, देवरिया सदर से 08.50 बजे, गोरखपुर से 10.45 बजे, खलीलाबाद से 11.25 बजे, बस्ती से 12.01 बजे, मनकापुर से 12.42 बजे, गोण्डा से 13.25 बजे, लखनऊ से 16.10 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 18.40 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. से 23.00 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.35 बजे, विदिशा से 02.40 बजे, संत हरदाराम नगर से 03.55 बजे, उज्जैन से 05.50 बजे, रतलाम से 08.00 बजे, वडोदरा से 11.38 बजे, भरूच 12.37 बजे, सूरत 13.41 बजे वापी से 15.06 बजे तथा बोरीवली से 17.40 बजे छूटकर मुम्बई सेन्ट्रल 18.40 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 16, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई : जिलाधिकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम) ।जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित किया जाय। इस कार्य में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक बिक्री में किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।शिकायत मिलने पर तुरंत जाँच करायी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्परतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है।जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में अधिकारियों, विक्रेताओं आदि को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उर्वरक को लेकर किसानों की परेशानियों को दूर किया जाय। समय-समय पर उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं औचक छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उर्वरक का उठाव एवं वितरण ससमय कराना सुनिश्चित किया जाय। जिलास्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में सांसद, उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई : जिलाधिकारी। किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में कराएं सुनिश्चित। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न। अनियमितता के मामले में 01 प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 01 प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द की गई है। साथ ही 05 मामलों में स्पष्टीकरण की मांग की गई है। बेतिया(कुमार अभिजितम) ।जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि जिले के किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर सही मात्रा में उर्वरक आदि की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित किया जाय। इस कार्य में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक बिक्री में किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।शिकायत मिलने पर तुरंत जाँच करायी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले के किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्परतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है।जिलाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में अधिकारियों, विक्रेताओं आदि को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उर्वरक को लेकर किसानों की परेशानियों को दूर किया जाय। समय-समय पर उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं औचक छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उर्वरक का उठाव एवं वितरण ससमय कराना सुनिश्चित किया जाय। जिलास्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में सांसद डॉ0 संजय जायसवाल विधायक उमाकांत सिंह,विनय बिहारी ने उर्वरक की उपलब्धता, वितरण एवं बिक्री को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता है। उन्होंने बताया कि खरीफ वर्ष 2024-25 में अबतक 23 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई है। 07 मामलों में प्रतिष्ठान बंद, बिक्री पंजी एवं कैशमेमो अपडेट नहीं आदि पाया गया।

महाराजा स्टेडियम के नव निर्माण का नगर निगम बोर्ड भेजेगा सरकार को प्रस्ताव: गरिमा

बोर्ड की आगामी बैठक में इस पर चर्चा और विचार के बाद प्रारूप निर्धारित करते हुए तेज होगी पहल

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम)। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर में वर्षों से बदहाल और जर्जर महाराजा स्टेडियम का नव निर्माण कराया जायेगा। इसका एक विस्तृत डीपीआर (डिटेल और प्रोजेक्ट रिपोर्ट) शीघ्र ही नगर विकास एवम आवास विभाग और सरकार को भेजा जाएगा। इसको लेकर नगर निगम बोर्ड की आगामी बैठक में एक विशेष प्रस्ताव विचार, चर्चा के बाद पारित करते हुए अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्ताव विभाग और सरकार को भेजा जाएगा। इससे पूर्व जिला स्तर के अनेक खेल संघ और संगठन पदाधिकारी गण के साथ अनेक पूर्व क्रिकेटर, फुटबॉलर, धावक आदि खिलाड़ी और खेल प्रेमी प्रबुद्धजनों के एक शिष्टमंडल ने शनिवार को महापौर श्रीमती सिकारिया के कार्यालय कक्ष में मुलाकात के साथ संबंधित समस्याओं और खेल जनित विकास कार्यों को पूरा करने/कराने के लिए महापौर श्रीमती सिकारिया को संयुक्त तौर पर ज्ञापन सौंपा। इस शिष्ट मंडल को महापौर ने यह भी बताया कि इससे पूर्व उनके प्रस्ताव पर सरकार से जिला मुख्यालय में ढाई ढाई करोड़ की लागत वाले तीन चिल्ड्रेन पार्क के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। जिसमें से एक योजना बड़ा रमना मैदान के दक्षिण पश्चिम छोर के भूखड पर बनना स्वीकृत हुआ है। जिसकी निविदा विभाग स्तर से शीघ्र ही जारी होने वाली है। महापौर से मिले शिष्टमंडल में जिला फुटबाल संघ के सचिव डॉ. आई हक, बुद्धिजीवी डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना, एकबाल सब्बा कार्यालय सचिव, नरेंद्र सिंह क्रिकेट संघ, अभिनाश कुमार उपाध्यक्ष क्रिकेट संघ, मुहम्मद शहाबुद्दीन पूर्व कप्तान, अभिजीत बनर्जी पूर्व क्रिकेटर, मुहम्मद फिरोज पूर्व क्रिकेटर आदि शामिल रहे।

विश्वविद्यालय से मिलेगी डीबीएसडी कॉलेज के परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा सदर ।जयप्रकाश विश्वविद्यालय की स्नातक सीबीसीएस सत्र 2023-27 प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा 25 जुलाई 2024 से प्रारंभ हो रही है। इस परीक्षा में शामिल होनेवाले देवराहा बाबा श्रीधर दास डिग्री महाविद्यालय, कदना, गरखा, सारण में नामांकित परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र 22 जुलाई से 24 जुलाई 2024 तक दिन 11 बजे से 4 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में वितरित किए जाएंगे। अन्य सभी महाविद्यालयों के एडमिट कार्ड संबंधित महाविद्यालयों में भेजे जा चुके हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ दिलीप कुमार ने बताया कि डीबीएसडी कॉलेज, कदना, गरखा, सारण में नामांकित परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन स्थित काउंटर संख्या-3 पर वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक संख्या में कर्मियों की तैनाती कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एडमिट कार्ड प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थियों को स्वयं आना होगा, किसी अन्य को एडमिट कार्ड नहीं दिया जाएगा। साथ ही नामांकन रसीद, परीक्षा फॉर्म (जिसे अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में भरा गया है) तथा आधार कार्ड या अन्य किसी फोटोयुक्त पहचान पत्र की मूल प्रति एवं एक सेट छायाप्रति परीक्षार्थियों को अपने साथ अवश्य लाना है।

नीतीश की सुशासन व विकास की तथाकथित छवि ढह रही है:विधायक

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया। महागठबंधन के दलों (भाकपा माले, राजद, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीआईपी) के बैनर तले दलित-गरीबों-महिलाओं-अल्पसंख्यकों पर हो रहे दमन, चौतरफा हिंसा और अपराध के खिलाफ शहिद पार्क से जो आक्रोश मार्च निकाला जो सोवा बाबू चौक, लाल बाजार, तीन लालटेन चौक, मुहर्रम चौक होतें बेतिया जिला समाहरणालय गेट पर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता कांग्रेस नेता शेख कामरान ने किया, सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि वीआईपी प्रमुख श्री मुकेश सहनी के पिता की नृशंस हत्या स्तब्ध करने वाली है. उन्होंने कहा कि गया, नवादा, सिवान, मुजफ्फरपुर, सारण, पूर्वी चंपारण, सासाराम, गोपालगंज आदि जिलों में अपराध की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है. हालत यहां तक पहुंच गई है कि राजधानी पटना और उसके आस-पास के इलाकों में भी अपराधी पूरी तरह बेलगाम हो गए हैं. विगत कुछ दिनों में दो दर्जन से अधिक हत्या के मामले सामने आए हैं. आगे कहा कि मुर्हरम के मौके पर नरकटियागंज में मुहर्रम के दिन फिलिस्तीनी झंडा लहराने के तथाकथित जुर्म में अभी तक चार लोगों को जेल में डाला गया है और कुल 16 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दमन किया जा रहा है, फिलिस्तीनी जानत अपने ही धरती पर मारे जा रहें है अभी तक एक लाख 66 हजार से अधिक महिला बच्चे मारे गए हैं, पूरी दुनिया इस जनसंहार का विरोध कर रहा है, हमारा देश हमेशा से पीड़ित देशों के साथ खड़े रहा है,

तब कैसे अपराध हो गया, माले विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने सभी गिरफ्तार लोगों को रिहाई करने तथा मुकदमा को खारिज करने की मांग किया, उन्होंने कहा कि इस सवाल को विधानसभा में भी उठाया जाएगा। माले नेता सुनील कुमार राव ने कहा कि बिहार में एक तरफ अपराधी बेलगाम हैं, तो दूसरी ओर सामंती ताकतों का भी मनोबल सर चढ़कर बोल रहा है. दलितों-महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदाय को खासतौर पर निशाना बनाया जा रहा है. गया जिले के टिकारी प्रखंड के चिरैला मांझी में संजय मांझी का सामंतों-भूस्वामियों ने उस वक्त तलवार से हाथ काट डाला, जब वे गरीबों की जमीन पर भूस्वामियों के कब्जे का विरोध कर रहे थे. मुजफ्फरपुर में भाजपा समर्थित सामंती ताकतों ने संजीत मांझी पर जानलेवा हमला किया, उनके शरीर को चाकू से गोद दिया और उसका विरोध करने पर उनकी पत्नी को भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए निर्वस्त्र करने का प्रयास किया. भूस्वामियों ने संजीत मांझी के मुंह में पेशाब करने का पाशविक काम किया. नवादा जिले में 50 वर्षीय पप्पू मांझी की भी हत्या का मामला सामने आया है। इंसाफ मंच जिला सचिव सह इंकलाबी नौजवान सभा जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा की मुकेश सहनी के 67 वर्षीय वृद्ध पिता की जिस नृशंसता से हत्या की गई, वह साबित करता है कि कानून-व्यवस्था का कोई खौफ अपराधियों को नहीं रह गया है।

प्रखंड अध्यक्षों का नागरिक अभिनंदन सह सम्मान समारोह हुई आयोजित

प्रात : किरण, संवाददाता

एकमा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के द्वारा सारण जिले एकमा व मांझी प्रखंड के मनोनीत प्रखंड अध्यक्षों का नागरिक अभिनंदन सह सम्मान समारोह का आयोजन ब्लॉक रोड स्थित शंकर विवाह उत्सव के प्रांगण में कांग्रेस नेता नरेंद्र प्रताप मिश्रा कि अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें एकमा प्रखंड के मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष अमावस मांझी एवं मांझी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र महतो को फूल माला पहनकर उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेता नरेंद्र प्रताप मिश्रा ने ये दोनों मनोनीत अध्यक्षों से पार्टी में मजबूती बढ़ेगी आगामी बिहार विधानसभा के चुनाव में इनकी अहम भूमिका रहेगी। एकमा व मांझी विधानसभा राजनीतिक धूमिल हो रही राजनीति में बड़े पैमाने पर बदलाव आयेगा। अफसर कि मनमानी चरम सीमा पर पहुंच गया है। कुछ लोग मठ के मठाधीश जैसी पकड़ कर बैठ गये है। जानता मैं नेता व प्रतिनिधि के प्रति विश्वास उठ गई है। देश की जनता का पैसा केंद्र में बैठी सरकार अडानी व अंबानी में लूटा रही है ।उनके बाल बच्चों की शादी में 5000 करोड़ खर्च हो रही है देश में सबके लिए एक कानून होने चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है ।एक सघन अपराध करने वाला छूट जाता है वही एक तरफ जेल का सजा काट रहा है। किसानों के हित में सरकार काम नहीं करती किसन की कड़ी मेहनत की उगाई गई फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। सरकार उचित मूल्य तय कर अनाज की खरीदारी करें अगर उसे कोई कम दाम में ले रहा है तो उसे पर कठोर कार्रवाई की जाए। देश में महंगाई भ्रष्टाचार अत्याचार चरम पर है सिर्फ हिंदू मुस्लिम मंदिर मस्जिद के नाम पर राजनीति कर रही है ।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने निकाला प्रतिरोध मार्च

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। हत्या, अपराध, कानून व्यवस्था की बदतर स्थिति के खिलाफ शनिवार को महागठबंधन के तत्वावधान मे छपरा मे प्रतिरोध मार्च निकला और इससे संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिरोध मार्च मे सीपीआई, सीपीएम, माले , राजद, कांग्रेस तथा वीआईपी के कार्यकताओं ने जुलूस निकाला और जिला परिषद परिसर मे सभा की। सभा को सीपीआई के राज्य कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र सौरभ, जिला सचिव रामबाबू सिंह, सीपीएम के बटेश्वर महतो, राजद अध्यक्ष सुनील राय, कांग्रेस अध्यक्षा अजय सिंह,विधायक तथा पूर्व मंत्री जितेन्द्र राय, सुरेन्द्र राम, सत्येंद्र यादव के अलावे ड़ॉ महात्मा प्रसाद गुप्ता, नागेन्द्र राय, हरिबालम सिंह,चुलाहन सिंह, बीरेंद्र सिंह, सुग्रीव गुप्ता, पप्पू कुशवाहा, नरेन्द्र राय, शिवजी मांझी , सुरेश वर्मा परमात्मा गुप्ता आदि ने भी संबोधित किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने निकाला प्रतिरोध मार्च

रोहतास (बिहार)। रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम में आज महागठबंधन के बैनर तले विभिन्न विपक्षी दलों ने प्रतिरोध मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश में बढ़ रहे आपराधिक वारदातों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए इन लोगों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस प्रतिरोध मार्च में कांग्रेस,राजद, वीआईपी पार्टी सहित विभिन्न संगठनों के लोग शामिल हुए। इन लोगों का कहना है कि प्रदेश में लगातार आपराधिक वारदात बढ़ रही है।इसके बावजूद सरकार इस पर अंकुश लगाने में सफल है।प्रतिदिन विभिन्न जिलों में हत्याएं हो रही है। लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है।ऐसे में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया। और प्रदेश की जनता व्यवसायिक सभी लोग भयभीत है। जिसके खिलाफ पूरे प्रदेश में महागठबंधन के लोग सड़क पर उतरे हैं तथा अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं।वही महागठबंधन के नेताओं ने कहा कि बिहार में सुशासन बाबू की सरकार जो सुशासन का दवा कर रही थी।नीतीश कुमार के राज में अफसर शाही चरम पर है वही अपराधी बेलगाम हो गए हैं जिस पर लगाम लगाने में पुलिस और सरकार पूरी तरह से सफल है।जब तक बिहार सरकार अपराध पर पूर्णतः लगाम नहीं लगाती तब तक महागठबंधन सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखेगी।

जेनरल नॉलेज प्रतियोगिता में दस छात्र पुरुस्कृत

गया।चाणक्य विद्यालय बाराचट्टी के प्रांगण में जेनरल नॉलेज व अंग्रेजी समूह चर्चा का विद्यालय के प्रांगण में किया गया है।जिसमे विद्यालय के उत्कृष्ट10 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त किये है।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधन की ओर से इन सभी उत्कृष्ट बच्चों को पुरसस्कृत किया गया है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में 151 पौधा लगाएं गए

गया।इन्नरव्हील क्लब गया ने दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, शेखवाड़ा बोध गया एक सौ एकानवे पौधे लगाये जिसमे महोगनी ,नारियल ,ऐलोवेरा ,तुलसी, रंजन, फूल के पौधे इत्यादि थे।यह कार्यक्रम पी पी उषाराज की सौजन्य से हुआ जिसमें उन्होंने ने बच्चों के साथ पेड़ लगाये और पर्यावरण संबंधित जानकारी भी दी है।उन्होंने बताया की पौधे लगाने से न केवल हमारा पर्यावरण शुद्ध होगा बल्कि हमें गर्मी से भी काफी राहत मिलेगी। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं -शिक्षिका और लगभग 500 बच्चे शामिल हुए हैं।इस कार्यक्रम में वन विभाग के डी एफ ओ विशेष अतिथि रहे हैं।

पत्नी और सास के साथ बाजार में सामान खरीद रहे युवक की अचानक हुई मौत

मधेपुरा।मधेपुरा जिले के मुरलीगंज बाजार में समान खरीदारी के दौरान अचानक एक युवक की मौत हो गई जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया।मृतक युवक की पहचान पुरेनी निवासी बबलू सहनी के 25 वर्षीय पुत्र रोशन सहनी के रूप में किया गया है।बताया जा रहा है कि महज सात दिन पहले ही 13 जुलाई को रोशन की शादी मुरलीगंज थाना क्षेत्र के रजनी पंचायत अंतर्गत प्रताप नगर निवासी शंकर पासवान की पुत्री से हुई थी जिसके बाद आज अपने सास और पत्नी के साथ मुरलीगंज बाजार सामान खरीदने आए थे इसी दौरान अचानक वह मूर्छित होकर गिर गया परिजनों ने उसे उठाकर आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरलीगंज में भर्ती कराया जहां मौके पर मौजूद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मारपीट कर महिला को किया जख्मी

बनियापुर ।स्थानीय थाना क्षेत्र के पैगम्बरपुर गाव मे आपसी विवाद मे महिला को चाकू से गोंद कर जख्मी करने का मामला दर्ज कराया गया है,जख्मी महिला का इलाज रेफरल अस्पताल मे कराया जा रहा है,महिला के ब्यान पर तीन को नामजद किया गया है। घटना के संबंध मे प्राथमिकी मे पीड़िता शांति देवी ने बताई है कि दरवाजे पर बैठी थी तभी बगल के छोटन नट और आशा देवी अपने पतोतु को पीट रहे थे,उसकी पतोहू जान बचाने हमारे पास आ गयी,इसी बात को लेकर उक्त दोनो हमे गाली गलौज करने लगे,विरोध की तो उसका बेटा लड्न नट चाकू से तबातोड़ हमला कर जख्मी कर दिया आरोपियों ने लाठी डंडे से पीटा और गले से चांदी की सिकड़ी भी छीन लिया।

श्रावणी मेला की व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने सोनपुर में विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

बाबा गरीबनाथ मंदिर जाने वाले डाक बम को लालू यादव चौक स्थित नियंत्रण कक्ष से दिया जायेगा विशेष टोकन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। श्रावणी मेला को लेकर सोनपुर में सभी निर्धारित घाटों, मंदिरों एवं रास्तों में आवश्यक तैयारी की गई है।जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने आज सोनपुर में विभिन्न घाटों एवं अन्य स्थलों पर की गई तैयारियों का निरीक्षण किया तथा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा निदेश दिया।

पहलेजा घाट पर अलग अलग जगहों पर अतिरिक्त चेंजिंग रूम बनाने का निदेश दिया गया।इस घाट पर अलग अलग प्रवेश एवं निकास द्वार बनाया गया है। तीन स्थलों पर वाच टावर बनाया गया है, इसे मजबूत ढंग से बनाने का निदेश दिया गया।घाट पर पीएचईडी द्वारा 5 चापाकल लगाया गया है।सभी चापाकलों के पास स्पष्ट एवं बड़ा संकेत चिन्ह लगाने को कहा गया ताकि दूर से ही श्रद्धालुओं को दिख सके। घाट पर निर्मित यात्री शेड के पास स्थाई रूप से पानी की अतिरिक्त टंकी तथा अतिरिक्त शौचालय का निर्माण हेतु कार्रवाई का निदेश कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को दिया गया। अंचलाधिकारी सोनपुर को घाट पर नाव एवं गोताखोर की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित रखने को कहा गया।जिलाधिकारी ने पहलेजा घाट से जहांगीर पुर अंडरपास-लालू यादव चौक तक कांवरिया मार्ग का निरीक्षण किया। जहांगीर पुर अंडरपास से जल जमाव को हटाने हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाती है।जिलाधिकारी ने कार्यपलाक पदाधिकारी नगर पंचायत सोनपुर को भी पम्पिंग सेट की वैकल्पिक व्यवस्था रखने का निदेश दिया। पहलेजा घाट से जल भरकर बाबा गरीब नाथ मंदिर जाने वाले डाक बम को लालू यादव चौक स्थित नियंत्रण कक्ष में विशेष टोकन दिया जायेगा।

घाट एवं संपूर्ण कांवरिया मार्ग पर रात्रि में भी लगातार पैदल एवं बाइक गश्ती सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।बाबा हरिहरनाथ मंदिर तक जाने के लिये 4 प्रवेश द्वार बनाया गया है। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिये अलग अलग प्रवेश की व्यवस्था की गई है। काली घाट पर अच्छे से साफ सफाई कराने का निदेश कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत सोनपुर को दिया गया। घाट पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था का भी निदेश दिया गया।घाट पर सभी निबंधित नाव की व्यवस्था तथा नाविक का मोबाइल नंबर प्रशासन के पास उपलब्ध रखने को कहा गया। पुल घाट पर किये गये बैरिकेडिंग को हाथी घाट तक विस्तारित करने का निदेश दिया गया।

बिजली के सभी तारों के स्थिति पर निरन्तर नजर रखने तथा बिजली के सभी पोल को प्लास्टिक आवरण से कवर करने का निदेश विद्युत अभियंता को दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर, भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता सोनपुर, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनपुर, अंचलाधिकारी सोनपुर एवं कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत सोनपुर आदि उपस्थित थे।

भोजपुर जिला कांग्रेस शहीद भवन से महा गठबंधन के नेताओं ने निकाला प्रतिरोध मार्च

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार महागठबंधन (कांग्रेस,राजद,भाकपा माले,सीपीआई,सीपीएम और वीआईपी) के संयुक्त बैनर तले राज्य मे गिरती विधि व्यस्था के विरुद्ध प्रतिरोध मार्च जिला मुख्यालय शहीद भवन आरा से सुबह 11.00 बजे से निकाला गया। भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में गगन भेदी नारों के साथ कार्यकताओं ने पैदल मार्च किया। प्रतिरोध मार्च शहीद भवन से निकलकर जिलाधिकारी, भोजपुर कार्यालय पहुचा जो बाद में सभा मे तब्दील हो गया।

सभा को सम्बोन्धित करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि आज की तिथि में नीतीश कुमार कुशासन बाबू बन कर रह गए है। वर्तमान में बिहार सरकार में अपराधी वेलगाम हो गए है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है। चोरी और घूसखोरी प्रशासन के संरक्षण में खुलेआम उत्कर्ष पर है। पूरा बिहार में अराजक माहौल कायम हो चुका है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। यदि समय रहते सरकार इन सभी बिंदुओं पर सार्थक पहल नही किया तो आने वाले समय मे पार्टी (महागठबंधन) बहुत बड़ा जन आंदोलन खड़ा करने के लिए बाध्य हो जाएगी। प्रतिरोध मार्च में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, सत्य प्रकाश राय, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह, श्रीधर तिवारी, रजि अहमद, संतोष पांडेय, प्रो. अरुण कुमार सिंह, बिरेन्द्र मिश्रा, अब्दुल शलाम कुरैसी, राकेश त्रिपाठी, अरबिंद सिंह, मनोज कुमार अंजनी, रबिन्द्र कुमार रवि, सूरज प्रकाश, आशुतोष ठाकुर, भानू प्रकाश सिंह, चितरंजन सिंह मुन्ना, बिजली बाबा, पन्नक त्रिपाठी, बिजेन्द्र राय, राजेश कुमार गौतम, लुटावन चौरसिया, हीरा लाल दुबे, नागेंद्र मिश्रा, घनश्याम चौधरी, रामानुज दुबे, उदय राम, डॉ शिव नाथ पासवान, मदन मोहन तिवारी, शिव शंकर चौबे, पप्पू पासवान, गजेंद्र चौधरी, इंद्रजीत राम, विकाश यादव, बुटन राम सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में कई एजेंडो पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

गया। जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल में रोगी कल्याण कार्यकारी समिति की बैठक सिविल सर्जन डॉ रंजन कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई,जिसमें सर्वप्रथम संशोधित दिशा-निर्देश 2024 बिहार सरकार द्वारा नव गठित सदस्यों के स्वागत करने के उपरांत महत्वपूर्ण एजेंडे पर विचार विमर्श किया गया है।

डीएम द्वारा नामित सदस्य डॉ जितेंद्र कुमार ने अस्पताल में रोगियों को हर हाल में सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं को उपलब्ध करने का अनुरोध किया है। डॉ कुमार ने कहा है समिति के देखरेख में ही कोई विकास का कार्य किया जाए।

डीएचएस द्वार नामित सदस्य अनंत धीश अमन ने कहा है कि अस्पताल के डॉक्टर,स्वास्थ्य कर्मी नियमित रूप से कार्यो में लगे रहते है ताकि रोगियों को किसी तरह से दिक्कत न हो ऐसे चिकित्सको एंव कर्मचारियों को समय समय पर समिति की और से सम्मानित किया जाए।

इसके साथ हीं सदर अस्पताल में नियमानूकूल बेडो की संख्या होनी चाहिए जो की अभी कम है इसपर विशेष रुप से ध्यान आकृष्ट करने की जरुरत है। एंव साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखा जाए जिससे स्वच्छ गया स्वस्थ गया की और हम सभी अग्रसर हो। अस्पताल परिसर अतिक्रमण मुक्त रहे और अस्पताल के चारो और सरकार के रीगी कल्याणकारी योजनाओं का मुख्यता से उल्लेख हो जिससे लोग लाभान्वित एंव जागरुक हो सके। इस बैठक में और भी कई बिंदुओं पर नए निर्णय लिए गए जिसमें अस्पताल परिसर में पार्किंग की समस्या दूर करने, दवा वितरण काउंटर बढ़ाने, अस्पताल के पर्ची पर मोबाइल नंबर और शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर देने, अस्पताल में शिकायत पेटी रखने, अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए बेड बढ़ाने, अस्पताल परिसर में विशेष साफ सफाई रखने एवं केंद्रीय भंडार गृह का निर्माण करने पर विशेष जोर दिया गया है। इस बैठक में सदस्यों ने ओपीडी में रोगियों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। सिविल सर्जन ने बताया कि जेपीएन अस्पताल मानक अस्पताल की श्रेणी में है।अस्पताल में जगह की कमी के कारण मरीजों को सुविधा देने में असमर्थ हैं। हालांकि सीमित संसाधन होने के बावजूद भी पहले से बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इस बैठक के बाद सदस्यों ने सीएस के साथ अस्पताल परिसर का घूम-घूम कर निरीक्षण किया गया है।

जिला और देश के प्रमुख मुद्दे मजबूती के साथ उठाया जाएगा सदन में : सुदामा प्रसाद

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। आरा लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा - माले उमीदवार कॉमरेड सुदामा प्रसाद को भारी अंतर से विजयी बनाने के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए भाकपा - माले ने 9 जुलाई से 19 जुलाई तक सभी प्रखंडो में जनता को धन्यवाद समारोह आयोजित किया जिसका कल समापन्न हुआ।

धन्यवाद समारोह के दौरान जनता ने अपने विभिन्न समस्याओं को रखा और निदान हेतु आवेदन भी दिया। जिसमें बिजली, स्वस्थ्य और इलाज, सिचाई, दाखिलखरीज , व्यवसाय सहित लगभह 37 तरह के सवाल हैं। 22 जुलाई से 12 अगस्त तक सत्र में जाने के पहले सांसद सुदामा प्रसाद ने अपने टीम के साथ विभागावार छंटनी किये। जिसके उपरांत सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को देकर रिसीव कराया जाएगा और तत्काल सवालों को हल करने को निर्देशित किया जाएगा और 15 प्रगति रिपोर्ट मांगा जाएगा। इस मौके पर कॉमरेड सुदामा प्रसाद ने कहा कि कई दौर के वार्ता के बाद भी बिजली की समस्याएं लगतार बढ़ रही इसे ठीक किया जाए साथ ही उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को प्रभारी मंत्री और पूर्व में विधानसभा में जीरो माइल के सड़क समस्या रखने के बाउजूद ठीक नही किया जा रहा है इसे तत्काल ठीक किया जाए। 22 जुलाई से 12 अगस्त तक मानसून सत्र में जिला और देश के प्रमुख मुद्दे मजबूती के साथ सदन में उठाया जाएगा।

अनुग्रह नारायण कॉलेज में एक पेड़ मां के नाम पर किया गया पोधोरोपण

गया ।अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय,गया के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना,पटना के निदेर्शानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ अनंत कुमार सिन्हा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित करना है।जिससे कि पेड़ के द्वारा मनुष्य एवं जीव जंतुओं को ऑक्सीजन प्राप्त हो सके। पेड़ और जंगल ग्लोबल वार्मिंग को रोकने और प्रदूषण को कम करने में भी मदद करता है। डॉ श्वेता सिंह राष्ट्रीय सेवा योजना, कार्यक्रम पदाधिकारी ने कहा कि पेड़ लगाने से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम किया जा सकता है।पेड़ लगाने से मृदा अपरदन कम होती है।

विकास कार्यों का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

गया। फल्गु नदी के पश्चिमी तट में बाईपास से देवघाट तक फल्गु में बन रहे पाथवे अप्रोच रोड एव अन्य कार्यो का जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने निरीक्षण किया है। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि निर्धारित समय सीमा तक में फल्गु नदी के पश्चिमी तट पर बन रहे अप्रोच सड़क सहित सभी कार्यो को हर हालत में पूरा करा लेने का निर्देश कार्यपालक अभियंता गया जी डैम को दिया गया। विदित हो कि पितृपक्ष मेले में देश-विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रियों को समुचित यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल संसाधन सहित तीन अन्य सरकारी विभागों के सहयोग से निर्माण कार्य कराया जाना है । फल्गु नदी के पश्चिमी किनारे पर युद्ध स्तर पर पाथवे बनाने का काम जल संसाधन विभाग द्वारा किया जा रहा है। 450 मीटर लंबी व 12 मीटर चौड़ी सड़क के साथ साथ एकीकृत जल निकासी के लिए नाले के साथ पाथवे का निर्माण जल संसाधन विभाग की निगरानी में कराया जा रहा है। इसके अलावा पाथवे के किनारे ग्राउंड लेवल से ढाई मीटर ऊंची दीवार, सौ मीटर लंबी व आठ मीटर चौड़ी दो घाट भी बनाया जा रहा है।पर्याप्त मात्रा में लाइटिंग की भी व्यवस्था होगी.

पाथवे निर्माण होने से लोग ई-रिक्सा से सीधे घाट तक पहुच सकेंगे।घुघड़ीटांड़-बाइपास से मुक्तिधाम होते हुए विष्णुपद तक पहुंचने वाला अप्रोच पथ इस पितृपक्ष मेला तक पूर्ण करवाने को कहा है। नए पथ के निर्माण से गयाजी आने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के क्रम में जल संसाधन विभाग के अभियंता ने बताया कि इस पथ की लंबाई करीब 450 मीटर और चौड़ाई करीब 12 मीटर है।प्रत्येक दिन अधिकारियों की टीम निर्माण कार्य की जांच कर रहे हैं। विष्णुपद तक बन रहे नए अप्रोच पथ में आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं को उमदा पार्किंग की व्यवस्था मिलेगी। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि यहां घुघड़ीटांड़ बाइपास के पास वाहनों की पार्किंग के लिए एक बड़ा एरिया को तैयार किया जा रहा है।इसके लिए बायपास रोड के दक्षिण ओर पूल निर्माण निगम के खाली पड़े जमीन को समतलीकरण करवाते हुए पार्किंग के रूप में प्रयोग किया सके इसके साथ ही निगम को निर्देश दिया गया कि मिट्टी भरवाकर इसका समतलीकरण करवाये। समतलीकरण के पश्चात लोग सीधे पूल के नीचे होते हुए नदी के समानांतर आते हुए मंदिर पहुच सकते हैं। यह रास्ता बनने से मंदिर तक लोग आसानी से पहुंच सकेंगे तथा बुजुर्ग व लाचार श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी। बाईपास पूल के ठीक नीचे वाले रास्ते को मोटरेबल बनाये।जल संसाधन विभाग गया के अभियंता ने बताया कि पथ के नीचे करीब 400 मीटर लंबा ड्रेनेज सिस्टम बनेगा, जो मनसरवा नाला को जोड़ेगा। इसके अलावे चहारदीवारी का निर्माण भी किया जाएगा। इस नए अप्रोच पथ का सीता पथ की तरह सौंदर्यीकरण होगा। नए अप्रोच पथ पर दो नए घाट भी बनेंगे। इन सभी कार्यो के लिए जल संसाधन विभाग के साथ आर सी डी, पुल निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग द्वारा समग्र रूप से तैयार कार्य योजना के तहत कार्य कर रही है। इस निरीक्षण के दौरान डीएम ने अनुमण्डल पदाधिकारी सदर को निर्देश दिया है कि नदी के तल में बॉस बल्ला पर लगाये गए दुकानों को हटवाए। इसके साथ ही निर्माणधीन एप्रोच रोड के रास्ते मे कही कोई लकड़ी का ढेर या दुकान नही लगावे इसे सुनिश्चित करे। इसके साथ ही कहा कि विष्णुपद शमसान घाट पास फैले यत्र तत्र लकड़ियों को हटवाए। नदी के तल में कोई भी दाह संस्कार कार्य नही करवाये, पूर्व से बने शेड में ही दाह संस्कार कार्य करवाये।देवघाट से शमशान घाट निरीक्षण में डीएम ने निर्देश दिया कि घाट पर टूटे टाइल्स को ठीक करवाये। घाट पर आए गंगाजल के कनेक्शन को ठीक करवाये। सभी नल एव टॉयलेट्स को फंक्शनल बनाये। घाट को सफाई की पिरि व्यवस्था रखे। इस अवसर पर नगर आयुक्त गया नगर निगम, अनुमण्डल पदाधिकारी सदर, कार्यपालक अभियंता जल संसाधन विभाग, वरीय उप समाहर्ता गण, नगर निगम के अधिकारीगण सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदर्श ग्राम खुर्दा में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का अभिनंदन लोगों ने किया गर्म जोशी के साथ भव्य स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा)।कुमारखंड प्रखंड के आदर्श ग्राम खुर्दा में शुक्रवार को रात करीब दस बजे पूर्णिया के नव निर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव 4 माह बाद अपने पैतृक गांव पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने सुभाष चंद्र बोस यूनिवर्सल स्कूल परिसर में नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया। सांसद पप्पू यादव का फूल माला, गुलदस्ता अंग वस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। युवाओं ने केवटगामा चौक पर से ही बैंड बाजे और आतिशबाजी के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।श्री यादव ने मौजूद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा लोकसभा में आपकी ताकत के बदौलत पहुंचा हूं। यहां के लोगों की दुआ और आशीर्वाद के बदौलत चुनाव के समय हर घर में मेरे जितने के लिए प्रार्थना और दुआ कर रहे थे। एक तरफ देश के बड़े-बड़े पॉलीटिशियन ताकतवर लोग धन बल सबका इस्तेमाल किया। लेकिन आप तमाम लोगों की दुआ और आशीर्वाद के बदौलत चुनाव जीत कर संसद भवन पहुंचा हूं । उन्होंने कहा 6 माह के अंदर हर तरफ विकास का काम होगा। हर युवाओं को चेहरे पर खुशी होगा गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का काम किया जाएगा।

श्रीं यादव ने कहा आप मेरे ईश्वर के समान है आप हमारे लाइफ लाइन है । आप लोगों की बदौलत ही देश का सेवा करने के लायक बनाया है। उन्होंने कहा शपथ लेने के बाद सबसे पहले हमारी मांग कोशि, सीमांचल के आजादी और विशेष पैकेज और के साथ-साथ है बिहार के लिए विशेष राज्य की दर्ज की मांग सदन में पहले दिन ही उठाने का काम किया हूं। हर युवाओं का आवाज सरकारों तक पहुंचाने का काम किया । अमीर गरीब जब न्याय के लिए एक कदम आगे बढ़ता है और अपनी खुशियों को ढूंढता है। एक ही उम्मीद जागती है जिसका नाम पप्पू यादव है। उन्होने सरकार पर भी तंज कसा है। मौके पर विनोद यादव, नूर आलम, सुशील यादव, कुंदन कुमार, मिथुन यादव, मनोज यादव, रतन यादव, नवीन कुमार, मोफिक आलम, राजीव बबलू, सिंटू कुमार, रणधीर कुमार, मिंटू कुमार सिंह, मुखिया तेज नारायण यादव, रामचंद्र मंडल, रणधीर यादव, अजय यादव मनोज यादव, मो० गियास, सिराजउद्दीन, फारूक आलम, बाबुल आलम समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

अनुकंपा के आधार पर 8 आश्रितों को जनवितरण प्रणाली के अनुज्ञप्ति की दी गई स्वीकृति

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। अनुकंपा के आधार पर जनवितरण प्रणाली की अनुज्ञप्ति को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आहुत की गई।बैठक में कुल 28 आवेदनों पर विचार किया गया। सभी आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के आधार पर 8 आवेदकों को अनुज्ञप्ति देने की स्वीकृति दी गई। स्वीकृति प्राप्त आवेदकों में जलालपुर प्रखंड के राकेश कुमार प्रसाद एवं प्रकाश कुमार सिंह, सदर प्रखंड के आशुतोष कुमार एवं प्रेम कुमार मांझी, पानापुर प्रखंड के सुरेंद्र साह, अमनौर प्रखंड की सीता देवी, मढ़ौरा प्रखंड के मुकेश कुमार एवं दरियापुर प्रखंड के मनोज कुमार राय शामिल हैं।

इसके साथ ही 4 आवेदनों को विभिन्न वैध कारणों से अस्वीकृत किया गया। 16 अन्य आवेदनों में जन्मतिथि एवं अन्य दस्तावेजों के सत्यापन/पुष्टि के उपरांत अग्रेतर कार्रवाई का निर्णय लिया गया। इनमें से कुछ आवेदनों में पुराने विद्यालय स्थानांतरण प्रमाण-पत्र में अंकित जन्मतिथि का मिलान आवेदक के पूर्व निर्गत मतदाता फोटो पहचान पत्र से कराने का निदेश दिया गया। जन्मतिथि के मिलान एवं अन्य दस्तावेजों के सत्यापन के आधार पर अगली बैठक में सभी लंबित आवेदनों पर विचार कर अंतिम निर्णय लिया जायेगा। बैठक में जिला आपूर्त्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर एवं मढ़ौरा जुड़े थे।

उचित दर से मुआवजा नहीं मिलने को लेकर भू स्वामियों ने दिघवारा-शेरपुर पुल का काम रोका

दिघवारा नगर।स्थानीय प्रखंड के दिघवारा नगर पंचायत में अवस्थित मौजा मीरपुर भुआल और सैदपुर दिघवारा में बनने वाले शेरपुर दिघवारा सिक्स लेन पुल को लेकर किए जा रहे भूमि अधिग्रहण का कड़ा विरोध न्यायालय से लेकर जमीनी स्तर पर हो रहा है।शनिवार को भू स्वामियों को जैसे ही अधिग्रहण में परने वाले जमीन में निर्माण कार्य की सूचना मिली काफी संख्या में भू स्वामी अपनी जमीनों पर पहुंच कर जेसीबी से कार्य कर रहे निर्माण कंपनी के कर्मियों को काम करने से रोक दिया,साथ ही भू स्वामियों ने कहा कि जबतक उनका नोटिस निबंधन विभाग में निर्धारित आवासीय मुख्य सड़क को श्रेणी से नही हो जाता तब तक को कोई कंपनी कर्मी या अन्य अधिग्रहित जमीन पर नहीं आए।भू स्वामियों के आक्रोश को देखते हुए काम करने पहुंचे सभी कर्मचारी बैरंग वापस लौट गए।अपनी मांग को दुहराते हुए सभी भू स्वामियों ने अपना मांग दोहराते हुए कहा जब तक उचित मुआवजा का नोटिस उन्हें प्राप्त नहीं होता तब तक पुल निर्माण के संदर्भ में कोई आगे पहल ना किया जाए । विदित हो कि इस अधिग्रहण में सरकारी मनमानी के खिलाफ कतिपय भू स्वामियों ने कमिश्नर कोर्ट में आर्बिटेशन बाद दाखिल किए थे।उन वादों की सुनवाई पश्चात सारण कमिश्नर के द्वारा आदेश जारी हुआ था।उक्त आदेश के आलोक में जिलाधिकारी ने विगत 4 माह पूर्व 15 फरवरी को दर निर्धारण की बैठक करते हुए सबंधित विभाग को भेजने का निर्देश भू अर्जन विभाग को दिया थे ।हालांकि इस बैठक में भी भू स्वामियों की उपस्थित नहीं होने और कमिश्नर के आदेश के हिसाब से त्रिपक्षीय वार्ता नहीं होने के कारण प्रस्तावित दर पर भी भू स्वामियों की आपत्ति बरकरार है।

बढ़ रहे अपराधिक घटनाओं को ले इंडिया गठबंधन के नेताओं ने निकाला प्रतिरोध मार्च

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। बिहार में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं, बेतहाशा महंगाई और विधि व्यवस्था सुधार को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने शनिवार को शहर में प्रतिरोध मार्च निकाला ' बता दें कि बिहार प्रदेश के इंडिया गठबंधन के आह्वान पर प्रतिरोध मार्च निकालकर केंद्र और राज्य सरकार के प्रति इंडिया गठबंधन के नेताओं ने विरोध जताया 'नगरपलिका चौक स्थित जिला परिषद कार्यालय के प्रांगण से इंडिया गठबंधन के नेताओं व कार्यकताओं ने लगभग 11 बजे अपराहन में शहर में विशाल प्रतिरोध मार्च निकाला। जिसमें भारी संख्या में राजद,कांग्रेस,सीपीआई,सीपीआई (एम) भाकपा माले एवं विकाशशील इंसान पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए 'प्रतिरोध मार्च नगरपालिका चौक, नगर थाना चौक होते हुए शहर में प्रदर्शन कर महागठबंधन के नेताओं का एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मिलकर बिहार में अप्रत्याशित रूप से रोज हो रही हत्याएं, अपहरण, बलत्कार, डकैती एवं लूट तथा गिरती विधि व्यस्था के खिलाफ एक ज्ञापन सौपा। संयुक्त प्रतिरोध मार्च में महागठबंधन के जिले के कई विधायक पूर्व मंत्री सहित भारी संख्या में इंडिया गठबंधन के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए ' इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कहा कि बिहार में अप्रत्याशित रूप से हो रही हत्याएं एवं चौपट विधि व्यस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन विरोध करती है।

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन का प्रतिरोध मार्च

गया।राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन के राज्यव्यापी प्रोटेस्ट मार्च के तहत आज गया में जोरदार प्रदर्शन किया गया है। गांधी मैदान मुख्य द्वार से निकला मार्च कचहरी होते हुए समाहरणालय पहुंचा जहां सभा का आयोजन किया गया है।इस मार्च का नेतृत्व राजद जिला अध्यक्ष मो. मुर्शीद आलम, सुभाष यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष गगन कुमार मिश्र, भाकपा माले जिला सचिव निरंजन कुमार, सीपीआई जिला सचिव सीताराम शर्मा, माकपा जिला सचिव राम खेलावन दास, वीआईपी के जिला अध्यक्ष राज किशोर साहनी कर रहे थे। इस दौरान 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा।नेताओं ने कहा की बिहार में इन दिनों जिस तरह से अपराध की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, उसे वर्तमान एनडीए सरकार रोकने में पूरी तरह असमर्थ साबित हुई है।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी.डि.) गौतमबुद्धनगर

उत्तराधिकार वाद संख्या-232 वर्ष 2024

अंजली पुत्री स्व. प्रमोद कुमार निवासी सुनपुरा, तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर

.....प्रार्थी

बनाम

विनोद कुमार पुत्र मुंशीराम निवासी ग्राम सुनपुरा, तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर

....विपक्षी

श्रीमान जी,

हरगाह वादी ने आपके विरुद्ध उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु वाद माननीय न्यायालय में दायर किया गया है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि **09.08.2024 को वक्त 10:30 बजे** दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जबाब दे सके जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो ऐसे सवालात का जबाब दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करें। आपको लाजिम है कि उसी राज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जबाबदेही के इस्तदमाल करना चाहते हो। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 07 सन 2024 का जारी किया गया।

आदेशानुसार/मुन्सरिम
सिविल जज (सी.डि.) न्यायालय
गौतमबुद्धनगर

एनिमल में रणबीर, शाहिद की कबीर सिंह जैसे किरदार 10-12 साल पहले कामयाब नहीं होते

2023 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक, रणबीर कपूर की एनिमल ने कैश रजिस्टर की धूम मचा दी, लेकिन आलोचकों और दर्शकों के एक वर्ग ने महिला विरोधी, हिंसक पुरुषों को हीरो बनाने के लिए इसकी आलोचना की। अब, ईटाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में, अभिनेता कुणाल कपूर ने फिल्म पर टिप्पणी की और कहा कि आज दर्शक सभी तरह के नायकों को स्वीकार करते हैं, कुछ साल पहले के विपरीत। कुणाल ने कहा, आज दर्शक हर तरह के हीरो को स्वीकार करते हैं। कबीर सिंह में शाहिद कपूर और एनिमल में रणबीर कपूर जैसे किरदार आपके सामने हैं। ये किरदार शायद 10-12 साल पहले कामयाब नहीं होते क्योंकि लोग हीरो से एक खास तरह की उम्मीद करते थे। हम जितना ज्यादा उस ढांचे को आगे बढ़ाएंगे, सबके लिए उतना ही बेहतर होगा। कुणाल ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी, तो कुछ खास तरह की फिल्में बनती थीं और हीरो से एक खास तरह का होने की उम्मीद की जाती थी। आपको एक सांचे में फिट होना पड़ता था, जो मैं नहीं कर पाया। आपको जिस तरह की फिल्में करनी थीं, उनसे कुछ खास उम्मीदें थीं। और मुझे वे फिल्में पसंद नहीं आईं। सौभाग्य से, जो हुआ है वह यह है कि अब सांचा बदल गया है और अलग-अलग तरह के किरदार लिखे जा रहे हैं और अलग-अलग कहानियां बनाई जा रही हैं। मैं इसी तरह के माहौल का आनंद लेता हूं। रणबीर के अलावा, संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एनिमल में अत्यधिक हिंसा है और कई लोगों ने इसे विषाक्त मर्दानगी का महिमामंडन करने के लिए आलोचना की थी।

सोशल मीडिया पर क्यों ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं प्राची

अभिनेत्री ने बताई इसके पीछे की वजह

बॉलीवुड अभिनेत्री प्राची देसाई को हाल ही में मनोज बाजपेयी की फिल्म 'साइलेंस 2' में देखा गया। प्राची देसाई ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। प्राची ने 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'एक विलेन', 'बोल बच्चन' और 'रॉक ऑन' जैसी फिल्मों में सफल भूमिका अदा की है। एक बातचीत में प्राची ने अपने व्यक्तित्व के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वह बहुत ही निजी व्यक्ति हैं। उन्हें पार्टी करना पसंद नहीं है। वह सोशल मीडिया से भी खुद को दूर रखती हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी पसंद के बारे में भी साझा किया।

प्राची को पसंद है प्राइवेसी

बातचीत के दौरान प्राची ने साझा किया कि उन्हें प्राइवेसी पसंद है। वह सोशल मीडिया पर भी बहुत सक्रिय नहीं रहना चाहतीं। उन्होंने कहा, कई बार मेरे दोस्त मुझसे कहते हैं कि मुझे सोशल मीडिया पर ज्यादा सक्रिय रहना चाहिए, लेकिन मुझे प्राइवेसी पसंद है। उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ वर्षों में, मैं बहुत ज्यादा काम नहीं कर रही थी, क्योंकि मैं एक जैसे रोल से ऊब गई थी। जब मेरे पास दिलचस्प प्रोजेक्ट आए, तो महामारी आ गई और सभी को दो साल का ब्रेक लेना पड़ा।'

'साइलेंस 1' और 'साइलेंस 2' ने दिया मौका

एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने साझा किया कि वह वेब सीरीज की प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनकर कितनी खुश हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'महामारी के दौरान और उसके बाद, ओटीटी ने लेखकों, निर्देशकों, नए लोगों और यहां तक कि मनोज बाजपेयी और विजय वर्मा जैसे अभिनेताओं के लिए भी सब कुछ बदल दिया, जो जाने-माने नाम थे', लेकिन 'साइलेंस 1' और 'साइलेंस '2' ने मुझे बाधाओं को तोड़ने और कुछ अलग करने का मौका दिया।'

प्राची देसाई का वर्क फंट

प्राची देसाई के वर्कफंट की बात करें, तो अभिनेत्री ने वर्ष 2006 में एकता कपूर के सीरियल कसम से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 2008 में फिल्म रॉक ऑन के साथ फिल्मों में कदम रखा। रॉक ऑन के बाद प्राची ने 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' सुपरहिट फिल्म में काम किया, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इस फिल्म में प्राची के अलावा अजय देवगन, इमरान हाशमी थे। हाल ही में अभिनेत्री 'साइलेंस 1' और 'साइलेंस 2' में नजर आई हैं।

छह साल बाद फिर से साथ नजर आएगी जान्हवी कपूर-ईशान खट्टर की जोड़ी!

जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर ने अपने फिल्म करियर की शुरुआत एक साथ फिल्म धड़क से की थी। फिल्म की कहानी से लेकर इसके गाने लागों के बीच बेहद प्रसिद्ध हुए थे। इस फिल्म में दोनों की लाजवाब जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक बार फिर से जान्हवी और ईशान एक फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म को नीरज घायवान निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक बार फिर से जान्हवी और ईशान आगामी फिल्म में अपनी शानदान ऑनस्क्रीन जोड़ी से दर्शकों का दिल धड़काएंगे। हो सकता है कि यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के तहत बनाई जाए। फिल्म का नाम अभी तक तय नहीं हुआ है और ना ही फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा हुई है। जान्हवी और ईशान ने साल 2018 में करण जौहर और शशांक खेतान की फिल्म धड़क से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उनकी पहली फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा और फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों भरपूर प्यार मिला था। अब यह जोड़ी अपने बॉलीवुड डेब्यू के छह साल बाद बड़े पर्दे पर फिर से साथ आने के लिए तैयार है, करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नीरज घायवान इस जोड़ी के लिए एक रोमांचक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

वर्दी पहनकर जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे शाहिद

शाहिद कपूर एक और एक्शन पैक्ड फिल्म के साथ पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। शाहिद कपूर देवा के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के बाद से वो किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं, ऐसे में इस अपकमिंग फिल्म ने उनके प्रशंसकों को बेसब्र किया है। यह फिल्म 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने रिलीड डेट के साथ शाहिद कपूर का लुक भी रिवील कर दिया है। जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर देवा का निर्माण कर रहे हैं। सामने आए पोस्ट में शाहिद कपूर ने अपनी एक तस्वीर दिखाई है, जिसमें वो बुलेट प्रूफ जैकेट पहने दिख रहे हैं। उनके हाथ में बंदूक है, जिसे देखकर जाहिर हो रहा है कि वो किसी घटना स्थल पर जहां फायरिंग हो रही है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, देवा के रोमांच का अनुभव करें, क्योंकि यह पावर-पैक एक्शन थ्रिलर 14 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी! शाहिद कपूर के इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उत्साहित नजर आ रहे हैं। देवा का निर्देशन प्रशंसित मलयालम फिल्म निर्देशक रोशन एंड्रयूज ने किया है और इसका निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है। देवा रोमांच, ड्रामा और एक्शन पैक्ड फिल्म है। ये फिल्म एक रोलर-कोस्टर राइड का वादा करती है। शाहिद कपूर एक शानदार लेकिन विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जबकि पूजा हेगड़े एक पत्रकार की भूमिका में प्रमुख महिला हैं।

नागवधू में बोल्ड सीन्स को लेकर पहले डरी हुई थीं सुबुही जोशी

मशहूर एक्ट्रेस सुबुही जोशी टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज नागवधू- एक जहरीली कहानी में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है। सीरीज में उनके काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं। नागवधू- एक जहरीली कहानी में सुबुही जोशी नई दुल्हन आभा के किरदार में हैं। सुबुही ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे। लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमेंट्स मिले हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है। दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया। सुबुही ने कहा कि वह सभी तरह के प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नागवधू जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है। ऑन-स्क्रीन बोल्ड कंटेंट के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, आजकल बोल्ड कंटेंट को इसलिए स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा खुले हैं। लोग इसे लेकर काफी सहज हैं, हालांकि अभी भी कुछ जगहें ऐसी हैं जहां इसे ज्यादा पसंद नहीं किया जाता क्योंकि परिवार एक साथ शो देखना चाहता है।

मेलबर्न में यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय अभिनेता बने रामचरण

ऑस्कर विजेता फिल्म आरआरआर के अभिनेता साउथ सुपरस्टार के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। राम चरण को मेलबर्न के भारतीय फिल्म फेस्टिवल में भारतीय कला और संस्कृति के राजदूत से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वाले वह पहले भारतीय हैं। आईएफएफएम विक्टोरियन राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला आधिकारिक फिल्म महोत्सव है। इस साल यह 15-24 अगस्त तक चलेगा। भारतीय फिल्म फेस्टिवल मेलबोर्न ने इस बार राम चरण को राजदूत गेस्ट घोषित किया है। साथ ही अभिनेता को इंडियन सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए भारतीय कला और संस्कृति के राजदूत से सम्मानित किया जाएगा। इसी के साथ राम चरण यह सम्मान पाने वाले इंडियन सिनेमा के पहले एक्टर बन गए हैं। राम चरण की पिछली फिल्म आरआरआर थी, जिसने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था। फेस्टिवल में हिस्सा लेने को लेकर राम चरण बेहद खुश हैं।

ब्रेकअप की अफवाहों के बीच अर्जुन कपूर ने साझा किया पोस्ट

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के ब्रेकअप की अफवाहों से सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि, दोनों की तरफ इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते के बारे में हिंट देते हुए पोस्ट किए हैं। हाल ही में अर्जुन कपूर ने दर्द से निपटने और सकारात्मक रहने के बारे में अपने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया है। आइए जानते हैं अर्जुन ने इस नोट में क्या लिखा?

अर्जुन कपूर ने साझा किया क्रिप्टिक पोस्ट

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया है, जिसमें लिखा, पॉजिटिव रहने का मतलब यह नहीं है कि चीजें ठीक हो जाएंगी। बल्कि, इसका मतलब यह है कि आप जानते हैं कि चीजें चाहे जैसे भी हों, आप ठीक रहेंगे।' वहीं, कुछ दिनों पहले अभिनेता ने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा था, 'हमारे पास जीवन में दो विकल्प हैं। हम अपने अतीत के कैदी हो सकते हैं या भविष्य की संभावनाओं के खोजकर्ता हो सकते हैं।'

मलाइका ने भी साझा किया था पोस्ट

वहीं, दूसरी ओर अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने भी रहस्यमयी पोस्ट साझा किया था, उन्होंने लिखा था, 'जब वे कहते हैं कि आप ऐसा नहीं कर सकते, तो इसे दो बार करें और तस्वीरें लें।' साल 2018 ले अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा के डेटिंग की खबरें आ रही हैं। हालांकि, दोनों ही सितारों ने कभी भी अपने रिश्ते को लेकर कोई बात नहीं की, लेकिन वह अपनी छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करते रहें और साथ ही एक-दूसरे को जन्मदिन की बधाई देते रहें। अर्जुन कपूर के वर्क फंट की बात करें तो वह मुदस्सर अजीज की फिल्म 'मेरी पत्नी' के रीमेक में नजर आएंगे। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में हैं। वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन का भी हिस्सा हैं, जिसमें अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, रणवीर सिंह और अक्षय कुमार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

शूटिंग खत्म करने के कगार पर पहुंची कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही थी। मणिरत्नम के निर्देशन में बन रही फिल्म ठग लाइफ पर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिसमें अभिनेता सिम्बू फिल्म के सेट पर मौजूद नजर आए थे। वहीं अब फिल्म के बारे में नई जानकारियां सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब यह परियोजना पूरी होने की कगार पर पहुंच चुकी है। अगर नई जानकारी पर विश्वास किया जाए तो कमल हासन और मणिरत्नम की महत्वाकांक्षी परियोजना 2024 की दूसरी छमाही तक सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक मणिरत्नम और उनकी टीम अगस्त 2024 तक कमल हासन अभिनीत फिल्म की शूटिंग पूरी करने की योजना बना रही है। कहा जा रहा है कि अब तक लगभग 75 प्रतिशत फिल्मांकन पूरा हो चुका है। कमल हासन के साथ सिलंबरासन और अशोक सेलवन के फिल्म के अंतिम शेड्यूल में शामिल होने की उम्मीद है, जो जल्द ही रूस में फ्लोर पर जाएगी। बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म के बाकी 25 प्रतिशत हिस्से को आगामी रूस शेड्यूल में फिल्माए जाने की उम्मीद है। अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो टीम अगस्त 2024 के अंत तक बहुप्रतीक्षित परियोजना की पूरी शूटिंग पूरी कर लेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेखक-निर्देशक मणिरत्नम और उनकी टीम ने ठग लाइफ के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है।

सेंसेक्स
80604.32 पर बंद
निफ्टी
24530.08 पर बंद

सोना
72,140
चांदी
91,034

संक्षिप्त समाचार

दिवालिया कार्यवाही के चलते बंद हो जाएगी बायजू, हाईकोर्ट से बोले रवींद्रन

नईदिल्ली, एजेंसी। कभी सबसे मूल्यवान स्टार्टअप रही बायजू पर अब पूरी तरह बंद होने का संकट मंडरा रहा है। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी के संस्थापक एवं सीईओ बायजू रवींद्रन ने कर्नाटक हाईकोर्ट में दायर याचिका में बायजू के बंद होने की आशंका जताई है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 158.9 करोड़ रुपये नहीं चुकाने पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की याचिका पर बायजू के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी है। रवींद्रन ने इसके खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें कहा गया है कि दिवालिया कार्यवाही चलती रही तो कंपनी के हजारों कर्मियों को नौकरी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा। इससे शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी की सेवाएं पूरी तरह बंद हो जाएगी। रवींद्रन के काउंसिल एमजेडएम लीगल ने 452 पेज की याचिका में कहा, दिवालिया कार्यवाही की वजह से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के मेंटेनेंस के लिए बायजू को सेवा देने वाले वेंडर को भी डिफॉल्टर घोषित करना होगा। इससे सारा ऑपरेशन ठप हो जाएगा। दिवालिया कार्यवाही शुरू होने के साथ बायजू की संपत्तियां अटैच कर ली गई हैं। इसके बोर्ड को भी निलंबित कर दिया गया है। बायजू के पास अभी 27 हजार कर्मचारी हैं, जिनमें 16,000 शिक्षक शामिल हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट मामले की सुनवाई सोमवार को करेगा। रवींद्रन ने 90 दिनों के भीतर बकाया भुगतान की इच्छा जताई है।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम का जून तिमाही में शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 5,445 करोड़ रुपए पर

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी जून तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टेलिकॉम विंग, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड को 5445 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। इससे पहले कंपनी ने पिछली तिमाही में 5,337 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हासिल किया था, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में 4,863 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। जून तिमाही में जियो का ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 26,478 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछली तिमाही में 25,959 करोड़ रुपए और पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 24,042 करोड़ रुपए था।

बचत के लिए बैंकों से दूरी बना रहे लोग, म्यूचुअल फंड जैसी स्कीम आ रही पसंद: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। लोगों को निवेश के लिए बैंक जैसे पारंपरिक साधन रास नहीं आ रहे हैं। शायद यही कारण है कि वे उससे दूरी बना रहे हैं। वहीं बचत को बैंकों के बजाय कैपिटल मार्केट में निवेश करना पसंद कर रहे हैं। ये बातें आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बीएफएसआई शिखर सम्मेलन 2024 में कहीं। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आम लोग जो परंपरागत रूप से अपनी बचत को निवेश करने के लिए बैंकों पर निर्भर थे, वे अब तेजी से कैपिटल मार्केट की ओर रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति घरेलू निवेशों जैसे म्यूचुअल फंड और अन्य बचत साधनों में दिखाई दे रही है। लोग पारंपरिक निवेश साधनों से दूर जा रहे हैं। बैंक जमा का हिस्सा घट रहा है, क्योंकि परिवार तेजी से अपनी बचत म्यूचुअल फंड, बीमा फंड और पेंशन फंड में आवंटित कर रहे हैं।

लोन की ग्रोथ, डिपॉजिट ग्रोथ से अधिक नहीं हो

शक्तिकांत दास ने कहा कि डिपॉजिट ग्रोथ के मुकाबले क्रेडिट ग्रोथ बहुत ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बैंकों ने अन्य सोर्सेज पर निर्भरता बढ़ाकर क्रेडिट और डिपॉजिट के अंतर को कम करने की कोशिश की है। इससे ब्याज दरों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है और लिक्विडिटी मैनेजमेंट के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं।

गवर्नर ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस बैंक तय सीमा से अधिक ब्याज ले रहे हैं। बैंकों को ग्राहकों को जोड़ने की प्रक्रिया में सुधार की जरूरत है और बैंक, एनबीएफसीएस को साइबर सिक्योरिटीज पर और खर्च करने की जरूरत है। इसके अलावा ट्रांजैक्शन मॉनिटरिंग को मजबूत करने पर काम जारी रखा जाए। अर्थव्यवस्था ने भरी तेजी से उड़ानगवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि केंद्रीय बैंक पूरी तरह आश्वस्त है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत का आर्थिक विकास दर का अनुमान पूरा हो जाएगा इसके अलावा दास ने कहा कि कारोवारी घरानों को बैंक खोलने की अनुमति देने से हितों के टकराव और संबंधित पक्षों के लेनदेन से जुड़ा जोखिम बढ़ जाता है आरबीआई ने लगभग एक दशक पहले कई बड़े कारोबारी समूहों को नए बैंकों का लाइसेंस देने के अयोग्य घोषित कर दिया था।

विप्रो को 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा, साल भर में 33 प्रतिशत चढ़े कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो को 30 जून 2024 को खत्म हुई तिमाही में 3003 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले विप्रो का मुनाफा 4.6 पर्सेंट बढ़ा है। विप्रो को पिछले साल की जून तिमाही में 2870 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। विप्रो के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 2.78 पर्सेंट की गिरावट के साथ 557.25 रुपये पर बंद हुए हैं। दिन के कारोबार के दौरान विप्रो के शेयर 52 हफ्ते के नए हाई 580 रुपये पर भी पहुंचे। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में विप्रो का रेवेन्यू 21964 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले कंपनी का रेवेन्यू 4 पर्सेंट घटा है। पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में विप्रो का रेवेन्यू 22831 करोड़ रुपये था। 30 सितंबर 2024 को खत्म होने वाली तिमाही के लिए अपने गाइडेंस में विप्रो ने कहा है कि आईटी सर्विसेज बिजनेस सेगमेंट का रेवेन्यू 2600 से 2652 मिलियन डॉलर की रेंज में रह सकता है। विप्रो के शेयर पिछले एक साल में 33 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 19 जुलाई 2023 को 417.80 रुपये पर थे।

पेटीएम निवेशकों को लगा झटका, जून तिमाही में 840 करोड़ रुपये का हुआ घाटा, आरबीआई के फैसले का दिखा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम की मालिकाना हक वाली कंपनी वन कम्युनिकेशंस का घाटा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में बढ़कर 840 करोड़ रुपये हो गया। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 358.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। पेटीएम के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 3.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 458.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान पेटीएम के शेयरों का भाव 10 प्रतिशत बढ़ा है। पेटीएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी नेट इनक 33.48 प्रतिशत घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,464.2 करोड़ रुपये था।

पेटीएम के प्रवक्ता ने घाटे में बढ़ोतरी और राजस्व में गिरावट के लिए मुख्य रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सहयोगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण कारोबार में आई बाधा को जिम्मेदार ठहराया।

प्रवक्ता ने कहा, इसके लिए (राजस्व में कमी और घाटे में वृद्धि)तीन कारक जिम्मेदार हैं। यह मुख्य रूप से वॉलेट जैसे पीपीबीएल उत्पादों के कारण व्यवधान हैं। हमने वॉलेट और कुछ उत्पादों का उपयोग बंद कर दिया है। कंपनी ने कुछ ऐसे उत्पादों पर भी अस्थायी रूप से रोक लगा दी है, जिनके बारे में उद्योग स्तर पर नियामकों को चिंता हो सकती है। प्रवक्ता के अनुसार, पहली तिमाही में पीपीबीएल व्यवधान का प्रभाव समाप्त हो गया है ।

स्मार्टफोन बाजार पर चीन का कब्जा, शायोमी फिर बना नंबर 1, तीसरे नंबर पर खिसकी सैमसंग

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के मोबाइल ब्रांड शायोमी ने एक बार फिर भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपनी धाक जमा ली है। इस ब्रांड में छह तिमाहियों बाद भारत के स्मार्टफोन बाजार में फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। जून तिमाही में शायोमी ने कोरिया की कंपनी सेमसंग को पीछे छोड़ दिया। सैमसंग अब वीवो के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई है। शायोमी की शिपमेंट में सालाना आधार पर सबसे ज्यादा 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में शायोमी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 15 प्रतिशत थी। वीवो दूसरे स्थान पर रहा। चार फीसदी की सालाना ग्रोथ के साथ उसकी बाजार हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पर बनी रही। तीसरे स्थान पर काबिज सेमसंग की शिपमेंट में 8 प्रतिशत की गिरावट आई

और उसकी बाजार हिस्सेदारी 17 प्रतिशत रही। रियलमी और ओप्पो क्रमशः 12 प्रतिशत और 11 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। आंकड़ों के मुताबिक, जून तिमाही में कुल मोबाइल शिपमेंट में सालाना आधार पर मामूली 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 36.4 मिलियन यूनिट रही। रिसर्च फर्म का अनुमान है कि आगामी त्योहारी सीजन और पूरे साल के दौरान शिपमेंट में 5 प्रतिशत से कुछ अधिक की ग्रोथ हो सकती है। दूसरी तिमाही में शिपमेंट में सपाट ग्रोथ रही। आम चुनाव, कमजोर मौसमी मांग और देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण ऐसा हुआ।

सस्टेनेबल माइनिंग में अग्रणी कदम - सतना के खनन परिचालन में इलेक्ट्रिक डम्पर का समावेश

सतना। वर्तमान में भारतीय खनन उद्योग, पर्यावरणीय स्थिरता एवं परिचालन दक्षता की चुनौतियों से जूझ रहा है इन चुनौतियों के मद्देनजर हमने अपनी सतना खदान में इलेक्ट्रिक डम्पर (70 टन क्षमता - बैटरी संचालित) का शुभारंभ किया हैढ्ढ इसका उद्घाटन श्री रजत फ्रस्टी (प्रमुख-विनिर्माण अवं परियोजना) के द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री सुनील सूद (इकाई प्रमुख-सतना सीमेंट वर्क्स), एवं माइनिंग टीम मौजूद रहीढ्ढ डम्पर का नवीनतम डिज़ाइन एवं शून्य उत्सर्जन प्रणाली उपकरण को कार्य क्षेत्र के लिए पर्यावरण अनुकूल बनाता हैढ्ढ इसकी उन्नत विद्युत प्रणोदन प्रणाली न केवल इष्टतम प्रदर्शन सुनिश्चित करती है बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी काफी कम करती है। यह बिड़ला कॉरपोरेशन लिमिटेड, इकाई-सतना सीमेंट वर्क्स, सतना, को चूना पत्थर खनन में इस श्रेणी के इलेक्ट्रिक डम्पर का उपयोग करने वाली भारत की पहली कंपनी बनाती है। इलेक्ट्रिक डंपरों की शुरूआत हरित और सस्टेनेबल माइनिंग की दिशा में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमेजन इंडिया ने शॉपिंग इवेंट - प्राइम डे का शुभारंभ किया

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने अपने प्राइम मेंबर्स के लिए बहुप्रतीक्षित दो दिन तक चलने वाले शॉपिंग इवेंट - प्राइम डे का शुभारंभ किया है। इसमें ग्राहक शानदार डील्स और ऑफ़र एक्सप्लोर कर सकते हैं और खुशी की खोज कर सकते हैं। यह शॉपिंग इवेंट 20 जुलाई की मध्य रात्रि 12:00 बजे शुरू होगा और 21 जुलाई को रात 11:59 बजे तक चलेगा, जिसमें ग्राहक दो दिनों तक शानदार डील्स, नए लॉन्च और रोमांचक ऑफ़र का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। हमारे प्राइम मेंबर्स ज्यादा बचत, बेहतरीन डील, प्रमुख ब्रांड्स के नए उत्पाद, छोटे और मध्यम व्यवसायों, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन और अन्य के साथ आनंद की खोज करने के लिए तैयार रहें।

प्राइम डे 2024 के लिए अमेज़ॅन पे के रोमांचक ऑफर

नई दिल्ली , एजेंसी। अपने कैलेंडर चिह्नित करें और 20 और 21 जुलाई को प्राइम डे नजदीक आने पर खरीदारी का बेहतरीन अनुभव प्राप्त करने के लिए तैयार हो जाएं। इस प्राइम डे, रोमांचक नए उत्पाद लॉन्च, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन सामग्री और कुछ बेहतरीन सौदों के लिए तैयार हो जाएं। साल का। अमेज़ॅन पे के साथ, आपको आनंद, बचत और पुरस्कार से भरे प्राइम डे अनुभव की गारंटी है। यहां बताया गया है कि अमेज़ॅन पे आपका अंतिम प्राइम डे साथी क्यों है- प्राइम डे आ गया है और अमेज़ॅन पे के साथ, आप ऑफ़र को और भी बेहतर बना सकते हैं!

डिस्कवर जॉयः अमेजन इंडिया ने की प्राइम डे 2024 डील्स की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन इंडिया ने आज इस प्राइम डे के लिए शानदार डील्स, नए लॉन्च और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन लाइनअप की घोषणा की, जो 20 और 21 जुलाई को होगा। इस कार्यक्रम में अक्षय साही, हेड ऑफ अमेजन प्राइम, डिलीवरी और रिटर्न अनुभव, इंडिया और उभरते बाजार; अभिनव अग्रवाल, निदेशक और हेड ऑफ प्राइम, अमेजन इंडिया; मनीष मेंघानी, निदेशक ङ्क कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया और रंजीत बाबू, निदेशक, वायरलेस और टीवी, अमेजन इंडिया सहित अमेजन प्राइम और प्राइम वीडियो के लीडर्स शामिल हुए।

ऑनर ने भारत में ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की

एआई-पॉवर्ड स्टूडियो-लेवल पोर्ट्रेट फोटोग्राफी द्वारा मोबाईल इमेजिंग को आधुनिक बनाया

मुंबई, एजेंसी। ऑनर ने भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए आज ऑनर 200 सीरीज़ लॉन्च की। यह इसकी प्रतिष्ठित नंबर सीरीज़ में सबसे नया लॉन्च है। इस सीरीज़ में ऑनर 200 प्रो 5जी और ऑनर 200 5जी हैं जो पॉवर और क्रिएटिविटी के दायरे बढ़ाकर ग्राहकों को अत्याधुनिक एआई पॉवर्ड पोर्ट्रेट क्षमताएं, आकर्षक डिस्प्ले, मजबूत हार्डवेयर परफॉर्मेंस, और इन्ट्यूटिव यूज़र केंद्रित एआई अनुभव प्रदान करेंगे।

इस लॉन्च के बारे में श्री सी. पी. खंडेलवाल, जॉईंट मैनेजिंग डायरेक्टर, एचटेक ने कहा ऑनर 200 सीरीज़ का लॉन्च भारत में स्मार्टफोन का अत्याधुनिक अनुभव प्रदान करते रहने के हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी अत्याधुनिक एआई-पॉवर्ड पोर्ट्रेट फोटोग्राफी, बेहतर डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, और शानदार परफॉर्मेंस के साथ ऑनर 200 सीरीज़ स्मार्टफोन उद्योग में नए मानक स्थापित कर देगी। हम इनोवेटिव उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा ही न करें, बल्कि उनसे बढ़कर प्रदर्शन करें। ऑनर

200 सीरीज़ हमारी इस प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। हम भारत में ये अत्याधुनिक डिवाईस पेश करने के लिए उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि ये हमारे यूज़र्स के जीवन में परिवर्तन ला देंगी।''

ऑनर 200 प्रो 5जी दो खूबसूरत रंगों - ओशन स्यान और ब्लैक में 57,999 रुपये में 20 जुलाई अर्द्धरात्रि 12 बजे से अमेज़न.इन पर, ब्रांड की वेबसाईट पर और आपके नजदीकी मेनलाइन रिटेल स्टोर्स पर मिलना शुरू होगा। 20 और 23 जुलाई को यह स्मार्टफोन खरीदने वाले सभी ग्राहकों को 8000 रुपये की तत्काल छूट मिलेगी। आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3000 रुपये की अतिरिक्त छूट मिलेगी। इसके अलावा ग्राहकों को कुछ चुनिंदा मेनलाइन स्टोर्स में 8,499 रुपये मूल्य के मुफ़्त ऑनर उपहार मिलेंगे या इसके बदले 2000 रुपये की तत्काल कूपन छूट दी जाएगी। ऑनर 200 5जी भी दो रंगों के विकल्पों - मूनलाईट व्हाईट और ब्लैक में उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन दो वैरिएंट्स में मिलेगा। इसके 12जीबी512जीबी वैरिएंट का मूल्य 39,999 रुपये और 8जीबी256जीबी वैरिएंट का मूल्य 34,999 रुपये होगा। यह स्मार्टफोन 20 जुलाई अर्द्धरात्रि 12 बजे से अमेज़न.इन पर, ब्रांड की वेबसाईट और आपके नजदीकी मेनलाइन रिटेल स्टोर्स पर मिलना शुरू होगा। 20 और 23 जुलाई को यह स्मार्टफोन 2000 रुपये के बैंक ऑफर और 1000 रुपये की तत्काल छूट के साथ मिलेगा।

मानसून में 3 चीजों को खायें और 3 से करें परहेज़: डॉ. रोहिणी पाटिल

मुंबई, एजेंसी। मानसून के आने से हम सभी को चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत मिलती है लेकिन इस मौसम में सेहत की कुछ महत्वपूर्ण समस्यायें भी सामने आती हैं। मौसम बदलने और लगातार बारिश के कारण लोग अक्सर स्वास्थ्य की विभिन्न समस्याओं से गुजरते हैं। इन समस्याओं में डेंगू, टाइफाइड, पेट के संक्रमण, श्वसन-तंत्र की परेशानियाँ और त्वचा की दिक्कतें आदि शामिल हैं। मानसून का असर इम्युनिटी पर भी हो सकता है और ऐसे में संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेना जरूरी हो जाता है। एमबीबीएस और न्यूट्रीशनिस्ट डॉ. रोहिणी पाटिल बादाम, ताजे फल और मौसमी सब्जियों जैसे पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपने रोजाना के आहार में शामिल करने की सलाह दे रही हैं। उनका कहना हैकि इन चीजों में जरूरी पोषक-तत्व होते हैं, जो न सिर्फ ऊर्जा बढ़ाते हैं, बल्कि इम्युनिटी को भी मजबूत करते हैं। इस लेख में डॉ. पाटिल ने मानसून के दौरान खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने ऐसे फूड से बचने की भी सलाह दी है जिन्हें मानसून में खाना नुकसानदेह हो सकता है।

करूर वैश्य बैंक ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। करूर वैश्य बैंक ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है, जिसमें विभिन्न मापदंडों पर प्रभावशाली वृद्धि और ठोस प्रदर्शन देखा गया है। कुल व्यवसाय में वर्ष-दर-वर्ष 15.16 प्रतिशत और तिमाही में 4.00 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह 170,059 करोड़ तक पहुंच गया। जमाराशि वर्ष-दर-वर्ष 14.41 प्रतिशत बढ़कर 92,349 करोड़ हो गई, जबकि ऋण पुस्तिका वर्ष-दर-वर्ष 16.06 प्रतिशत बढ़कर 77,710 करोड़ हो गई। बैंक के चालू खाता और बचत खाता जमाराशि में 5.62 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई, जिसमें सीएएसए अनुपात 30.37 प्रतिशत रहा।

करूर वैश्य बैंक का शुद्ध लाभ तिमाही के लिए वर्ष-दर-वर्ष 27.86 प्रतिशत बढ़कर 459 करोड़ हो गया। प्री-प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट वर्ष-दर-वर्ष

15.12 प्रतिशत बढ़कर 746 करोड़ हो गया। शुद्ध ब्याज मार्जिन 4.13 प्रतिशत रहा और अन्य आय वर्ष-दर-वर्ष 16.52 प्रतिशत बढ़ी। तिमाही के लिए लागत-आय अनुपात 47.20 प्रतिशत था, जबकि संपत्ति पर वापसी और इक्विटी पर वापसी क्रमशः 1.70 प्रतिशत और 17.33 प्रतिशत थे। बैंक ने 1.32 प्रतिशत के सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों और 0.38 प्रतिशत के शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों के साथ मजबूत परिसंपत्ति गुणवत्ता बनाए रखी। करूर वैश्य बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्री रमेश बाबू बी ने बैंक की निरंतर वृद्धि की दिशा में विश्वास व्यक्त किया, और आरएएम वर्टिकल्स में समावेशी वृद्धि पर जोर दिया। बेसल दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.47 प्रतिशत था, जिसमें सीईटी 1 अनुपात 15.58 प्रतिशत था। बैंक की बैलेंस शीट का आकार वर्ष-दर-वर्ष 15.08 प्रतिशत बढ़कर 108,874 करोड़ हो गया।

तैयार हो गई गौतम गंभीर की कोचिंग टीम!

टी. दिलीप दोबारा फील्डिंग कोच, सपोर्ट स्टाफ में दो बड़े नाम की एंट्री,

मुंबई (एजेंसी)। अपनी अगुवाई में पहली टीम घोषित करने के बाद अब किसी भी पल हेड कोच गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ का ऐलान हो सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने गंभीर के नामों पर मुहर लगा दी है, बस घोषणा का इंतजार है। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी अभिषेक नायर और नीदरलैंड्स के दिग्गज क्रिकेटर रहे रेयान टेन डोशेट भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने के लिए तैयार हैं। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में फील्डिंग कोच रहे टी दिलीप अपनी पोजिशन पर बरकरार रहेंगे। दिलीप प्रभावी फील्डिंग कोच के साथ-साथ ड्रेसिंग रूम के माहौल को भी सकारात्मक बनाए रखने के लिए पहचाने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि वह टीम बॉन्डिंग अभ्यास में बहुत अच्छे हैं, जिसे अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में खिलाड़ियों के लिए एक अहम जरूरत की तरह देखा जाता है।

बॉलिंग कोच पर फंसा पेंच

हमारे सहयोगी क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक अभिषेक नायर और टेन डोशेट दोनों को असिस्टेंट कोच बनाया जाएगा। नए गेंदबाजी कोच को लेकर कुछ अस्पष्टता बनी हुई है, लेकिन साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल एक मजबूत उम्मीदवार हैं और गौतम गंभीर उनके लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा चुके हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा तो मोर्कल ही भारत के अगले बॉलिंग कोच होंगे। मोर्कल कब और कैसे टीम के साथ जुड़ेंगे इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। मगर क्रिकबज इस बात की पुष्टि करता है कि बीसीसीआई और उनके बीच इस रोल को लेकर बातचीत हुई है।

मैंने तीन मैच में 13 विकेट लिए और क्या चाहते हो...

मोहम्मद शमी ने इशारों ही इशारों में विराट-शास्त्री को सुना दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे सफल भारतीय बॉलर का जिक्र छिड़ेगा तो मोहम्मद शमी याद आएंगे। किसी भारतीय बॉलर ने वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी से ज्यादा विकेट नहीं लिए हैं। वर्ल्ड कप के इतिहास में शमी के नाम 55 विकेट हैं, जो उन्हें इस टैली में एशिया का तीसरा तो दुनिया का पांचवां सबसे सफल गेंदबाज बनाता है। वह विश्व कप में चार बार पांच विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। फिर भी आईसीसी टूर्नामेंट के पिछले तीन एडिशन में भारत की प्लेइंग इलेवन में उन्हें मुश्किल से जगह दी जाती है। भारत ने पिछले तीन विश्व कप में 28 मैच खेले है, जिसमें शमी को सिर्फ 18 मुकाबले खिलाए गए, जिनमें से भारत ने 15 मैच जीते। एक पॉडकास्ट पर जवाब देते हुए शमी ने कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है।

इशारों ही इशारों में कोहली-शास्त्री पर निशाना – एक यूट्यूब शो अनप्लग्ड पर बात करते हुए शमी ने माना कि 2019 में टीम मैनेजमेंट के रुख ने उन्हें हैरान कर दिया था। उन्होंने सवाल किया कि हर टीम को अच्छे प्रदर्शन करने वालों की आवश्यकता होती है, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बावजूद उनके प्रदर्शन को नजरअंदाज क्यों किया गया।

ओलंपिक में भाग लेंगे 117 भारतीय

इस राज्य से इतने खिलाड़ी और इन खेलों में लेगें हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं। सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है। ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है। सूची में सर्वाधिक 29 (11 महिला और 18 पुरुष) खिलाड़ी एथलेटिक्स के हैं। उनके बाद निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) का नंबर आता है। टेबल टेनिस में भारत के आठ जबकि बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु सहित सात खिलाड़ी भाग लेंगे। कुश्ती (6), तीरंदाजी (6) और मुक्केबाजी (6) में छह-छह खिलाड़ी ओलंपिक में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद गोल्फ (4), टेनिस (3), तैराकी (2), सेलिंग (2) का नंबर आता है। घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन में एक-एक खिलाड़ी भाग लेंगे। निशानेबाजी दल में 11 महिला और 10 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू दल में शामिल एकमात्र भारोत्तोलक हैं। वह महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करेंगी।

खिलाड़ियों की पूरी लिस्ट

पंजाब
- अक्षदीप सिंह, एथलेटिक्स – पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक
- तजिंदरपाल सिंह तूर, एथलेटिक्स – पुरुष शॉट पुट
- विकास सिंह, एथलेटिक्स – पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक
- गगनजीत भुल्लर, गोल्फ – पुरुष व्यक्तिगत
- गुरजंत सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- हार्दिक सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- हरमनप्रीत सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- जर्मनप्रीत सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- जुगराज सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- कृष्ण बहादुर पाठक, पुरुष हॉकी टीम
- मनदीप सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- मनप्रीत सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- शमशेर सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- सुखजीत सिंह, पुरुष हॉकी टीम
- अंजुम मोदगिल, निशानेबाजी – महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन
- अर्जुन चीमा, निशानेबाजी – पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम
- सिफ्ट कौर समरा, शूटिंग – महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन
- संदीप सिंह, निशानेबाजी – पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम
- प्राची चौधरी कलियर, एथलेटिक्स – रिजर्व

चंडीगढ़
- अर्जुन बबुता, निशानेबाजी – पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम
- विजयवीर सिद्धू, शूटिंग – पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल

राजस्थान
- अनंतजीत सिंह नरुका, निशानेबाजी – पुरुष स्कीट, स्कीट मिश्रित टीम
- माहेश्वरी चौहान, निशानेबाजी – महिला स्कीट, स्कीट मिश्रित टीम

दिल्ली
- अमोज जैकब, एथलेटिक्स – पुरुष 4×400 मीटर रिले
- तूलिका कॉम्प्रा, जूडो – महिला %78 किग्रा
- राजेश्वरी कुमारी, निशानेबाजी – महिला जाल
- मनिका बत्रा, टेबल टेनिस – महिला एकल

बिहार
- श्रेयसी सिंह, शूटिंग – महिला ट्रैप

कर्नाटक
- पूवम्मा एमआर, एथलेटिक्स – महिला 4×400 मीटर रिले
- अश्विनी पोनप्पा, बैडमिंटन – महिला युगल
- अदिति अशोक, गोल्फ – महिला व्यक्तिगत
- श्रीहरि नटराज, तैराकी – पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक
- धिनिधि देसिंघु, तैराकी – महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल
- अर्चना कामथ, टेबल टेनिस – महिला टीम
- रोहन बोपन्ना, टेनिस – पुरुष युगल

केरल
- अब्दुल्ला अबूबकर, एथलेटिक्स – पुरुष ट्रिपल जंप
- मोहम्मद अजमल, एथलेटिक्स – पुरुषों की 4×400 मीटर रिले
- मोहम्मद अनस, एथलेटिक्स – पुरुषों की 4×400 मीटर रिले
- मिजो चाको, कुरियन – एथलेटिक्स रिजर्व
- पीआर श्रीजेश, पुरुष हॉकी टीम
- एचएस प्रणय, बैडमिंटन – पुरुष एकल

तमिलनाडु
- जेसविन एल्ड्रिन, एथलेटिक्स – पुरुषों की लंबी कूद
- प्रवीण चित्रवेल, एथलेटिक्स – पुरुष ट्रिपल जंप
- राजेश रमेश, एथलेटिक्स – पुरुष 4×400 मीटर रिले
- संतोष तमिलरासन, एथलेटिक्स – पुरुष 4×400 मीटर रिले
- सुभा वेंकटेशन, एथलेटिक्स – महिला 4×400 मीटर रिले
- विथ्या रामराज, एथलेटिक्स – महिला 4×400 मीटर रिले
- नेत्रा कुमानन, नौकायन – महिलाओं की एक व्यक्ति डिंगी
- विष्णु सरवनन, नौकायन – पुरुषों की एक व्यक्ति डिंगी
- एलावेनिल वलारिवन, निशानेबाजी – महिला 10 मीटर एयर राइफल, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम
- पृथ्वीराज टोंडाइमन, शूटिंग – पुरुष ट्रैप
- साथियान ज्ञानशेखरन, टेबल टेनिस – रिजर्व
- शरथ कमल, टेबल टेनिस – पुरुष एकल, टीम
- एन श्रीराम बालाजी, टेनिस – पुरुष युगल

उत्तर प्रदेश
- अन्नू रानी, एथलेटिक्स – महिला भाला फेंक
- पारुल चौधरी, एथलेटिक्स – महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज, महिला 5000 मीटर
- प्रियंका गोस्वामी, एथलेटिक्स – महिलाओं की 20 किमी रेस वॉक, मैराथन रेस वॉक मिक्स्ड रिले
- राम बाबू, एथलेटिक्स – पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक
- शुभंकर शर्मा, गोल्फ – पुरुष व्यक्तिगत
- ललित कुमार उपाध्याय, पुरुष हॉकी टीम
- राजकुमार पाल, पुरुष हॉकी टीम

आंध्र प्रदेश
- धीरज बोम्मादेवरा, तीरंदाजी – पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष टीम
- ज्योति याराजी, एथलेटिक्स – महिला 100 मीटर बाधा दौड़
- ज्योतिका श्री दांडी, एथलेटिक्स – महिला 4×400 मीटर रिले
- सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, बैडमिंटन – पुरुष युगल

असम
- लवलीना बोरगोहेन, बॉक्सिंग – महिला 70 किग्रा

गोवा
- तनीषा क्रैस्टो, बैडमिंटन – महिला युगल

गुजरात
- हरमीत देसाई, टेबल टेनिस – पुरुष एकल, टीम
- मानव ठक्कर, टेबल टेनिस – पुरुष टीम

झारखंड
- दीपिका कुमारी, तीरंदाजी – महिला व्यक्तिगत, महिला टीम

हरियाणा
- भजन कौर, तीरंदाजी – महिला व्यक्तिगत, टीम
- किरण पहल, एथलेटिक्स – महिला 400 मीटर, 4×400 मीटर रिले
- नीरज चोपड़ा, एथलेटिक्स – पुरुषों की भाला फेंक
- अमित पंघाल, मुक्केबाजी – पुरुष 51 किग्रा
- जैस्मीन लेम्बोरिया, बॉक्सिंग – महिला 57 किग्रा
- निशांत देव, मुक्केबाजी – पुरुष 71 किग्रा
- प्रीति पवार, मुक्केबाजी – महिला 54 किग्रा
- दीक्षा डागर, गोल्फ – महिला व्यक्तिगत
- संजय, हॉकी – पुरुष हॉकी टीम
- सुमित, हॉकी – पुरुष हॉकी टीम
- बलराज पंवार, – रोइंग – पुरुष एकल स्कल्स
- अनीश भानवाला, शूटिंग – पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल
- मनु भाकर, निशानेबाजी – महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम, महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल
- रमिता जिंदल, निशानेबाजी – महिला 10 मीटर एयर राइफल, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम
- रायजा ढिल्लों, शूटिंग – महिला स्कीट
- रिदम सांगवान, शूटिंग – महिला 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम
- सरबजोत सिंह, निशानेबाजी – पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम
- सुमित नागल, टेनिस – पुरुष एकल
- अमन सहरावत, कुश्ती – पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा
- अंशु मलिक, कुश्ती – महिला 57 किग्रा
- अंतिम पंघाल, कुश्ती – महिला 53 किग्रा
- निशा दहिया, कुश्ती – महिला 68 किग्रा
- रीतिका हुड्डा, कुश्ती – महिला 76 किग्रा
- विनेश फोगाट, कुश्ती – महिला 50 किग्रा

मध्य प्रदेश
- विवेक सागर प्रसाद, पुरुष हॉकी टीम
- ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, निशानेबाजी – पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन

महाराष्ट्र
- प्रवीण जाधव, तीरंदाजी – पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष टीम
- अविनाश साबले, एथलेटिक्स – पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज
- सर्वेश कुशारे, एथलेटिक्स – पुरुष ऊंची कूद
- चिराग शेट्टी, बैडमिंटन – पुरुष युगल
- स्वप्निल कुसाले, शूटिंग – पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन

मणिपुर
- मीराबाई चानू, भारोत्तोलन – महिला 49 किग्रा
- नीलकांत शर्मा, पुरुष हॉकी टीम – रिजर्व

ओडिशा
- अमित रोहिदास, पुरुष हॉकी टीम
- किशोर जेना, एथलेटिक्स – पुरुषों की भाला फेंक

सिक्किम
- तरुणदीप राय, तीरंदाजी – पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष टीम

तेलंगाना
- पीवी सिंधु, बैडमिंटन – महिला एकल
- निकहत जरीन, बॉक्सिंग – महिला 50 किग्रा
- ईशा सिंह, निशानेबाजी – महिला 25 मीटर पिस्टल
- श्रीजा अकुला, टेबल टेनिस – महिला एकल, टीम

उत्तराखंड
- अंकिता ध्यानी, एथलेटिक्स – महिला 5000 मीटर
- परमजीत बिष्ट, एथलेटिक्स – पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक
- सूरज पंवार, एथलेटिक्स – मैराथन रेस वॉक मिक्स्ड रिले
- लक्ष्य सेन, बैडमिंटन – पुरुष एकल

पश्चिम बंगाल
- अंकिता भक्त, तीरंदाजी – महिला व्यक्तिगत
- अनुष अग्रवाल, घुड़सवारी – ड्रेसेज इवेंट
- आयहिका मुखर्जी, टेबल टेनिस – रिजर्व

महिला एशिया कप 2024

पहले पाकिस्तान को हराया अब यूएई की बारी

- सेमीफाइनल में पहुंचने के करीब भारतीय महिला टीम

दाम्बुला (एजेंसी)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ जीत दर्ज करके महिला एशिया कप सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगी। गत चैंपियन भारत ने शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। यूएई को हरमनप्रीत कौर की टीम को हराने के लिए चमत्कारिक प्रदर्शन करना होगा। भारत के फिलहाल दो अंक और प्लस 2.29 का नेट रनरेट है और अमीरात को हराने से उसके चार अंक हो जाएंगे। पाकिस्तान के खिलाफ दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और पूजा वस्त्राकर ने अच्छी गेंदबाजी की। टीम प्रबंधन को बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के जरिए वापसी की है।

रेणुका ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह अच्छा स्पैल था और मौसम से भी मदद मिली। नेट पर जिस तरह से मैं अभ्यास कर रही हूं, मैच में भी उसे दोहरा सकी।' भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए 35 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने 9.3 ओवर में 85 रन की साझेदारी की। इसके बाद भारत ने तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। भारतीय खेमा यूएई के खिलाफ मध्यक्रम के बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा होगा।

एशिया कप बांग्लादेश में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए अहम माना जा रहा है। रेणुका ने कहा, एशिया कप महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद टी-20 विश्व कप से पहले ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बांग्लादेश में भी हालात ऐसे ही होंगे लिहाजा हमें इस टूर्नामेंट से काफी मदद मिलेगी।' दूसरे मैच में पाकिस्तान का सामना नेपाल से होगा।

भारत का स्क्वॉड – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

यूएई का स्क्वॉड– एशा रोहित ओझा (कप्तान), कविशा कुमारी, रितिका रजत, समायरा डी, लावण्या केनी, एमिली थॉमस, हीना होचंदानी, महक ठाकुर, इंदुजा नंदकुमार, रिनिता रजत, खुशी मोहन शर्मा, रिशिता रजत, सुरक्षा कोट्टे, टी सतीश, वैष्णवी महेश

गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम बखूबी किया : हरमनप्रीत

दाम्बुला (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को यहां महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में पाकिस्तान को हराने के बाद कहा कि उनके गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम बखूबी किया। भारत ने गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों की बदौलत पाकिस्तानी टीम को सात विकेट से हरा दिया। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा कि हमारी गेंदबाजों और सलामी बल्लेबाजों ने अपना काम किया। पहला मैच हमेशा ही दबाव भरा होता है क?योंकि आपको लय बनानी होती है। हमारी पूरी टीम अच?छा खेली। उन्होंने कहा कि जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो हम जल?दी विकेट लेने के बारे में बात कर रहे थे। बल?लेबाजी में श्रेय स?मृति और शेफाली को जाता है। हम इसी तरह से निर्भीक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। अनुभवी गेंदबाज दीप्ति शर्मा 'प?लेयर ऑफ द मैच' रहीं जिन्होंने तीन विकेट झटके। उन्होंने कहा कि योजना के मुताबिक गेंदबाजी कर पाई जिससे मैं अच्छा महसूस कर रही हूं।

अरे, मेरी एक पत्नी और बच्चे हैं घर- मार्क वुड के लीथल बाऊंसर पर बोले केवम हॉज

नॉटिंघम (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने दूसरे टेस्ट में केवम हॉज के शतक और एलिक अथानाजे के साथ 175 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी के साथ

इंग्लैंड को सख्त चुनौती दे दी। इंग्लैंड ने पहली पारी में 416 रन बनाए थे जिसके जवाब में विंडीज ने दूसरे दिन के अंत तक 5 विकेट पर 351 रन बना लिए थे। विंडीज की इस बेहतरीन पारी में केवम हॉज का बड़ा योगदान रहा। इस दौरान केवम ने कप्तान क्रैग ब्रैथवेट के साथ बेहतरीन तामलेल पर बात की। उन्होंने कहा कि एक ही फ्रेंचाइजी के लिए खेलते समय उनमें यह तालमेल बैठा, जिसका उन्हें फायदा हो रहा है।

हॉज ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि हम हमेशा एक साथ अच्छी बल्लेबाजी करते हैं, घर में एक ही फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, हमने कई बड़ी साझेदारियां की हैं। वह मुझसे ज्यादा आक्रामक है, मैं अधिक संचायक हूं, इसलिए मैं रडार के नीचे जाता हूं और अपना काम चुपचाप करता हूं। विकेट पर उनके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा होता है। अपना केवल चौथा टेस्ट मैच खेलते हुए हॉज ने अपने पहले टेस्ट शतक पर कहा कि यह सपना सच होने जैसा है, आप एक युवा खिलाड़ी के रूप में खेल खेलते हैं, यह कुछ ऐसा है जो आप करना चाहते हैं, खासकर इंग्लैंड जैसी टीम के खिलाफ। मैं वास्तव में इससे खुश और संतुष्ट हूं।

हॉज की पारी का मुख्य आकर्षण उनकी इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड से जोरदार लड़ाई थी। वुड जोकि टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज ओवर फेंकने वाले प्लेयर भी बन गए हैं, कई बाऊंसर डालकर हॉज की निरंतरता तोड़ने की कोशिश की थी।

संक्षिप्त समाचार

गुरदासपुर- नहाने गए सरपंच को डूबता देख दो दोस्तों ने लगाई छलांग, तीनों डूबे

गुरदासपुर, एजेंसी। पंजाब के बटाला स्थित गांव अलीवाल की अप्परबारी दुआब नहर में सरपंच समेत तीन युवक डूब गए। इनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि गांव भरथवाल के सरपंच रणबीर सिंह शुक्रवार को नहर में नहाने के लिए गए थे। पानी का बहाव तेज होने के चलते वह डूबने लगे, सरपंच को बचाने के लिए उनके दो साथियों मक्खन उर्फ मखु और करतार सिंह ने नहर में छलांग लगा दी लेकिन पानी के साथ वो भी बह गए। जब आसपास के लोगों ने तीनों को डूबते हुए देखा तो जिला प्रशासन को सूचित किया। प्रशासन ने जल्द से जल्द पानी के बहाव को रोका और गोताखोर की मदद से सरपंच समेत तीनों की तलाश शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह एक व्यक्ति मक्खन सिंह के शव को बरामद कर लिया गया है और बाकियों की तलाश जारी है। वहीं मृतक के परिजनों ने कहा कि यह तीनों घर से नहाने के लिए गए थे, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के चलते तीनों पानी में डूब गए। उन्होंने बताया कि साथियों ने अपनी पगड़ी उतार कर सरपंच को बचाने की कोशिश की, लेकिन जब पगड़ी से बात नहीं बनी तो उन्होंने भी पानी के तेज बहाव में छलांग लगा दी और वह भी डूब गए।

कोर्ट ने स्वामी प्रसाद मौर्य व उनकी बेटी संघमित्रा को घोषित किया फरार

लखनऊ, एजेंसी। एमपी एमएलए कोर्ट ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी पूर्व सांसद बेटी संघमित्रा को फरार घोषित कर दिया है। यह आदेश एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने जारी किया। इसके पहले दोनों के खिलाफ इस साल अप्रैल में गैर जमानतीय वारंट जारी किया गया था। मामले में हाईकोर्ट भी बाप-बेटी को राहत देने से इनकार कर चुका है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी कोर्ट में हाजिर होने से बच रहे हैं। इसलिए उनके खिलाफ धारा-82 की कार्यवाही की जाती है। अधिवक्ता ने बताया बिना तलाक लिए धोखाधड़ी कर दूसरी शादी करने की आरोपी संघमित्रा मौर्य और वादी के साथ मारपीट, गाली गलौज और जानमाल की धमकी व साजिश रचने के आरोपी स्वामी प्रसाद मौर्य, नीरज तिवारी, सूर्य प्रकाश शुक्ला व रितिक सिंह के कोर्ट में हाजिर न होने पर कोर्ट ने सभी आरोपियों को फरार घोषित किया है। बता दें कि आरोप है कि परिवादी दीपक कुमार और संघमित्रा वर्ष 2016 से लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। संघमित्रा और उनके पिता स्वामी प्रसाद मौर्य ने परिवादी को बताया कि संघमित्रा की पूर्व शादी से तलाक हो गया है। लिहाजा परिवादी ने तीन जनवरी 2019 को संघमित्रा से शादी कर लिया। संघमित्रा ने 2019 के चुनाव में शपथपत्र देकर खुद को अविवाहित बताया, जबकि बाद में वादी को पता चला कि संघमित्रा का मई 2021 में तलाक हुआ था। आगे कहा गया कि जब वादी ने वर्ष 2021 में रीति-रिवाज के साथ विवाह करने के लिए कहा, तो स्वामी प्रसाद मौर्य ने वादी के ऊपर कई बार जानलेवा हमला कराया।

36.50 करोड़ पौधा रोप उत्तर प्रदेश बनाएगा नया रिकॉर्ड

लखनऊ , एजेंसी। हरे भरे उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुकरैल नदी के तट पर पौधा रोपण करेंगे। पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ अभियान के तहत सीएम पीपल, तिलखान और बरगद प्रजाति के पौधे लगाएंगे। यहां करीब 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे। बता दें, प्रदेश में आज 36.50 करोड़ पौधे रोपने का रिकॉर्ड बनेगा। पौधरोपण जन अभियान-2024 के तहत इस बार एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया गया है। प्रदेश सरकार की आधिकारिक साइट पर हर पल रोपे जा रहे पौधों की संख्या को अपडेट भी किया जा रहा है।सीएम योगी ने इसे लेकर एक ट्वीट भी किया। भारतीय मनीषा ने हमें माता भूमि-पुत्रोऽहं पृथिव्या- का संदेश दिया है। हमारी परंपरा पेड़-पौधों को केवल जीव सृष्टि का हिस्सा नहीं मानती, बल्कि उनमें साक्षात ईश्वर का दर्शन करती है। साकार करने जा रहा है। उन्होंने इसे पीएम के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित बताया। आगे लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान एक पेड़ मां के नाम से जुड़कर वृक्षारोपण महाभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग में 50 हजार पदों पर भर्तियां होंगी

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग में बंपर भर्तियां होंगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार जनस्वास्थ्य के प्रति गंभीर है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। चिकित्सा संस्थानों में मानव संसाधन की कमी पूरी करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 50 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तित बजट में कुल बजट का 8.26 प्रतिशत अर्थात् 27 हजार 660 करोड़ रूपये का प्रावधान केवल स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए किया गया है, जबकि राष्ट्रीय औसत 6.18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए यह अब तक का सर्वाधिक बजट प्रावधान है। श्री खींवसर ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने अंतिम बजट में महज 23 हजार 972 करोड़ रुपये का प्रावधान स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए किया था।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री शुक्रवार को विधानसभा में मांग संख्या -27 (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग) एवं मांग संख्या -28 (चिकित्सा शिक्षा विभाग) की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 1 खरब 18 अरब 18 करोड़ 31 लाख 78 हजार रूपये एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की 54 अरब 55 करोड़ 03 लाख 08 हजार रूपये की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं।

खींवसर ने कहा कि चिकित्सा विभाग ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, हॉस्पिटल केयरटेकर, नर्सिंग ऑफिसर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, लैब टेक्नीशियन, सहायक

रेडियोग्राफर, नेत्र सहायक, ईसीजी टेक्नीशियन, डेन्टल टेक्नीशियन एवं फार्मासिस्ट के पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। विगत 7 माह में कुल 3182 पैरामेडिकल एवं मंत्रालय कार्मिकों को नियुक्ति दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से लम्बित फार्मासिस्ट भर्ती के कार्य को आगे बढ़ाते हुए 2543 अभ्यर्थियों की अंतरिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, संविदा नर्स एवं कम्यूनिटी हैल्थ ऑफिसर के रिक्त कुल 10 हजार 657 पदों के परिणाम घोषित किये जा चुके हैं। इन्हें शीघ्र ही नियुक्ति दी जाएगी। राजमेस के अधीन संचालित मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सक शिक्षकों के 1460 पदों पर भर्ती की जाएगी। साथ ही, इस वर्ष बजट में 1500 चिकित्साधिकारियों तथा 4 हजार नर्सिंगकर्मियों के नये पद सृजित कर भर्ती की घोषणा की गई है। साथ ही, अन्य पदों पर भर्तियां करते हुए अस्पतालों में मानव संसाधन की कमी दूर की जाएगी।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में एक मॉडल सीएचसी स्थापित की जाएगी। साथ ही, इस वर्ष 20 जिला चिकित्सालय, 13 जिला चिकित्सालय में शैय्या वृद्धि, 7 सेटेलाइट चिकित्सालय, 56 उप जिला चिकित्सालय, 28 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 463 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 2292 उप स्वास्थ्य केन्द्र, 18 जिला औषधि भण्डार, 16 एएनएम ट्रेनिंग सेन्टर, 10 ट्रोमा सेन्टर सहित क्रिटिकल केयर ब्लॉक आईपीएचएल एवं बीपीएचयू आदि के भवन बनाये जाएंगे। साथ ही, चिकित्सा संस्थानों के उचित रख-रखाव पर 150 करोड़ रुपये व्यय किये जाएंगे।

खींवसर ने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस एवं 39 बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस खरीदी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एसएमएस अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में मरीज भार कम करने की दृष्टि से सांगानेर में 150 बेड का जिला अस्पताल बनाया जा रहा है। साथ ही, झोटवाड़ा एवं विद्याधर नगर में सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाये जाएंगे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने आईपीडी टावर की अधूरी प्लानिंग की और पर्याप्त वित्तीय प्रावधान नहीं किए। इसके चलते 14 मंजिल तक ही इसका काम हो सका। इसमें पार्किंग का समुचित प्रावधान भी नहीं रखा गया। राज्य सरकार 24 मंजिल तक इसके निर्माण को पूरा करेगी और इसमें 1200 वाहनों की पार्किंग एवं स्काई वॉक विकसित किया जाएगा। यह देश के बेहतरीन चिकित्सा संस्थानों में शामिल होगा। इसके लिए 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान कर दिया गया है।

खींवसर ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने आरयूएचएस अस्पताल को क्रियाशील करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। अब राज्य सरकार ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज से 16 चिकित्सकों को आरयूएचएस चिकित्सालय में लगाया है। आरयूएचएस में सुपर स्पेशलिटी सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए इस वर्ष के बजट में 200 करोड़ रुपये व्यय किये जाने की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय अंग प्रत्यारोपण में फर्जीवाड़ा हुआ। राज्य सरकार ने इस मामले में दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। खींवसर ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में राजस्थान ने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग ने 100 दिवसीय कार्ययोजना में कई कार्य पूर्ण किये हैं। बुजुर्गों को एक ही स्थान पर जांच, दवा, उपचार आदि की सभी सुविधाएं देने के लिए विशेष रामाश्रय वार्डों की शुरूआत की गई है। प्रदेश के 49 जिला अस्पतालों में यह वार्ड बनाकर क्रियाशील कर दिए गये हैं। करीब 11 हजार 500 चिकित्सा संस्थानों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित किया जा चुका है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए मेन्टल हैल्थ, ईएनटी, ऑफ्थेल्मिक, जेरियाट्रिक एवं पेलियेटिव स्वास्थ्य सेवाओं को शुरू किया जा रहा है।

अडानी ग्रुप को 280 करोड़ का झटका, हाई कोर्ट ने आदेश पलटा, सुक्खू सरकार को बड़ी राहत

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने गुरुवार को अडानी पावर लिमिटेड को 280 करोड़ रुपये की प्रीमियम राशि वापस करने के एकल पीठ के फैसले को पलट दिया। इस फैसले से हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट के जस्टिस विवेक सिंह ठाकुर और जस्टिस बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने 2022 में एकल पीठ के फैसले के खिलाफ हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को राहत देते हुए हिमाचल हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने एकल पीठ के फैसले को पलट दिया। 2022 में एकल पीठ ने किन्नौर जिले में 969 मेगावाट की जंगी थोपन पावर पनबिजली परियोजना से जुड़े अदानी पावर लिमिटेड को 280 करोड़ रुपये की प्रीमियम राशि वापस करने का आदेश दिया था। खंडपीठ ने कहा कि अडानी समूह इसका हकदार नहीं है।

हिमाचल प्रदेश के महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन ने कहा कि हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने गुरुवार को एकल पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राज्य सरकार को अडानी पावर लिमिटेड को 280 करोड़ रुपये का प्रीमियम भुगतान करने को कहा गया था। हमने एकल पीठ के आदेश को खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी, जिसने राज्य सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया।

महाधिवक्ता ने बताया कि खंडपीठ ने अपने फैसले में यह भी टिप्पणी की कि परियोजना को खरीदने के लिए राज्य सरकार के समक्ष गलत तथ्य पेश किए गए। फैसले में कहा गया है कि अडानी समूह ने पिछले दरवाजे से परियोजना में निवेश किया, जो परियोजना की समझौते की शर्तों के खिलाफ था। इसलिए अडानी ग्रुप को प्रीमियम राशि वापस नहीं की जाएगी। सरकार ने ब्रैकल कंपनी के साथ प्रोजेक्ट एग्रीमेंट (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन कंपनी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी तरीके से प्रोजेक्ट हासिल कर लिया, जो एग्रीमेंट के खिलाफ पाया गया। इसके बाद सरकार की सहमति के बिना ब्रैकल कंपनी ने अडानी ग्रुप को प्रोजेक्ट का सदस्य बना लिया। इस प्रकार ब्रैकेल कंपनी भी प्रीमियम राशि की हकदार नहीं है। अडानी पावर लिमिटेड ने भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 65 और 70 के तहत राज्य सरकार से मुआवजे की मांग की थी। कोर्ट ने पाया कि अडानी और राज्य के बीच कोई कानूनी संबंध नहीं था, जो धारा 70 के तहत ऐसे दावों के लिए आवश्यक है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अडानी के ब्रैकेल को भुगतान से संबंधित लेन-देन राज्य से मुआवजे के हकदार होने का आधार स्थापित नहीं करता है।

महाराष्ट्र से जम्मू-कश्मीर तक 4 राज्यों में चुनावी रणनीति को लेकर उलझी भाजपा, आरएसएस से मदद की दरकार

नईदिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा चुनाव के झटके के बाद भाजपा की आगामी चार विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति को लेकर उलझनें बढ़ गई है। पार्टी आक्रामक और संतुलित चुनाव अभियान को लेकर पसोपेश में है। एक वर्ग का मानना है कि इस समय विपक्षी के दबाव में आने के बजाय पार्टी को पूर्व की तरह अपना आक्रामक अभियान ही जारी रखना चाहिए। हालांकि, इस रणनीति से नुकसान होने की भी आशंका है, क्योंकि विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों में विरोधाभास के बाबजूद भाजपा विरोधी सुर एक जैसे हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रभारी काफी पहले तैनात कर दिए थे। इन नेताओं ने राज्यों में जाकर शुरुआती दौर की बैठक भी की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव प्रभारियों की शुरुआती रिपोर्ट बहुत अच्छी नहीं है। सभी राज्यों में संगठन को लेकर दिक्कतें बढ़ी हुई है। ऐसे में विपक्षी चुनौती का सामना करना काफी

मुश्किलों भरा होगा। यही वजह है कि पार्टी नेतृत्व इस समय संगठनात्मक समस्याओं को सुलझाने में जुटा हुआ है ताकि चुनाव अभियान को गति दी जा सके। पार्टी के सामने एक बड़ा मुद्दा चुनाव अभियान को लेकर भी है। लोकसभा चुनाव में और उसके पहले के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ बेहद हमलावर तरीके से आक्रामक अभियान चलाया था। इसका उसे फायदा भी हुआ था, लेकिन लोकसभा में कई राज्यों में उसे इसका नुकसान भी उठाना पड़ा है। खासकर जहां संगठन में नाराजगी थी। झारखंड और महाराष्ट्र में भी संगठन में कुछ समस्याएं रही हैं। बावजूद सामाजिक समीकरण सुधार नहीं पा रहे हैं, उल्टे बिगड़ने की आशंका है। सूत्रों के अनुसार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली मजबूती से भी भाजपा के सामाजिक समीकरण के प्रभावित होने की आशंका है। खासकर, ब्राह्मण और दलित समुदाय को लेकर पार्टी सशंकित है। ये कांग्रेस का साथ दे सकते हैं। महाराष्ट्र में तो भाजपा का अपना गठबंधन, विपक्षी गठबंधन के सामने लोकसभा चुनाव में भी काफी कमजोर पड़ा था। अब विधानसभा चुनाव में भी यही समस्या सामने आ रही है। ऐसे में पार्टी के लिए अपने गठबंधन के मुख्यमंत्री के चेहरे को जनता के सामने पेश करने में भी दिक्कत आ रही है, क्योंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जाने पर एनडीए को बहुत बड़ी सफलता मिलने की संभावना नहीं है। भाजपा के भीतर भी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को आगे रखने की मांग बढ़ रही है। अजित पवार पर तो फिलहाल भरोसा ही नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में घाटी में भाजपा की समस्याएं बरकरार हैं। अभी यह तय नहीं है कि पार्टी घाटी की सीटों पर किस तरह चुनाव लड़ेगी। अपने उम्मीदवार उतारेगी या कुछ निर्दलीयों को समर्थन देगी। जम्मू क्षेत्र के लिए पार्टी की तैयारी तेज हो चुकी और वहां पर पार्टी को बड़ी सफलता मिलने की भी उम्मीद है।

पृथ्वी से टकरा सकता है एक स्टेरॉयड

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने एक चौंकाने वाली जानकारी दी है, जिसके चलते नासा ने पूरी पृथ्वी के लिए अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट के मुताबिक, जल्द ही एक बड़ा स्टेरॉयड पृथ्वी से टकरा सकता है और पृथ्वी पर भारी हलचल पैदा कर सकता है। इस स्टेरॉयड का नाम 'अपोलो एमजी 1' है। इसकी लंबाई बोइंग 767 विमान के बराबर है और इसका वजन कई गुना ज्यादा है। नासा के मुताबिक, करीब 220 फीट लंबा यह स्टेरॉयड 73 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में घूम रहा है और पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है।

नासा के मुताबिक, यह स्टेरॉयड 21 जुलाई 2024 को पृथ्वी के पास से गुजर सकता है। भारतीय मानक समय के मुताबिक यह घटना 22 जुलाई को सुबह 3:10 बजे होने की संभावना है। यह स्टेरॉयड पृथ्वी से लगभग 4.2 मिलियन किलोमीटर की दूरी से पृथ्वी की ओर आ रहा है। इस स्टेरॉयड का नाम अपोलो अंतरिक्ष यान के नाम पर रखा गया है। इस स्टेरॉयड के विखंडन से बना एक स्टेरॉयड पृथ्वी से टकरा सकता है और

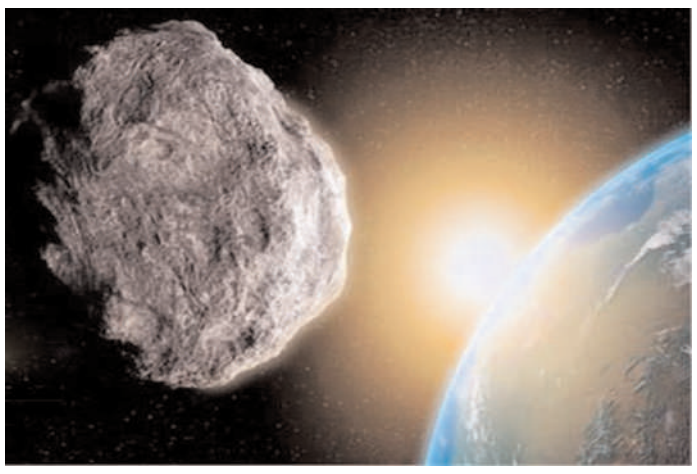

तबाही मचा सकता है, लेकिन यह पता नहीं चल पाया है कि यह धरती के किस हिस्से से टकराएगा। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि जब स्टेरॉयड पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो वे 2013 में चेल्याबिंस्क आग जैसी तबाही मचाते हैं। 15 फरवरी, 2013 को रूस के दक्षिणी यूराल क्षेत्र में स्थित यह शहर एक बड़े उल्कापिंड की चपेट में आ गया और आग लग गई। हालांकि अपोलो एमजी1 के पृथ्वी से टकराने की संभावना कम है, लेकिन नासा के वैज्ञानिक इसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। नासा के वैज्ञानिक स्टेरॉयड को ट्रैक करने के लिए रडार सिस्टम और दूरबीनों का उपयोग कर रहे हैं। इस स्टेरॉयड की गति को देखते हुए इसका रास्ता बदलने की संभावना है।

चीन में भारी बारिश के बीच भरभराकर गिर गया पुल, कम से कम 11 की मौत

बीजिंग, एजेंसी। अपनी उन्नत तकनीक और मॉडर्न इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए मशहूर चीन में एक पुल ढह गया और 11 लोगों की मौत हो गई। उत्तर पश्चिमी चीन के शानक्सी प्रांत में एक राजमार्ग पुल के आंशिक रूप से ढह जाने से शनिवार सुबह तक ग्यारह लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांतीय प्रचार विभाग के अनुसार शांग्लुओ शहर के झाशुई काउंटी में स्थित यह पुल शुक्रवार को अचानक भारी बारिश और बाढ़ के कारण रात लगभग 8:40 बजे ढह गया। शनिवार सुबह 10 बजे (स्थानीय समय) तक बचाव दल ने नदी में गिरे पांच वाहनों को बरामद कर लिया था। बचाव कार्य जारी है। बता दें कि इन दिनों चीन के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। भारत में भी मॉनसूनी बारिश की वजह से कई जगहों पर पुल गिरे हैं। दो दिन पहले ही उत्तराखंड के ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर रूद्रप्रयाग के पास एक निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज का एक हिस्सा गिर गए। गनीमत यह थी कि उस वक्त कोई भी मजदूर साइट पर नहीं था। ऐसे में किसी की जान इस हादसे में नहीं गई है। बता दें कि नरकोटा में 66 करोड़ की लागत से 110 मीटर लंबा सिग्नेचर ब्रिज बनाया जा रहा है। 2021 से

ही इस प्रोजेक्ट पर काम जारी है। वहीं 2022 में इस पुल का बेस गिर गया था जिसमें तीन लोगों की जान चली गई थी। बिहार की बात करें तो भारी बारिश के बीच कई पुल गिर चुके हैं। जून के महीने में 11 दिन के अंदर ही बिहार में पांच पुल गिर गए। 28 जून को गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गए। पुल गिरने पर सियासत भी हो रही है। पुल गिरने से आरजेडी को हमला करने का मौका मिल रहा है। ज्यादातर प्रोजेक्ट नीतीश की सरकार में ही मंजूर हुए हैं। वहीं नीतीश कुमार इन दिनों एनडीए में हैं। ऐसे में तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी की रहनुमाई में सीएम नीतीश कुमार की अगुआई में बिहार की डबल इंजन वालीसरकार में पुलों के गिरने से जनता के करोड़ों रुपये स्वाहा हो रहे हैं।

राष्ट्रपति बनने से पहले ट्रंप ने हमास को दी धमकी, मिला करारा जवाब- इजरायल को अशुभ विनाश से बचाओ

वाशिंगटन, एजेंसी।
इजरायल-हमास युद्ध के बीच राष्ट्रपति बनने से पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को धमकियां देना शुरू कर दी हैं। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने कहा है कि हमास अगर उनके राष्ट्रपति बनने से पहले बंधकों को नहीं लौटाता तो उसे बड़ी कीमत चुकानी होगी। गुरुवार को रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिलिस्तीनी संगठन हमास को धमकाते हुए कहा कि अगर उनके राष्ट्रपति बनने से पहले बंधकों को नहीं छोड़ा तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी होगी । इस बीच फिलिस्तीनी हमास आंदोलन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूजवीक के साथ साझा की टिप्पणियों में ट्रंप को कुछ अनचाही सलाह दी है, क्योंकि रिपब्लिकन उम्मीदवार व्हाइट हाउस में अपने

डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी से अलग होने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप ने गुरुवार को रिपब्लिक नेशनल कन्वेंशन में अपनी पार्टी के नामांकन को स्वीकार करने के बाद दिए अपने 90 मिनट के भाषण में गाजा में चल रहे युद्ध का जिक्र किया और कभी भी हमास का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अनुमानित आठ अमेरिकी बंधकों के भाग्य के बारे में पूरी दुनिया को एक अशुभ चेतावनी जारी की, जिनके बारे में माना जाता है कि वे फिलिस्तीनी मिलिशिया द्वारा पकड़े गए हैं। ट्रंप ने कहा ,हम अपने बंधकों को वापस चाहते हैं, और बेहतर होगा कि वे मेरे पदभार ग्रहण करने से पहले वापस आ जाएं, अन्यथा आपको बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए हमास के प्रवक्ता बासेम नईम ने एक बयान में कहा कि ऐसे बयान सुनकर दुख हुआ, क्योंकि इससे पता चलता है कि यहां संघर्ष के प्रति अमेरिकी नीतियां गैर-पक्षपाती मुद्दा है और चाहे चुनाव में कोई भी जीत जाए, इजरायल के प्रति अमेरिका का अंधा और शर्मनाक समर्थन जारी रहेगा। 7 अक्टूबर को हमास ने जिन लोगों को बंधक बनाया था, उसमें अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे।ट्रंप ने कहा, हम अपने बंधकों को वापस चाहते हैं. अच्छा होगा कि मेरे राष्ट्रपति बनने से पहले उन्हें छोड़ दिया जाए ट्रंप की इस बात पर उनके समर्थक भी अपना समर्थन जताते नजर आए। वो उन्हें (बंधकों) वापस लाओ के नारे लगा रहे थे। हमास ने ट्रंप के एक समर्थक रोनेन न्यूट्रा के अमेरिकी-इजराइली बेटे उमर को भी बंधक बनाया है। पार्टी सम्मेलन में रोनेन ने कहा कि ट्रंप ने इस संबंध में उनसे बात की है। उन्होंने बताया, हमले में जब उमर को बंधक बना लिया गया, ट्रंप ने उसे बात की थी। हम जानते हैं कि वो अमेरिकी बंधकों के साथ हैं। बता दें कि इजरायल-फिलिस्तीन में दशकों से तनाव चला आ रहा है। पिछले साल 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इजरायल के दक्षिणी हिस्से पर हमला कर दिया था जिसमें 1,200 इजराइली नागरिकों की जान चली गई थी और हमास लड़ाकों ने 251 लोगों को बंधक बना लिया था जिसमें कई अमेरिकी भी शामिल थे। बंधकों में कुछ को छुड़ाया गया है लेकिन अब भी सैकड़ों बंधक हमास के कब्जे में हैं।

पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़े अल्पसंख्यक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी वर्ष 2017 के 35 लाख से बढ़कर 2023 में 38 लाख हो गई, जो इन्हें इस इस्लामी राष्ट्र का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह बनाती है। पिछले साल की जनगणना के आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने गुरुवार को 7वीं आबादी और आवास जनगणना 2023 के नतीजे जारी किए। 2023 में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 2,40,458,089 थी। इससे पता चलता है कि कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 2017 में 96.47 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 2023 में 96.35 प्रतिशत रह गई, जबकि सभी प्रमुख धार्मिक अल्पसंख्यकों की आबादी पिछले छह वर्षों में बढ़ी है। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 2017 के 35 लाख से बढ़कर 2023 में 38 लाख हो गई, लेकिन कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी 1.73 से घटकर 1.61 प्रतिशत हो गई है। इससे पता चलता है कि अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की आबादी में तेज दर से वृद्धि हुई है। ईसाइयों की जनसंख्या भी 26 लाख से बढ़कर 33 लाख हो गई। अहमदियों की वास्तविक जनसंख्या के साथ-साथ कुल जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी में भी गिरावट देखी गई। आंकड़ों से पता चलता है कि देश की जनसंख्या 2.55 प्रतिशत की वृद्धि दर से 2017 में करीब 20.76 करोड़ से बढ़कर 2023 में करीब 24.14 करोड़ हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129